हिन्दी, उर्दू, पंजाबी में एक साथ प्रकाशित दिल्ली सरकार की मासिक पत्रिका

अंकः जुलाई–सितंबर 2014

दिल्ली

ਦਿੱਲੀ دلّی

त्यागराज खेल परिसर में शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में
दिल्ली के उपराज्यपाल श्री नजीब जंग

दिल्ली के मुख्य सचिव श्री दीपक मोहन स्पोलिया राजधानी के विकास कार्यों का अवलोकन करते हुए।

दिल्ली

अंक : जुलाई–सितंबर 2014

प्रधान सम्पादक
सज्जन सिंह यादव

सम्पादक
नलिन चौहान

सम्पादन सहायक
गोविन्द कुण्डेलिया

सम्पादकीय सहायक
महेश चन्द्र मौर्या, कंचन आजाद
विनोद गुप्ता, चन्दन कुमार
अमित कुमार, मनीष कुमार
उर्मिल बेनिवाल

छाया चित्र
सुधीर कुमार, श्याम नारायण उपाध्याय,
अजय कुमार, योगेश जोशी

"दिल्ली" पत्रिका में प्रकाशित रचनाओं में अभिव्यक्त विचार रचनाकारों के अपने हैं तथा दिल्ली सरकार का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं।

पत्राचार का पता
प्रधान सम्पादक
दिल्ली सूचना एवं प्रसार निदेशालय
दिल्ली सरकार
खंड सं. 9, पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054
दूरभाष : 23819046, 23817926
फैक्स : 23814081
ई–मेल : delhidip@gmail.com

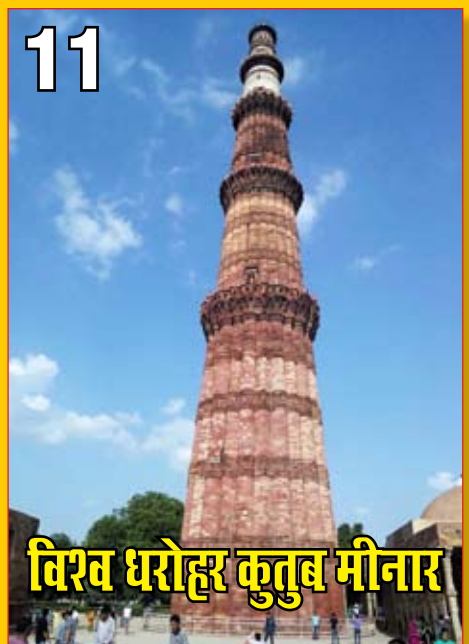

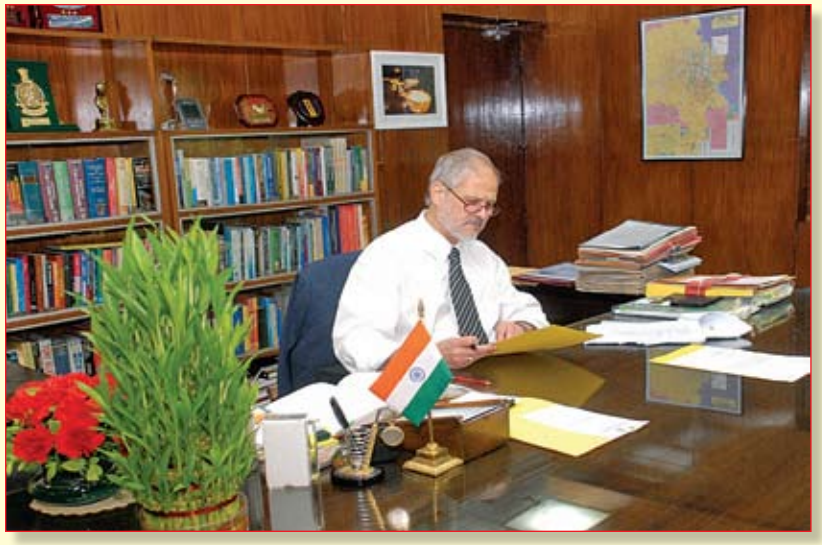

इस अंक में...

हिन्दी

दिल्ली का पर्यावरण–चुनौतियाँ एवं समाधान 3
जमाखोरों एवं कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई 7
दिल्ली सरकार ने निजी सुरक्षा एजेंसियों पर नकेल कसी 9
तिहाड़ जेल में तीन बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन 13
दिल्ली के स्कूलों के प्रधानाचार्यों को उपराज्यपाल ने किया सम्मानित 15
26वां आम महोत्सव 17
दिल्ली को संवारनें की जिम्मेदारी दिल्ली लोकनिर्माण विभाग के पास 19
सरकारी अस्पतालों में ही जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र 21
गतिविधियां 24

पंजाबी

ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿੱਲੀ ਦਾ ਪਰਿਆਵਰਣ 1
ਖੁਰਾਕ ਸਪਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਜਮਾਂਖੋਰਾਂ ਅਤੇ ਕਾਲਾਬਜ਼ਾਰੀ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ 'ਤੇ ਕਾਰਵਾਈ 5
ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਿੱਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ 'ਤੇ ਨਕੇਲ ਕੱਸੀ 7
ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਜਨਮ 'ਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਉਪਲਬਧ 9
ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ 11

उर्दू

راجدھانی دہلی کا ماحولیاتی آلودگی 1
خوراک سپلائی محکمہ کے ذریعہ جمع خوروں وکالا بازاری کرنیوالوں پرکارروائی 7
سرکاری اسپتالوں میں ہی جنم وموت کی پرمان پتر دستیاب 9
کارکردگی 11

राशन कार्डधारक ध्यान दें

आपका राशन आपका हक!

दिल्ली में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 के तहत 10 लाख से भी अधिक परिवारों को खाद्य सुरक्षा दी गई है। ये परिवार हर महीने निम्नलिखित मात्रा में गेहूँ, चावल चीनी पाने के हकदार हैं :

कार्ड का प्रकार	सामग्री	मात्रा (कि. ग्रा में)	दर (रु प्रति कि. ग्रा)
एएवाई	गेहूँ	25 (प्रति राशन कार्ड)	2.00
	चावल	10 (प्रति राशन कार्ड)	3.00
	चीनी	6 (प्रति राशन कार्ड)	13.50

प्राथमिकता वर्ग (इसमें पुराने ए.ए. वाई, बी.पी.एल, झुग्गी राशन कार्ड, पुनर्वास कॉलोनी राशन कार्ड व ए.पी.एल. स्टेन्ड राशन कार्ड धारी व नए हरे राशन कार्ड धारी शामिल हैं)

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के तहत प्राथमिकता कार्ड			
बीपीएल	गेहूँ	4 (प्रति व्यक्ति)	-
	चावल	1 (प्रति व्यक्ति)	-
	चीनी	6 (प्रति परिवार)	-

यदि आपने अभी तक खाद्य सुरक्षा के लिए आवेदन नहीं किया है तो आप निकटतम राशन दफ्तर में आवेदन कर सकते हैं।

DIP/06618/14-15

- राशन की दुकानें पूरे महीने रोजाना प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तथा दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक खुली रहेंगी। केवल एक साप्ताहिक छुट्टी मान्य।
- राशन कार्ड धारक अनाज की खरीद के बदले में कैश रसीद जरुर लें।

दिल्ली सरकार
दिल्ली टीम – स्वप्न करे साकार

खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

मात्रा एवं दर संबंधित किसी भी पूछताछ या शिकायत हेतु राशन हेल्पलाइन नम्बर पर संपर्क करें:

1967 / 1800110841

दिल्ली का पर्यावरण
चुनौतियाँ और समाधान

■ अमित कुमार

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बनाने तथा वायु एवं जल संरक्षण के लिए कई कारगर कदम उठाये जाने की जरुरत महसूस की जा रही है। राजधानी में दिल्ली के उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली सरकार ने पर्यावरण, वायु एवं जल संरक्षण के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था, जिसने पर्यावरण में सुधार को लेकर अपनी रिपोर्ट दी है। ऐसे में अब पर्यावरण को लेकर कई नए और कारगर कदमों पर अमल किये जाने की उम्मीद है।

- राजधानी दिल्ली के जल–मल प्रणाली (सिवरेज सिस्टम) को नए सिरे से डिजाईन किया जायेगा। समूची दिल्ली के सभी मकानों व इलाकों में जहाँ सीवर नहीं है, वहां सीवर डाले जायेंगे, चाहे वह इलाका अधिकृत, अनधिकृत या किसी भी तरह की कॉलोनी में हो।
- सीवर का पानी सीधे तौर पर यमुना में न जाये, इसके लिए आवश्कतानुसार नए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट बनाये जायेंगे।
- दिल्ली की मलिन और झुग्गी बस्तियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर दो लाख शौचालय बनाये जायेंगे।
- मोहल्ले की साफ–सफाई की पूरी जिम्मेदारी मोहल्ला सभाओं को दी जाएगी। इसके लिए उन्हें आवश्यक धन और सरकारी सुविधा भी मुहैया करायी जाएगी।
- मलबा और कूड़े का निस्तारण वैज्ञानिक तरीके से किया जायेगा तथा सड़क या सार्वजानिक स्थानों पर कूड़ा, मलबा या गन्दगी फ़ैलाने पर भारी जुर्माना लगेगा।
- पर्यावरण का सबसे बड़ा दुश्मन माना जाने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबन्ध को प्रभावी तरीके से लागू किया जायेगा।

- सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का विस्तार किया जायेगा, जिससे दिल्ली में निजी वाहनों का प्रयोग कम से कम हो सके। दिल्ली में बस सेवा का और विस्तार किया जायेगा।
- यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली में ऑटो स्टैंड बनाये जायेंगे।

नई सरकार के इन कदमों से दिल्ली के पर्यावरण के स्वच्छ होने और दिल्ली और ज्यादा हरी–भरी तथा साफ सुथरी होने की उम्मीद है।

प्रदूषण कमतर करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के प्रयास

पिछले डेढ़–दो दशक में राजधानी दिल्ली का हरित क्षेत्र लगभग 2 प्रतिशत से बढ़ कर 20 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है। आने वाले दिनों में इसे और बढ़ाने के लिए और अधिक पेड़ और पौधे लगाये जाने की जरुरत है। दरअसल, प्रदूषण का मामला सीधे तौर पर विकास के आधारभूत तरीके से जुड़ा हुआ है, इसलिए असंतुलित विकास की बजाय पर्यावरण को ध्यान में रख कर विकास योजनाएं बनाये जाने पर जोर दिया जा रहा है। विकास के नाम पर वृक्षों की अंधाधुंध कटाई को रोकने के लिए कारगर नीति बनाये जाने की जरुरत महसूस की जा रही है।

केरोसिन मुक्त शहर दिल्ली – राजधानी दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली को देश का पहला केरोसिन मुक्त शहर घोषित किया गया है। इसके लिए दिल्ली में केरोसिन इस्तेमाल करने वाले सभी उपभोक्ताओं को एल. पी. जी. रसोई गैस व कनेक्शन उपलब्ध कराया गया, कई अन्य राज्यों के लिए यह एक मिसाल है। इसी तरह के और फैसले लिए जाने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण

राजधानी दिल्ली को हरा भरा बनाने एवं यमुना नदी की धारा को निर्मल बनाने के लिए शुरू की गयी कवायद को वर्ष 2014 में और भी प्रभावी तरीके से लागू किये जाने के साथ ही राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन किये जाने की उम्मीद है। दिल्ली में सड़कों के किनारे और वृक्षों के आस–पास की जमीन को पक्का करने से वृक्षों को हो रहे नुकसान पर राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के निर्देशों के पालन के लिए लोक निर्माण विभाग, वन विभाग और दिल्ली सरकार की ओर से कंक्रीट हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। सभी कॉलोनियों में पेड़ों के समीप के सतह को कंक्रीट मुक्त करने का काम भी चल रहा है। नए साल में इस मानक को सभी विकास परियोजनाओं से जोड़ा गया।

सी.एन.जी. और वायु प्रदूषण

भारत सरकार के विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में राजधानी में वायु प्रदूषण के स्तर में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसको कम करने के लिए तत्काल जरुरी कदम उठाये जाने की जरुरत है। दिल्ली में सार्वजनिक वाहनों

में कम्प्रेसड नेचुरल गैस–सी.एन.जी. के प्रयोग के बाद, 1995–96 की तुलना में वर्ष 2003–04 में वायु प्रदुषण के स्तर में 24 फीसदी की कमी दर्ज की गयी थी। परन्तु, साल 2007 के बाद दिल्ली में प्रदूषण में फिर से वृद्धि होने लगी है।

सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था के माध्यम से प्रदूषण स्तर में कमी

दिल्ली में निजी परिवहन पर जारी एक स्वतंत्र रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक वर्ष में राजधानी में सी. एन. जी. से चलने वाले निजी वाहनों की संख्या में कमी दर्ज की गयी है और डीज़ल वाहनों के पंजीकरण में काफी इजाफा दर्ज

किया गया है। सी.एन.जी. वाहनों की संख्या में कमी और डीज़ल वाहनों में वृद्धि – दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए यह एक खतरनाक संकेत है और विशेषज्ञों ने इस पर तत्काल गौर किये जाने की जरुरत बताई है ताकि समय रहते निजी वाहनों से उत्पन्न होने वाले वायु प्रदूषण पर काबू पाया जा सके। सी.एन.जी. की कीमतों की समीक्षा भी एक अच्छा विकल्प साबित हो सकता है, इससे लोगों को सस्ता व प्रदूषण रहित इंधन मिलेगा और डीज़ल वाहनों में कमी लायी जा सकेगी। इसके अलावा, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का विस्तार और व्यावसायिकरण कर के इस समस्या से निजात पाया जा सकता है। गौरतलब है कि दिल्ली में मेट्रो का विस्तार काफी हुआ है, लेकिन फीडर बस सेवा या फीडर यातायात पर और ध्यान दिए जाने की जरुरत है, जिससे कि यात्रियों को उनके घर के आस पास ही परिवहन सेवा उपलब्ध हो सके और निजी परिवहन के उपयोग को कम किया जा सके। सरकार का भी मानना है कि राजधानी में 70 फीसदी वायु प्रदूषण वाहनों से निकलने वाले धुएं की वजह से है। इसको देखते हुए सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और मजबूत व व्यापक बनाया जायेगा।

यमुना नदी और जल संरक्षण

राजधानी दिल्ली की जीवन धारा कही जाने वाली तथा सदियों से दिल्ली की नगर संस्कृति को सहेज कर रखने वाली यमुना नदी का अपना असतित्व जीवन संकट में है। यह एक विडम्बना ही है कि दिल्ली की 70 प्रतिशत पेयजल की जरूरतों को पूरा करने वाली यमुना नदी में कुल प्रदूषण का 79 प्रतिशत योगदान हिस्सा दिल्ली का ही है। घरेलू व औद्योगिक गंदे पानी वाले कुल 22 नालों में से प्रतिदिन 2933 मिलियन लीटर गन्दा पानी यमुना में गिरता है। यह बेहद चिंताजनक बात है जो कि भविष्य में यमुना को मृत बनाने के लिए पर्याप्त है। आश्चर्य की बात है कि देश की राजधानी दिल्ली इसके लिए जिम्मेदार है। इसलिए यमुना को प्रदूषण मुक्त करने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी दिल्ली सरकार और दिल्ली के लोगों की ही है। दरअसल यमुना में जल प्रवाह को बेहतर करने के लिए कड़े कदम उठाये जाने की जरुरत है।

यमुना कार्य योजना के तहत सफाई पर लगभग 1800 करोड़ रुपये खर्च किये जाने के बावजूद यमुना साफ़ नहीं हुई और स्थिति जस की तस बनी हुई है, बल्कि यह कहा जाये कि दिन प्रतिदिन यमुना और मैली होती जा रही है तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। दरअसल यमुना सफाई के

काम में लगी एजेसियों की लापरवाही और जल निकासी के लिए बनायीं गयी योजनाओं में नाकामी की वजह से यमुना का प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। दिल्ली सरकार से इन खामियों को दूर करने और यमुना की सफाई अभियान में काफी उम्मीदें है।

जल संरक्षण के उपाय

- दिल्ली में नयी कॉलोनियों के अस्तित्व में आने और रिहाइशी इलाकों के विस्तार को ध्यान में रखते हुए छोटे–छोटे जलशोधन सयंत्र लगाने पर विचार किया जायेगा। पहले से लगाये गए जलशोधन सयंत्र तथा जलाशयों की खामियों को दूर किये जाने की उम्मीद है।

- खुले नालों को ढकने की योज़ना को कई पर्यावरण विशेषज्ञ सही नहीं बता रहें है। उनके हिसाब से नालों को ढक कर सड़क बनाने की बजाय उनके किनारों को प्राकृतिक ढंग से साइकिल या पैदल यात्रियों के लिए मार्ग के तौर पर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने भी दिल्ली के कुशक नाला को ढकने पर रोक लगा दी है। दरअसल, दिल्ली के नालों को प्राकृतिक रूप से विकसित करने की योजना बनायीं जाने की आवश्यकता है।
- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण ने दिल्ली सरकार के सभी विभागों को यमुना नदी में मलबा नहीं फेंकने का निर्देश दिया है। इस आदेश का सख्ती से पालन किये जाने की उम्मीद है। पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन से यमुना में होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए कारगर कदम उठाये गए थे, जिन्हें ढंग से क्रियान्वित किए जाने की जरुरत है।
- वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) से वर्षा जल को संरक्षित किये जाने की योजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार की तरफ से इसके लिए मोहल्ला सभा को अनुदान दिया जायेगा। इसके साथ ही दिल्ली शहर और गांव के सभी तालाब, जोहड़ो और बावड़ियों को पुनर्जीवित कर उनके रख–रखाव की जिम्मेदारी भी स्थानीय मोहल्ला सभाओं की दी जाएगी।

- यमुना नदी का जलस्तर बनाये रखने और इसके अस्तित्व को बचाने के मुहिम के तहत बायो–डायवर्सिटी पार्क का कार्य भी प्रगति पर है। यमुना नदी के किनारे छोटी छोटी दर्जनों झीलें बनाई जा रहीं है, जिसमे वर्षा जल का संचय किया जाएगा। इस बायो–डायवर्सिटी पार्क से जल जीवों व जल पक्षियों के संरक्षण के साथ यमुना के जल स्तर में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। इन उपायों से दिल्ली का पर्यावरण स्वच्छ होगा और दिल्ली पहले से ज्यादा हरी–भरी होगी। ■

जमाखोरों एवं कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई

■ अमित कुमार

दिल्ली के उपराज्यपाल के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को आवश्यक वस्तुओं के जमाखोरों एवं कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने का आदेश का पालन करते हुए विभाग ने खाद्य एवं आपूर्ति के सहायक आयुक्तों के नेतृत्व में खाद्य आपूर्ति अधिकारियों, निरीक्षकों और दिल्ली पुलिस के कर्मचारियों के 52 दलों/दस्तों का गठन किया गया। इन दस्तों की ओर से राजधानी में प्याज, आलू, दाल, खाद्य तेल, खाद्य तेल के बीज, सहित आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरों के खिलाफ शहर भर में छापेमारी की गई।

श्री सज्जन सिंह यादव, आयुक्त (खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति) ने बताया कि विभाग की ओर से गठित निरीक्षण दस्तें ने दिल्ली के कुल 549 परिसरों पर छापेमारी की है। आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और लीगल मेट्रोलोजी एक्ट, 2009 के उल्लंघन के लिए 104 व्यापारियों पर मुकदमा दर्ज करवाया गया। गौरतलब है कि दिल्ली के जमाखोरों के खिलाफ यह दूसरी सबसे बड़ी कार्रवाई है। गत 19 जून को भी विभाग ने जमाखोरों के खिलाफ अभियान चलाया था, जिसमे 532 परिसरों पर छापेमारी के उपरांत 42 व्यापारियों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। श्री यादव

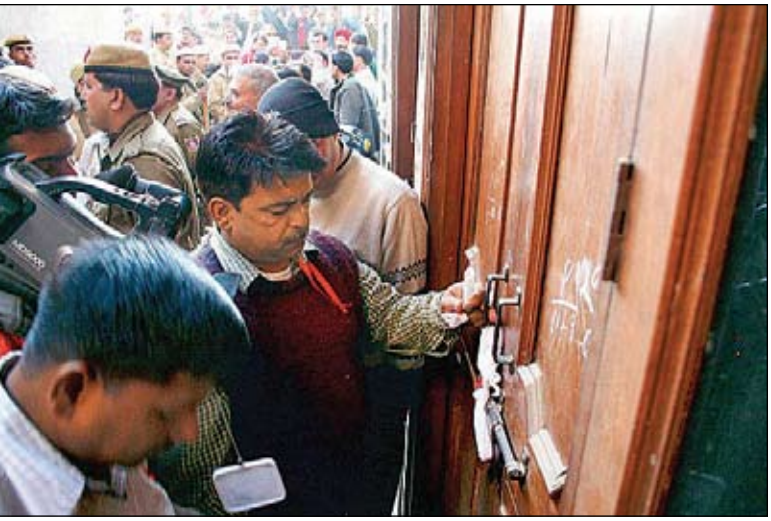

ने कहा कि जमाखोरी करने वाले या उपभोक्ताओं को धोखा देने अथवा अन्य कदाचार में लिप्त किसी को भी बक्शा नहीं जायेगा।

राजधानी के बुराड़ी, आजादपुर मंडी, वजीरपुर, शकूर बस्ती, शालीमार बाग, नरेला, रोहिणी, समयपुर, जहांगीर पुरी, मंगोलपुरी, हरी नगर, तिलक नगर, जनक पुरी, विकासपुरी, कालकाजी, बदरपुर, तुगलकाबाद, संगम विहार, अम्बेडकर नगर, महरौली, छतरपुर, बिजवासन, नजफगढ़, पालम, द्वारका, मटियाला, उत्तम नगर, दिल्ली छावनी, ओखला, गोविंदपुरी, सदर बाजार, बल्लीमारान, मटिया महल, करौल बाग, पटेल नगर, गाजीपुर, किचड़ीपुर, झील, लक्ष्मी नगर, त्रिलोकपुरी, लक्ष्मी बाई नगर, सरोजनी नगर, आईएनए मार्केट एवं मालवीय नगर क्षेत्रों में छापे की कार्रवाई की गई।

विभाग की ओर से डाले गए छापे और मुकदमों का जिलेवार :–

जिला	परिसर की संख्या, जिनमे छापेमारी की गयी	दर्ज मुकदमों की संख्या
उत्तर	40	21
दक्षिण	40	10
दक्षिण पश्चिम	80	10
पश्चिम	52	15
उत्तर पश्चिम	67	8
मध्य	60	9
नई दिल्ली	56	8
पूर्व	78	16
उत्तर पूर्व	76	7
कुल	549	104

खाद्य एवं आपूर्ति आयुक्त ने बताया कि छापेमारी के दौरान बारह हज़ार क्विंटल दाल एवं चावल के अवैध स्टॉक पाया गया। इस अवैध स्टॉक को विभाग ने जब्त कर लिया गया और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को आगे भी छापामारी जारी रखने के निर्देश के साथ आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी सहित कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा है। ■

- **खाद्य आपूर्ति विभाग के सतर्कता शाखा के 52 दस्ते द्वारा राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों के 549 व्यापारिक परिसरों में छापेमारी की कारवाई।**
- **उपराज्यपाल का निर्देश, आवश्यक वस्तुओं की जमाखोरी/कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई - श्री सज्जन सिंह यादव।**
- **दोषी पाए गए 104 व्यापारियों पर मुकदमा दर्ज - खाद्य आपूर्ति आयुक्त।**
- **छापे के दौरान बारह हज़ार क्विंटल दाल एवं चावल के अवैध स्टॉक बरामद।**

दिल्ली सरकार ने निजी सुरक्षा एजेंसियों पर नकेल कसी

■ महेश मौर्य

विभिन्न विभागों, प्रतिष्ठानों व कार्यालयों में प्रर्यवेक्षक और सुरक्षा गार्ड मुहैया कराने वाली तमाम निजी सुरक्षा एजेंसियों पर दिल्ली सरकार ने नकेल कसनी शुरू कर दी है। सरकार के गृह विभाग ने ऐसी सभी निजी सुरक्षा एजेंसियों से दिल्ली निजी सुरक्षा एजेंसी (विनिमय) नियम, 2009 के अंतर्गत उनके द्वारा विभिन्न कार्यालयों और प्रतिष्ठानों में तैनात सभी पर्यवेक्षकों व सुरक्षा गार्डों की तैनाती की सूचना को अनिवार्य रूप 21 जुलाई 2014 तक उपलब्ध कराने को कहा है। आदेश के अनुसार, ऐसी सभी निजी सुरक्षा एजेंसियों को सुरक्षा गार्ड् व पर्यवेक्षक की तैनाती सविस्तार जानकारी ऑनलाइन प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है। यदि कोई एजेंसी इस आदेश का पालन नहीं करेगी तो उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया जाएगा या रद्द कर दिया जाएगा।

गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव व नियंत्रण प्राधिकारी, श्री जी पी सिंह ने बताया कि ऐसी सभी निजी सुरक्षा एजेंसियों को यह जानकारी "Information submission by Securiuty Agencies" लिंक पर क्लिक करते हुए http/:home.delhi.gov.in पर अपलोड करनी होगी। यह लिंक दिल्ली सरकार के मुख्य पोर्टल http/:delhi.gov.in पर भी उपलब्ध है। अन्य किसी साधन से प्राप्त सूचना पर विचार नहीं किया जाएगा। लाइसेंसधारक को उसके द्वारा दिए गए ई–मेल पते पर लॉग इन/पासवर्ड दिया जाएगा। लाइसेंसधारक की इस लॉग इन/पासवर्ड की सहायता से अपने

श्री सिंह ने बताया कि 504 ऐसी निजी सुरक्षा कंपनियों को उनके मालिक, भागीदार, निवेशकों के पूरे विवरण की पुष्टि के पश्चात दिल्ली पुलिस की लाइसेंस शाखा की सिफारिश पर लाइसेंस जारी किए थे। ऐसी सभी एजेंसियों की पूरी जानकारी विभाग के पास होना अत्यावश्यक है इसी आशय से ऐसी सभी एजेंसियो के लिए अपने सुरक्षा कारणों की जानकारी को ऑनलाइन उपलब्ध कराना जरूरी बनाया गया है।

द्वारा नियुक्त सुरक्षा कार्मिकों की तैनाती के विषय में ऑनलाइन जानकारी प्रदान करनी होगी। यदि किसी निजी सुरक्षा एजेंसी की ओर से 21 जुलाई 2014 तक उपरोक्त जानकारी प्राप्त नहीं होती है तो उसके विरूद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी, जिसके अंतर्गत लाइसेंस रद्द/निलंबित किया जा सकता है। इस मामले में स्पष्टीकरण के लिए लाइसेंसधारक टेलीफोन नं. 23392072 पर संपर्क कर सकते हैं।

504 निजी सुरक्षा कंपनियों को उनके मालिक, भागीदार, निवेशकों के पूरे विवरण की पुष्टि के पश्चात दिल्ली पुलिस की लाइसेंस शाखा की सिफारिश पर लाइसेंस जारी किए थे। ऐसी सभी एजेंसियों की पूरी जानकारी विभाग के पास होना अत्यावश्यक है, इसी आशय से ऐसी सभी एजेंसियो के लिए अपने सुरक्षा कारणों की जानकारी को ऑनलाइन उपलब्ध कराना जरूरी बनाया गया है। अब सरकार के पास इस प्रकार की सभी एजेंसियों, उनमें कार्य कर रहे लोगों, उनकी सारी जानकारी और उनकी तैनाती का पूरे रिकॉर्ड का डाटाबेस उपलब्ध रहेगा। इससे यह भी पता चलेगा की कितनी एजेंसियां वास्तव में काम कर रही है और कितनी एजेंसियों ने अपने कार्य को किसी और को सौप रखा है या अपने व्यवसाय को बंद कर दिया है। इसके साथ ही साथ उनके लाइसेंस की समय सीमा की जानकारी और उसकी सत्यापन की प्रक्रिया की आवश्यकता के विषय में भी सरकार को जानकारी रहेगी। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एजेंसियों के सत्यापन और उनसे विविध जानकारी एकत्रित करने के लिए निम्न प्रक्रिया सुझायी गई है:–

1. ऐसी सभी लाइसेंसधारी निजी सुरक्षा एजेंसियों के सभी विस्तृत जानकारियां, गृह विभाग की वेबसाइट पर डालनी होगी। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए लाइसेंस प्राप्त करने के लिए जानकारी हासिल करने संबंधी आवेदन के ऑनलाइन प्रारूप को दिल्ली ई गवर्नेंस के सहयोग से विकसित किया गया है।
2. लाइसेंसधारी से बुनियादी जानकारी प्राप्त करने के बाद, एक लॉग इन पासवर्ड सुरक्षा एजेंसी को जारी किए जाएंगे। इस लॉग इन पासवर्ड के आधार पर एजेंसी अपने खाते तक पहुंच कर वांछित जानकारी प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
3. एक बार गृह विभाग की ओर से मांगी गई जानकारी एजेंसियों से ऑनलाइन एकत्रित हो जाएगी उससे सरकार को डाटाबेस तैयार करने में मदद मिलेगी।

(क) दिल्ली में विभिन्न प्रतिष्ठानों और कार्यालयों में तैनात पर्यवेक्षकों/सुरक्षागार्डों की तैनाती की संख्या

(ख) प्रतिष्ठानों और कार्यालयों का पर्यवेक्षकों और सुरक्षा गार्डो की तैनाती सहित निजी सुरक्षा एजेंसियों का विवरण

(ग) ऐसे सुरक्षा गार्डों की संख्या, जिनके पास बंदूक व लाठी के लाइसेंस हो, के विवरण की जानकारी

यह जानकारी प्राप्त करने के बाद गृह विभाग ऐसी सभी निजी सुरक्षा एजेंसियों में कार्यरत पर्यवेक्षक/सुरक्षा गार्ड के विवरण सहित दिल्ली में विभिन्न प्रतिष्ठानों और कार्यालयों में उनकी तैनाती की पूरी जानकारी का डेटाबेस तैयार करने के साथ–साथ ऐसी निजी एजेंसियों को नियंत्रित करने में अपनी भूमिका निभाने में कामयाब होगा। ■

- **गृह विभाग ने सुरक्षा एजेंसियों से सुरक्षा के लिए तैनात सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की ऑनलाइन जानकारी उपलब्ध कराने को अनिवार्य किया।**
- **आदेश का पालन न करने वाली सुरक्षा एजेंसियों का लाइसेंस रद्द किया जाएगा।**
- **गृह विभाग ने 504 निजी सुरक्षा एजेंसियों को लाइसेंस दिए थे।**

विश्व धरोहर कुतुब मीनार से सटी 199 एकड़ भूमि में विकसित होगा 'महरौली पुरातत्व उद्यान'

■ महेश मौर्य

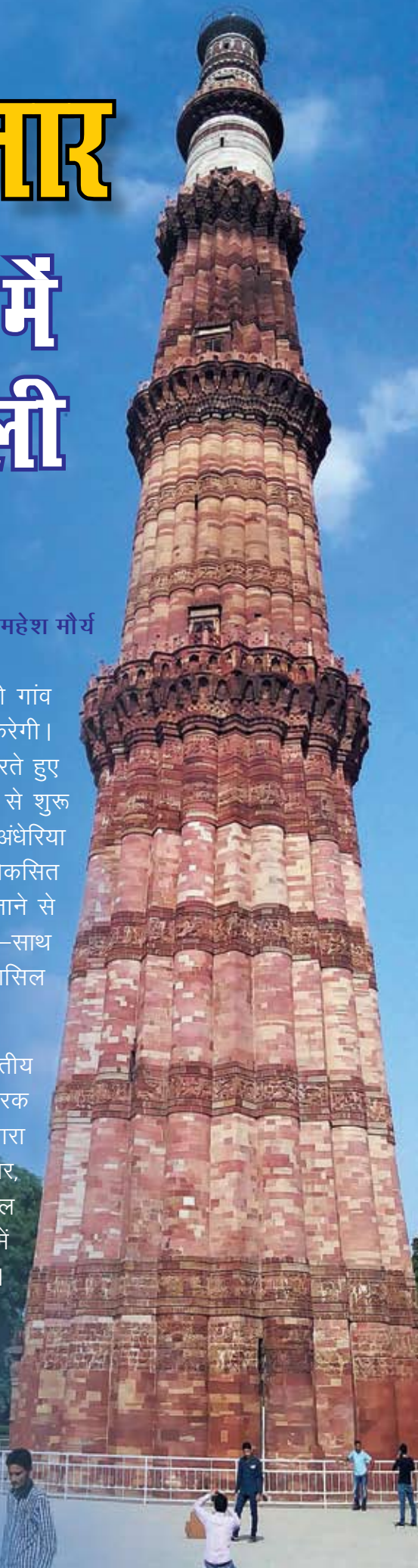

दिल्ली सरकार शीघ्र ही विश्व धरोहर कुतुब मीनार से सटे महरौली गांव के समीप 199 एकड़ भूमि पर महरौली पुरातत्व उद्यान विकसित करेगी। इसके लिए संबंधित विभागों ने अपनी–अपनी जिम्मेदारियां तय करते हुए तैयारी शुरू कर दी है। कुतुब मीनार स्थित कुली खान के मकबरे के अहाते से शुरू हुए, महरौली गांव के पश्चिमी भाग, महरौली गुड़गांव रोड़ के पूर्वी भाग और अंधेरिया मोड़ के दक्षिणी भाग में स्थित इस हरे–भरे पार्क को सुनियोजित ढंग से विकसित कर, सजा सवांर कर इसका सौन्दर्यकरण किया जाएगा। इस पार्क के बन जाने से विश्व धरोहर कुतुबमीनार को देखने आने वाले सैलानी आकर्षित होने के साथ–साथ इसका भरपूर लाभ उठाकर अन्य स्मारकों से जुड़े इतिहास की जानकारी भी हासिल कर सकेंगे।

महरौली पुरातत्व उद्यान की इस चिन्हित भूमि पर भारत सरकार के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और दिल्ली पुरातत्व विभाग के कुल 21 ऐतिहासिक स्मारक स्थित हैं। इन 21 स्मारकों में से 6 स्मारक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित हैं, जिनमें राजो की बावली, मकबरा और मस्जिद का आम परिसर, जमाली–कमाली मस्जिद, जमाली का मकबरा और बलबन का मकबरा शामिल हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली पुरातत्व विभाग के 15 सूचीबद्ध स्मारक हैं। इनमें से 11 स्मारकों का सर्वेक्षण और दस्तावेज संबंधी कार्य पूरे किए जा चुके हैं। शेष चार स्मारकों के सर्वेक्षण का प्रगति पर है। 09 स्मारकों का अधिसूचना जारी की जा चुकी है और 04 स्मारकों को संरक्षित घोषित कर दिया गया है। 15 स्मारकों में से 08 स्मारकों पर अतिक्रमण है जिनमें से 03 स्मारकों में जोकि मस्जिदें हैं और दिल्ली वक्फ बोर्ड के अधीन हैं नमाज अदा की जा रही है।

- **महरौली पुरातत्व पार्क में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और दिल्ली पुरातत्व विभाग के 21 सूचीबद्ध स्मारक हैं।**
- **स्मारकों से अतिक्रमण हटाए जाएंगे।**
- **इस क्षेत्र में स्थित सभी स्मारकों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी।**
- **पार्क के साथ-साथ स्मारकों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाएगी।**

इन सभी स्मारकों की भूमि पर दिल्ली विकास प्राधिकरण का मालिकाना हक है और इसी वजह से विभाग ने डीडीए को इन स्मारकों से अतिक्रमण हटाने के लिए आग्रह किया है। विभाग ने महरौली पुरातत्व उद्यान की देख–रेख के सुरक्षा गार्ड तैनात किए हैं और इसके साथ–ही–साथ डीडीए और दिल्ली पुलिस को भी महरौली पुरातत्व उद्यान और संबंधित स्मारकों की सुरक्षा व्यवस्था को चाक–चौबंद करने के लिए कहा गया है।

इस पार्क में स्थित तीन स्मारकों में से कुली खान के मकबरे के संरक्षण और रख–रखाव का काम पूरा हो गया है और महरौली बस टर्मिनल के पीछे के दो मकबरे और 'झरना स्मारक' के रख–रखाव व संरक्षण का काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

विभाग ने स्मारकों के आसपास के क्षेत्र को पहले से ही साफ कर रखा है, अब घास और खरपतवार को भी साफ किया जा रहा है। ■

महरौली पुरातत्व उद्यान की इस चिन्हित भूमि पर भारत सरकार के भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और दिल्ली पुरातत्व विभाग के कुल 21 ऐतिहासिक स्मारक स्थित हैं। इन 21 स्मारकों में से 6 स्मारक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित हैं, जिनमें राजो की बावली, मकबरा और मस्जिद का आम परिसर, जमाली-कमाली मस्जिद, जमाली का मकबरा और बलबन का मकबरा शामिल हैं। इसके अतिरिक्त दिल्ली पुरातत्व विभाग के 15 सूचीबद्ध स्मारक हैं। इनमें से 11 स्मारकों का सर्वेक्षण और दस्तावेज संबंधी कार्य पूरे किए जा चुके हैं। शेष चार स्मारकों के सर्वेक्षण का कार्य प्रगति पर है।

तिहाड़ जेल में तीन बड़ी परियोजनाओं का उद्घाटन

■ महेश मौर्य

केंद्रीय कारागार तिहाड़ में हरियाली को बढ़ाने को सुनिश्चित करने और पौधारोपण के उद्देश्य से दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव श्री एस के श्रीवास्तव ने जुलाई माह में पौधारोपण कर हरित तिहाड़ परियोजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर तिहाड़ जेल की महानिदेशक सुश्री विमला मेहरा, उपमहानिरीक्षक जेल श्री कुलदीप पाकड़ और जेल के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस परियोजना के अंतर्गत मौजूदा वर्ष तिहाड़ जेल परिसर में 10000 विभिन्न प्रजातियों के फल और फूल देने वाले पौंधे लगाए जायेंगे।

श्री श्रीवास्तव ने इस अवसर पर 'नवग्रह वाटिका' (आकाशीय उद्यान) का भी उद्घाटन किया। नवग्रहों का प्रतिनिधित्व करने वाले पेड़-पौधों से सुसज्जित नवग्रहों की इस बागीचे की छटा देखते ही बनती है। इसमें लगे पौधे दिव्य ऊर्जा को आकर्षित करने वाले, अशुभ प्रभाव से वास्तु की रक्षा और वास्तुदोष निकालने वाले पौधे हैं, जो ऊर्जा के अपार स्त्रोत हैं। इस वाटिका में खैर, पलाश, चंपक, पीपल, ढाक, गुलर, अपारमार्ग, दर्वादुभ, आकमदार, शमीखादी जैसे वृक्ष लगाए गए हैं। श्री श्रीवास्तव ने तिहाड़ जेल में योगांजलि केंद्र का भी उद्घाटन किया। यह ऐसा होलिस्टिक चिकित्सा केंद्र है, जिसमें विभिन्न भारतीय चिकित्सा पद्धतियों से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक समस्याओं का ठीक करने का प्रयास किया जायेगा।

इन पौधों को लगाने में दिल्ली पार्क गार्डन सोसायटी, वन एवं पर्यावरण विभाग और बागवानी विभाग की मदद ली जाएगी। वृक्षारोपण के इस बृहद कार्यक्रम की जिम्मेदारी मंडोली जेल के उप महानिरीक्षक को सौपी गई है। बागवानी विभाग श्रमिकों व मजदूरों द्वारा पौंधारोपण के लिए जगह बनाएगा, गड्ढे खुदवाएगा, खाद डलवाएगा उसके बाद पौंधों को लगाकर अधिकारियों व कर्मचारियों को उनकी देख–रेख, पालन–पोषण, सिंचाई–छटाई की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी और उन जिम्मेदारियों का विधिवत् चार्ट बनाकर उन्हें सौंपा जाएगा।

श्री श्रीवास्तव ने कहा कि हरित तिहाड़ परियोजना से तिहाड़ जेल का पूरा परिसर न केवल हरा–भरा और स्वच्छ वातावरण होगा, अपितु इस परियोजना से जेल में मनोरम दृश्य और नैसर्गिक सौन्दर्य को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी तथा पूरा वातावरण हरा–भरा और खूबसूरती से भरपूर होगा।

श्री श्रीवास्तव ने इस अवसर पर 'नवग्रह वाटिका' (आकाशीय उद्यान) का भी उद्घाटन किया। नवग्रहों का प्रतिनिधित्व करने वाले पेड़–पौधों से सुसज्जित नवग्रहों की इस बगीचे की छटा देखते ही बनती है। इसमें लगे पौधे दिव्य ऊर्जा को आकर्षित करने वाले, अशुभ प्रभाव से वास्तु की रक्षा और वास्तुदोष दूर करने वाले पौधे हैं, जो ऊर्जा के अपार स्त्रोत हैं। इस वाटिका में कैर, पलाश, चंपक, पीपल, ढाक, गुलर, अपारमार्ग, दर्वादुभ, आकमदार, शमीखादी के पौंधे लगाए गए हैं।

दिल्ली के मुख्य सचिव श्री एस.के. श्रीवास्तव सहित महानिदेशक (कारागार) एम. विमला मेहरा द्वारा तिहाड़ जेल में एनएवी गृह वाटिका, हरित तिहाड़ और योगांजलि का उद्घाटन

कर्मचारी इस योगांजलि केंद्र में योग, प्राकृतिक चिकित्सा, हवन और गौ आधारित चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग कर स्वास्थ्य लाभ उठा सकते हैं।

श्री श्रीवास्तव ने इस अवसर पर जेल परिसर में कैदियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बड़े विशाल भवन में 28 बड़े एलईडी टीवी स्क्रीन वाली व्यवस्था का

- **तिहाड़ को हरा-भरा बनाने के लिए 'हरित तिहाड़ परियोजना' के अंतर्गत जेल में 10000 पेड़ लगाए जाएंगे, पेड़ों के रख-रखाव, पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी अधिकारियों को सौपी जाएगी।**
- **मुख्य सचिव ने नव गृह वाटिका के साथ-साथ योगांजलि केन्द्र का भी उद्घाटन किया।**

श्री श्रीवास्तव ने तिहाड़ जेल में योगांजलि केंद्र का भी उद्घाटन किया। यह ऐसा होलिस्टिक चिकित्सा केंद्र है, जिसमें विभिन्न भारतीय चिकित्सा पद्धतियों से शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व आध्यात्मिक समस्याओं का ठीक करने का प्रयास किया जायेगा। जेल के अधिकारी व भी निरीक्षण किया, जो चप्पे–चप्पे पर नजर रखने वाले सीसीटीवी कैमरो से जुड़ी हुई है। सुश्री विमला मेहरा ने श्री श्रीवास्तव को बताया कि जेल के अधिकारियों की इस रुम में कैदियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए 24 घंटे तैनाती रखी जाती है। ■

दिल्ली के स्कूलों के प्रधानाचार्यों को उपराज्यपाल ने किया सम्मानित

■ नलिन चौहान

एक स्कूली शिक्षक की भूमिका अतुलनीय है और किसी अन्य व्यवसाय के साथ इसकी तुलना नहीं की जा सकती है। शिक्षक न केवल छात्र को बेहतर अध्ययन के लिए प्रेरित करता है बल्कि उसमें विषय को लेकर रुचि भी पैदा करता है। दिल्ली के उपराज्यपाल श्री नजीब जंग ने यह बात शिक्षा निदेशालय की ओर से त्यागराज खेल परिसर में आयोजित शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने वाले शिक्षकों और शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के एक सम्मान समारोह में कही।

इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली में शत–प्रतिशत परिणाम लाने वाले 111 सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों के प्रधानाचार्यों, उप प्रधानाचार्यों तथा विज्ञान, वाणिज्य, कला और व्यावसायिक संकायों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले 11 छात्रों को भी सम्मानित किया। इन सभी छात्रों को पुरस्कार के रूप में एक टैबलेट और एक प्रमाण पत्र दिया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली के मुख्य सचिव श्री एस.के. श्रीवास्तव ने की, जिसमें प्रधान सचिव (शिक्षा) श्री अनिंदो मजूमदार और निदेशक (शिक्षा) श्रीमती पद्मिनी सिंगला सहित शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा निदेशालय ने पहली बार दिल्ली के स्कूलों के विभिन्न संकायों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित करने की परंपरा शुरू की है। सरकारी स्कूलों के अव्वल छात्रों में सर्वोदय विद्यालय, सरस्वती विहार के ऋषभ चौधरी (97.4 प्रतिशत–वाणिज्य), राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय पश्चिम विहार के कुलविंदर सिंह (96.2 प्रतिशत–विज्ञान), सरकारी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रूपनगर की सुरभि शर्मा (96.4 प्रतिशत–कला) और सर्वोदय कन्या विद्यालय, तुगलकाबाद रेलवे कालोनी की अमिता यादव (92.8 प्रतिशत–व्यावसायिक) शामिल हैं।

इतना ही नहीं, इस बार सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल के छात्रों ने भी बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं। इनमें क्वीन मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, तीस हजारी की प्रियंका कुच्छल (96.8 प्रतिशत–वाणिज्य), आंध्र सोसाइटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बी –3 जनकपुरी के सिद्धार्थ (96.2 प्रतिशत–विज्ञान) और केरल सीनियर सेकेंडरी स्कूल एम– ब्लॉक विकास पुरी के अलफोन्सा टॉम (95.2 प्रतिशत–कला) हैं।

राजधानी के पब्लिक स्कूलों के अव्वल छात्रों में एयर फोर्स बाल भारती स्कूल, लोधी रोड के जी हरिशंकर (99.2 प्रतिशत–वाणिज्य), डीपीएस वसंत कुंज से सार्थक अग्रवाल (99.6 प्रतिशत–विज्ञान), डीपीएस मथुरा रोड की अलीना बेनजीर (98.4 प्रतिशत–कला) और सेंट थॉमस गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मंदिर मार्ग की महिमा बत्रा (96.6 प्रतिशत–व्यावसायिक) हैं।

राजधानी के सरकारी स्कूलों में शत प्रतिशत परिणाम लाने वाले कुल 111 स्कूलों के स्कूल प्रमुखों–प्रधानाचार्य और उप प्रधानाचार्य–को भी समारोह में सम्मानित किया गया। क्वीन मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल तीस हजारी, आंध्र एजुकेशन सोसाइटी सीनियर सेकेंडरी स्कूल जनक पुरी, राष्ट्रीय विरजानंद अंध कन्या विद्यालय जनक पुरी और जेपीएम ब्लाइंड सीनियर सेकेंडरी स्कूल लाल बहादुर शास्त्री मार्ग वाले सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों को भी उच्चतम गुणवत्ता सूचकांक और शत प्रतिशत परिणाम लाने के लिए मान्यता देकर सम्मानित किया गया। इन सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के प्रधानाचार्यों भी समारोह में उपस्थित थे।

मदर्स इंटरनेशनल स्कूल, अरविंद मार्ग, एन.के. बारगोडिया पब्लिक स्कूल, सेक्टर नौ रोहिणी, वसंत वैली स्कूल, वसंत कुंज, सरदार पटेल विद्यालय, लोधी एस्टेट, इंडियन स्कूल, जोसिप बरोज टीटो मार्ग को भी इसी श्रेणी में सम्मानित किया गया। पहली बार उच्चतम औसत अंकों (उच्चतम गुणवत्ता सूचकांक) को प्राप्त करने वाले इन सभी पब्लिक स्कूलों के प्रधानाचार्यों को भी आमंत्रित किया गया था। राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालय, द्वारका सेक्टर 10 और सरकारी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उजवा उच्चतम गुणवत्ता सूचकांक और शत प्रतिशत परिणाम के हिसाब से सभी राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालयों की श्रेणी में अव्वल रहें।

श्रीमती सिंगला ने अपने धन्यवाद भाषण में बताया कि वर्ष 2011 में दिल्ली सरकार के केवल 70 स्कूल ही शत–प्रतिशत परिणाम लाए थे जबकि वर्ष 2014 में यह संख्या 111 तक पहुंच गयी है। 796 सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में से 673 स्कूलों ने 80 प्रतिशत से अधिक के पास प्रतिशत अंक हासिल किए है। उन्होंने बताया कि निदेशालय के उर्दू माध्यम के स्कूलों का प्रदर्शन में भी बहुत अच्छा रहा है, सर्वोदय कन्या विद्यालय नंबर दो, जीनत महल, लाल कुआं और सरकारी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, चश्मा बिल्डिंग ने शत–प्रतिशत परिणाम प्राप्त किये हैं. जबकि सर्वोदय कन्या विद्यालय नंबर दो, जामा मस्जिद में 98.55 प्रतिशत और सर्वोदय कन्या विद्यालय बुलबुली खाना 98.31 प्रतिशत का पास प्रतिशत परिणाम रहा। ■

26 वां आम महोत्सव

■ गोविन्द कुण्डेलिया

आम एक अनूठा उष्णकटिबंधीय फल है जोकि लोगों के मन में फलों के राजा के रूप में आज भी अपनी जगह बरकरार रखे हुए है। अन्तरराष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष दिल्ली में जून–जुलाई के माह में आयोजित किया जाता है, जिसमें देश के कौने–कौने से आम के छोटे–बड़े उत्पादक हिस्सा लेते हैं। आम महोत्सव न केवल उत्पादकों को अपने उत्पादन को प्रदर्शित करने का बेहतर मौका प्रदान करता है बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम उत्पादक एक दूसरे के सम्पक्र में भी आते है। इस महोत्सव में विभिन्न संगठन आम से तैयार होने वाले उत्पाद के व्यापक प्रचार के लिए भी हिस्सा लेते हैं। पीतमपुरा के दिल्ली हाट में आयोजित 26वें आम महोत्सव में 400 से अधिक आमों की दुर्लभ किस्मों को प्रदर्शित किया गया। इस महोत्सव में आम के उत्पादकों ने आम की विभिन्न किस्मों के प्रदर्शन के दौरान लोगों को आमों की इन किस्मों से तैयार होने वाले उत्पादों और उनके लाभों की जानकारी भी लोगों को दी।

दिल्ली पर्यटन विभाग के अनुसार हर वर्ष लगभग 50–60 हजार दर्शक इस आम महोत्सव को देखने आते हैं। इस बार भी इस महोत्सव में 50 हजार से ज्यादा व्यक्तियों की उपस्थिति दर्ज की गई। इस महोत्सव से न केवल किसानों और आम के उत्पाद तैयार करने वाले संगठनो को लाभ होता है बल्कि पर्यटन विभाग भी हर वर्ष इसके आयोजन से एक अच्छी खासी रकम अर्जित करता है। विश्व में आमों की लगभग 1125 किस्में पाई जाती हैं, इनमें से लगभग 1000 भारत में ही होती हैं।

इस बार 26वें आम महोत्सव का उद्घाटन दिल्ली के मुख्य सचिव श्री एस.के. श्रीवास्तव ने किया। इस आम महोत्सव का आयोजन 11 जुलाई से 13 जुलाई 2014 तक दिल्ली हाट, पीतमपुरा में किया गया। 26वें आम महोत्सव में 400 से अधिक आमों की दुर्लभ किस्मों को प्रदर्शित किया गया। दिल्ली पर्यटन विभाग पूर्व की भांति इस बार भी आम महोत्सव का आयोजन किया था।

आम महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर श्री एस.के. श्रीवास्तव ने कहा कि गर्मी के मौसम में इस तरह का आयोजन सराहनीय है। जो लोग आम की 10–12 किस्मों को ही पहचानते हैं, उनके लिए यह एक अच्छा मंच है जहां वे आमों की विभिन्न दुर्लभ किस्मों से परिचित हो सकते हैं और उन्हें मौके पर ही खरीद कर उनका स्वाद भी ले सकते हैं। एक ही मंच पर आम महोत्सव में अंगूर के आकार से लेकर कटहल के आकार के आमों का संगम सचमुच अद्भुत है। मुख्य सचिव ने आम महोत्सव में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को देश के कोने–कोने से आकर भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

दिल्ली पर्यटन विभाग के प्रबंध निदेशक श्री पुनीत गोयल ने बताया कि आज भी फलों में आम ने अपना सर्वोत्तम स्थान बना रखा है। इस आम उत्सव में लीची के आकार से लेकर कटहल के आकार तक के आमों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस वर्ष 26 वें आम उत्सव में बड़े पैमाने पर भाग लेने वालो में पारम्परिक आम के बागानों के किसान जिन्होंने वर्षो से अपने इस कौशल में दक्षता हासिल की है। इसके अलावा सरकारी संस्थाएं भी इसमें भाग ले रही है।

26वें आम महोत्सव में आमों की जिन किस्मों को प्रदर्शित किया गया उनमें सीकरी, स्वर्ण, जहॉगीर, नीलेश्वरी, रायल एस.पी., रेडी पसंद, हिमसागर, केनसिंगटन, आम्रपाली, मल्लिका, नीलम, फजली और बैगनपल्ली के अलावा लोकप्रिय आम की किस्में दशहरी, लंगड़ा, अल्फॉन्जो, केसर, तोतापरी और वनराज इत्यादि थे। इस महोत्सव में दिल्ली के साहित्य कला परिषद के कलाकारो ने अपनी द्वारा प्रस्तुति भी दी। ■

आम महोत्सव के उद्घाटन के मौके पर श्री एस.के. श्रीवास्तव ने कहा कि गर्मी के मौसम में इस तरह का आयोजन सराहनीय है। जो लोग आम की 10-12 किस्मों को ही पहचानते हैं, उनके लिए यह एक अच्छा मंच है जहां वे आमों की विभिन्न दर्लभ किस्मों से परिचित हो सकते हैं और उन्हें मौके पर ही खरीद कर उनका स्वाद भी ले सकते हैं। एक ही मंच पर आम महोत्सव में अंगूर के आकार से लेकर कटहल के आकार के आमों का संगम सचमुच अद्भुत है। मुख्य सचिव ने आम महोत्सव में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को देश के कोने-कोने से आने के लिए धन्यवाद दिया।

दिल्ली को संवारने की जिम्मेदारी

दिल्ली लोकनिर्माण विभाग के पास

■ कांचन आजाद

दिल्ली को संवारने की जिम्मेदारी दिल्ली लोकनिर्माण विभाग के पास है। दिल्ली सरकार के प्रमुख सचिव (लोक निर्माण विभाग) श्री अरुण बरोका ने बताया कि राजधानी के विभिन्न स्थानों पर 10 सीनियर सेकेंडरी स्कूलों के भवन निर्माण परियोजनाओं की मंजूरी दी गई है। परियोजना पर कुल 174 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इन परियोजनाओं के लिए निविदा की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है और दो महीने के भीतर इनका निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। श्री बरोका ने बताया कि 10 अन्य स्कूलों के निर्माण कार्य के लिए बिल्डिंग प्लान की मंजूरी स्थानीय निकायों द्वारा हो चुकी है। इन स्कूलों का निर्माण शुरू करने के लिए पर्याप्त बजट राशि प्रावधान चालू वित्त वर्ष 2014–15 में उपलब्ध कराई गई है।

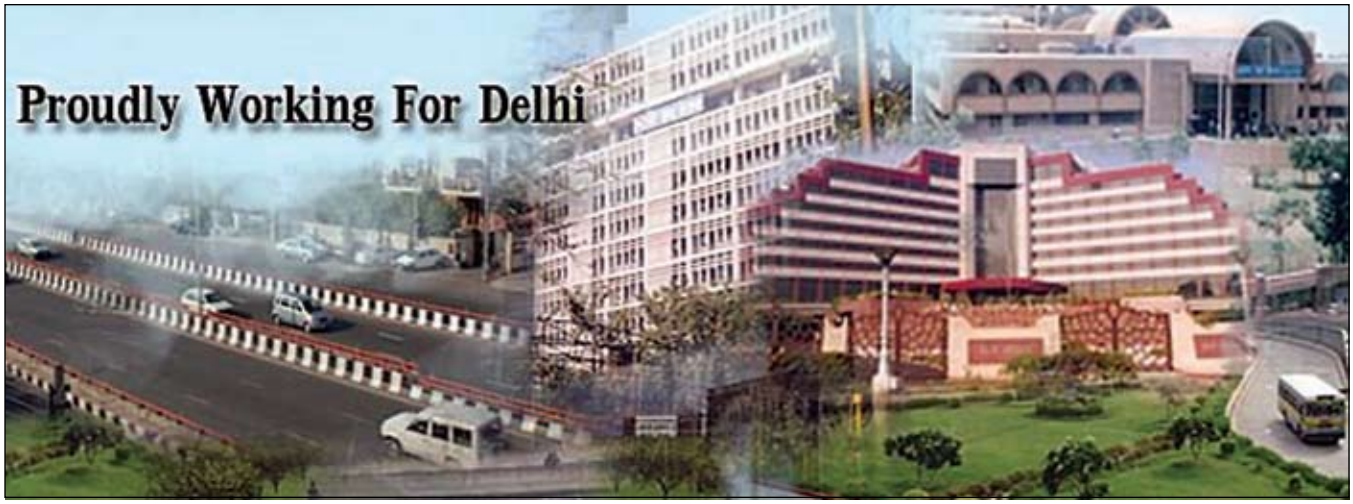

श्री बरोका ने आगे बताया कि इन सभी स्कूलों का निर्माण कार्य 15 महीने के भीतर पूरा कर लिया जायेगा। प्रत्येक स्कूल चार मंजिलें होने के साथ–साथ उसका क्षेत्रफल लगभग 6000 वर्गमीटर का होगा। प्रत्येक स्कूल की इमारत आरसीसी फ्रेम संरचना में होगा उसके साथ उसका बाहरी आवरण पत्थर को होगा। प्रत्येक स्कूल में वर्षा जल संचयन, भूमिगत टैंक और नलकूप की व्यवस्था की जाएगी। इस परियोजना की वास्तु चित्र पहले ही स्थानीय निकायों द्वारा मिल चुकी है। प्रत्येक स्कूल में लगभग 2000 वर्गमीटर क्षेत्र का खेल का मैदान होगा।

प्रमुख सचिव (लोक निर्माण विभाग) ने कहा कि प्रत्येक स्कूल के निर्माण की अनुमानित लागत 16 से 18 करोड़ रुपए आएगी। प्रत्येक स्कूल में विकलांग छात्रों/शिक्षकों के लिए लिफ्टों की भी सुविधा होगी। विभिन्न स्कूलों के निर्माण का विस्तृत ब्यौरा इस प्रकार हैं:–

क्र. सं.	नाम	लागत (करोड़ रुपए में)
1.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर–17, द्वारका (फेज–।।)	16.81
2.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर–22, द्वारका	16.24
3.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदनपुर खादर, फेज–।।	16.30
4.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, मदनपुर खादर, फेज–।।।	13.58
5.	दो स्कूल भवन(एक परिसर) के साथ स्विमिंग पूल और एक बहुउद्देशीय हॉल, हस्तसाल गांव, दिल्ली	25.76
6.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर –6, रोहिणी	16.77
7.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर –17, रोहिणी	15.70
8.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर – 4 (एक्स), रोहिणी	18.06
9.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कालकाजी	17.91
10.	सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर –1 रोहिणी	17.08

- **10 सीनियर सेकेण्डरी स्कूलों की परियोजनाओं के निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग की मंजूरी।**
- **परियोजना की अनुमानित लागत 174 करोड़ रुपए।**
- **15 महीने के भीतर बनकर तैयार होंगे ये सभी स्कूल।**
- **विकलांग छात्रों / शिक्षकों की सुविधा के लिए लिफ्टों का भी प्रावधान।**
- **स्थानीय निकायों 10 अन्य स्कूलों के निर्माण के लिए बिल्डिंग प्लान पास की मंजूरी।**

सरकारी अस्पतालों में ही जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध

अस्पताल में पहली निशुल्क प्रति योजना की शुरुआत

■ मनीष कुमार

लोकनायक अस्पताल दिल्ली का पहला अस्पताल है जहां जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र अस्पताल के ही स्तर पर ही प्रदान किया जा रहा है। लोकनायक अस्पताल में हर महीने लगभग 1500 जन्म और मृत्यु का पंजीकरण होता है। अब जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र अस्पताल के ही स्तर पर ही उपलब्ध हो जाएगा। शीघ्र ही यह सुविधा प्रमुख अस्पतालों, जहां 500 से अधिक बेड की सुविधा है, जैसे जीटीबी अस्पताल, दीन दयाल अस्पताल और भीम राव अंबेडकर अस्पताल में भी उपलब्ध होगी।

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव श्री एस के श्रीवास्तव ने जन्म प्रमाण पत्र की पहली प्रति लोकनायक अस्पताल में नवजात शिशु की मां को सौंपा। जन्म प्रमाण पत्र की पहली निशुल्क प्रति योजना का शुभारंभ लोकनायक अस्पताल में हुआ, जहां पांच दंपतियों को उनके नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर प्रधान सचिव स्वास्थ्य श्री एस सी एल दास, स्थानीय निकायों के वरिष्ठ अधिकारी एवं लोकनायक अस्पताल के चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद थे।

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव श्री एस के श्रीवास्तव ने जन्म प्रमाण पत्र की पहली प्रति लोकनायक अस्पताल में नवजात शिशु की मां को सौंपी। जन्म प्रमाण पत्र की पहली मुफ्त प्रति योजना का शुभारंभ लोकनायक अस्पताल में हुआ, जहां 05 दंपतियों उनके नवजात शिशु का जन्म प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर प्रधान सचिव स्वास्थ्य श्री एस सी एल दास, स्थानीय निकायों के वरिष्ठ अधिकारी एवं लोकनायक अस्पताल के चिकित्सक एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इस साल के अंत तक सभी सरकारी अस्पताल जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र की पहली प्रति प्रदान करने में सक्षम हो जाएगें। मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति मृतक के निकटतम रिश्तेदार को मृत शरीर के साथ ही दे दी जाएगी।

इस साल के अंत तक सभी सरकारी अस्पताल जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र की पहली प्रति प्रदान करने में सक्षम हो जाएगें। मृत्यु प्रमाण पत्र की प्रति मृतक के निकटतम रिश्तेदार को शव के साथ ही दे दी जाएगी।

वर्तमान में दिल्ली में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र पांच सिविक एजेंसियों, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, दक्षिण दिल्ली नगर निगम, पूर्वी दिल्ली नगर निगम, एनडीएमसी, और दिल्ली छावनी बोर्ड द्वारा जन्म व मृत्यु अधिनियम 1969 के प्रावधानों के अनुसार जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकृत एवं जारी किए जाते हैं। अब जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र की पहली प्रतिलिपि अस्पतालों की ओर से निशुल्क दी जाएगी और प्रमाण पत्र की अतिरिक्त प्रतियां बाद में निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद संबंधित स्थानीय निकायों से ली जा सकेगी।

इसके अलावा, दिल्ली नगर निगम जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्र अब घर बैठे ही लोगों को उपलब्ध कराएगा। नगर निगम के अधिकार क्षेत्र की स्वास्थ्य संस्थाओं में हुई जन्म एवं मृत्यु के प्रमाणपत्र की पहली निशुल्क प्रति घर–घर पहुंचाने की योजना की शुरुआत हो गयी है। नगर निगम ने जन्म एवं मृत्यु प्रमाण–पत्र की पहली प्रति डाक से घर–घर पहुंचाने का कार्य कर नागरिकों को घर बैठे सुविधा देने का प्रयास किया है, साथ ही साथ एनडीएमसी के दायरे में आने वाले सभी अस्पताल, जच्चा को अस्पताल से छुट्टी मिलने से पहले जन्म प्रमाण पत्र की पहली प्रति निशुल्क जारी करेंगे। पहले लोगों को पहली प्रति के लिए नगर निकाय जाना पड़ता था, लेकिन अब पहली प्रति अस्पताल द्वारा प्रदान की जाएगी जबकि जरूरत पड़ने पर बाद में अतिरिक्त प्रतियां तय शुल्क देकर नगर निकाय से प्राप्त की जा सकती हैं। ■

गतिविधियां

दिल्ली सरकार 200 सरकारी परिसरों में थोक मूल्यों पर प्याज और आलू बेचेगी

दिल्ली के विकास आयुक्त श्री पुनीत गोयल ने कहा कि सरकार ने राजधानी के नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सरकारी परिसरों में थोक मूल्य पर प्याज और आलू बेचने के लिए स्टॉल खोलेगी। उन्होंने कहा कि कल से 40 परिसरों में प्याज और आलू की बिक्री शुरू होगी और अगले दो सप्ताह के भीतर ऐसे स्थानों की संख्या बढ़कर 200 कर दी जाएगी। प्याज और आलू की बिक्री के लिए उपलब्ध इन प्रस्तावित सरकारी परिसरों में खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारियों के कार्यालय, विकास विभाग के विभिन्न कार्यालय, जिलाधीशों और एसडीएम कार्यालय, दिल्ली जल बोर्ड के पूछताछ कार्यालय शामिल है। इस कार्य को सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को उपयुक्त स्थान उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए गए हैं।

विकास आयुक्त ने कहा कि दिल्ली में प्याज और आलू का आवक मांग से ज्यादा है। आज राजधानी में प्याज की आवक 1200 मीट्रिक टन और आलू की आवक 1299 मीट्रिक टन रही, जो कि दिल्ली की दैनिक मांग से कहीं अधिक है। पिछले कई दिनों से राजधानी में आलू और प्याज की आवक मांग से अधिक हो रही है।

विकास आयुक्त ने बताया कि इन आवश्यक वस्तुओं के थोक और खुदरा कीमतें भी स्थिर हैं। जहां प्याज की थोक कीमत 13 से 25 रुपये प्रति किलो है वहीं शहर के विभिन्न स्थानों में प्याज 16 से 30रुपये प्रति किलो की खुदरा कीमत पर उपलब्ध है। सरकार इन दोनों वस्तुओं की कीमतों पर नजर रखे हुए है। समाचार पत्रों में विज्ञापन के माध्यम से लोगों को प्याज और आलू की थोक और खुदरा कीमतों के बारे में सूचित किया जा रहा है। श्री गोयल ने बताया कि सरकार दिल्ली के नागरिकों को उचित दरों पर आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध करवाने के लिए हर संभव कदम उठाएंगी।

पहली बार रिकॉर्ड 4718 महिला आवेदकों ने आईटीआई में दाखिले के लिए आनलाइन पंजीकरण किया। कुल 31265 आवेदकों में से 28213 दिल्ली और 3052 दिल्ली के बाहर से

दिल्ली सरकार के सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के लिए पहली बार उपलब्ध करवाई गई आनलाइन पंजीकरण सुविधा को लेकर छात्रों खासकर लड़कियों में भारी उत्साह देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि आईटीआई में प्रवेश की इस आनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया में 4718 लड़कियों ने आवेदन किया।

इस बार कुल 31265 छात्रों ने आईटीआई की इंजीनियरिंग और गैर इंजीनियरिंग शाखा की 8518 सीटों के लिए आनलाइन आवेदन किया है। इन आवेदकों में 19053 सामान्य वर्ग, 7493 अनुसूचित जाति वर्ग, 4514 अन्य पिछड़ा वर्ग और 205 अनुसूचित जनजाति वर्ग से हैं जबकि 28213 छात्र दिल्ली से तथा 3052 छात्र दिल्ली के बाहर से हैं ।

दिल्ली सरकार के प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग ने पहली बार आवेदकों को आईटीआई के लिए ऑनलाइन प्रवेश पंजीकरण की सुविधा प्रदान थी और इसकी पंजीकरण की प्रक्रिया 16 जून से शुरू होकर 30 जून तक चली थी। भारत सरकार के रोजगार और प्रशिक्षण महानिदेशालय के दिशा निर्देशों के अनुसार नया शैक्षणिक सत्र 1 अगस्त 2014 से शुरू होगा।

व्यापार एवं कर विभाग में बनाए गए नए ब्लॉकों के गठन से विभाग के कार्यों में आशातीत प्रगति

- **रुपए 5025.55 करोड़ के कारोबार की फर्जी घोषणा करने वाले 129 डीलरों के पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द**
- **ब्लॉकों के गठन से सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ नहीं**
- **106 वार्ड ब्लाकों पहले से ही कार्यरत थे**

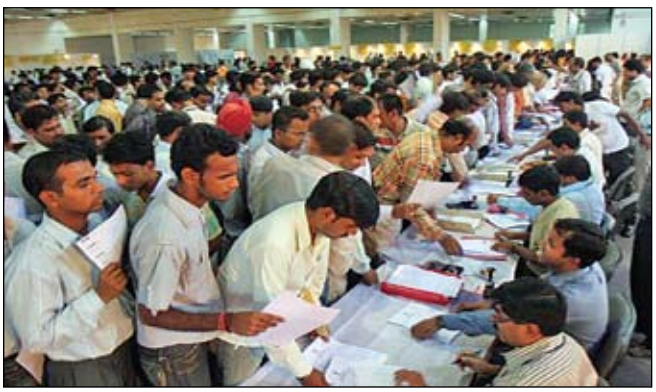

व्यापार एवं कर विभाग में बनाए गए नए ब्लॉकों के गठन से विभाग के कार्यों में आशातीत प्रगति हुई है। व्यापार एवं कर विभाग के आयुक्त श्री अमित यादव ने बताया कि नए ब्लॉकों के गठन से विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यकुशलता में भारी वृद्धि हुई है। श्री यादव ने कहा कि ब्लॉकों का गठन प्रशासनिक और कार्यात्मक जरूरतों के लिए किया गया एक प्रयास है, जिससे सरकार पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ भी नहीं पड़ रहा है। श्री यादव ने बताया कि व्यापार एवं कर विभाग में 10 जोन और 106 वार्ड बखूबी कार्य कर रही है। मौजूदा व्यवस्था के साथ ब्लॉक के गठन से बेहतर प्रशासनिक और कार्यात्मक नियंत्रण में सहयोग मिल रहा है। 01 जोन में 08 ब्लॉक और 10 जोन में 80 ब्लॉक काम कर रहें हैं और 01 अतिरिक्त जोन विशेष रूप से टैन व्यापारी के लिए कार्य कर रहा है।

श्री अमित यादव ने बताया कि संबंधित जोन के अतिरिक्त आयुक्त/संयुक्त आयुक्त ब्लॉकों की जरूरत के हिसाब से वैटो/एवैटो एवं अन्य कर्मचारियों को तैनात करने की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके अलावा उन्हें इस बात की भी स्वतंत्रता है कि वे आवश्यकता पड़ने पर अपने संबंधित जोन में विशेष श्रेणी के व्यापारियों के लिए ब्लॉक बनाने के साथ–साथ नवमें और दसवें ब्लॉक बनाने के लिए भी स्वतंत्र हैं।

श्री यादव ने बताया कि इस नई प्रणाली के अपनाने के बाद मूल्य संवर्धित कर निरीक्षकों ने विभिन्न परिसरों में छापेमारी कर 5025.55 करोड़ रुपए के कारोबार की फर्जी घोषणा करने वाले 129 डीलरों के पंजीकरण प्रमाण पत्र रद्द किए।

लोक निर्माण विभाग ने सरकारी मकानों की आवंटन के लिए ऑटोमेटेड सिस्टम ऑफ अलॉटमेंट (ऑन लाइन बोली) की शुरुआत

- **इससे आवेदकों को शीघ्र आवंटन, पारदर्शिता और अपनी पसंद के आधार पर सरकारी मकान प्राप्त करने में होगी आसानी**
- **आवेदकों को ऑन लाइन सिस्टम का उपयोग करने के लिए पंजीकृत करना होगा लॉग इन आईडी और पासवर्ड**

दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के प्रधान सचिव श्री अरूण बरोका ने बताया कि सरकारी मकानों के लिए पसंद के आधार पर आवंटन की ऑटोमेटेड सिस्टम की शुरुआत की गई है। इस योजना से सरकारी मकानों के

आवंटन में पूरी पारदर्शिता, शीघ्र आवंटन, हायर आक्यूपेंसी ऑफ हाउस प्रदान करने के लिए तथा आवेदक को अपनी पसंद का मकान आसानी से मिल सकेगा। लोक निर्माण विभाग ने जनरल पूल आवासीय व्यवस्था के तहत हाउस टाइप I, II, III, एवं IV का आवंटन करता है।

प्रमुख सचिव (लोक निर्माण विभाग) श्री अरुण बरोका ने आगे बताया कि इस नए ऑनलाईन सिस्टम के जरिए ज्यादा से ज्यादा आवेदकों तक पहुंचने के लिए सभी नये एवं पुराने आवेदकों को ऑनलाईन लॉगइन आईडी रिक्वेस्ट भरकर अपना लॉगइन अकाउंट प्राप्त करना होगा। जिससे सरकारी कर्मचारियों एवं अधिकारियों को अपने पसंद के अनुसार सरकारी मकान मिल सकेगा। इस संबंध में मकान के आवेदनकर्ताओं को जागरूक करने और इस प्रणाली की विस्तृत जानकारी देने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला दिल्ली सचिवालय में आयोजित की गई थी।

श्री बरोका ने सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे अपनी पसंद के आधार पर सरकरी मकानों के आवंटन के जल्द से जल्द अपनी लॉगइन आईडी और पासवर्ड एक्टिवेट करवा लें। उन्होंने आगे कहा कि अपनी पसंद के आधार पर मकान का आवंटन करने की शुरुआत पहले चरण में टाईप 04 मकानों के आवंटन के लिए 14 जुलाई से शुरु होगी और 28 जुलाई को खत्म होगी। इसके बाद आने वाले महीनों में अन्य श्रेणियों के सरकारी मकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरु हो जाएगी। गौरतलब है कि एएसए के माध्यम से ऑनलाईन बिडिंग द्वारा आवंटन सबसे पहले भारत सरकार के संपदा निदेशालय द्वारा वर्ष 2008 में आरंभ किया गया था। इस प्रणाली की सफलता को देखते हुए दिल्ली सरकार के लोक निर्माण ने भी इसकी शुरुआत करने का फैसला लिया।

श्री बरोका ने बताया कि लोक निर्माण विभाग की आधिकारिक वेबसाइट (www.pwddelhi.com) के होम पेज पर पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन अपलोड किया गया है जिसके जरिए आवेदनकर्ता इस संबंध ने जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग के कार्यालय में हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है जिसका नं 23392294 है। इसके जरिए इस नई प्रणाली के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

दिल्ली सरकार लोक समस्या प्रबंधन प्रणाली को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यापक अभियान चलाएगी

- **लोगों को सुविधा प्रदान करने के लिए समस्याओं के निवारण हेतु http://PGMS.DELHI.GOV.IN/ पर रजिस्टर कराने की सलाह**
- **शिकायतों के निवारण के लिए शिकायतकर्ता के मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से एक शिकायत आईडी संख्या उपलब्ध कराया जाएगा**
- **हेल्प डेस्क के माध्यम से भी शिकायतों का निवारण सुनिश्चित किया जाएगा**

दिल्ली के उपराज्यपाल के दिशा निर्देशों के अनुसार, पीजीएमएस पोर्टल पहले से ही एक समयबद्ध ढंग से लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए दिल्ली सचिवालय में काम कर रहा है। दिल्ली सरकार जनता की शिकायतें दूर करने, इस प्रणाली को लाभप्रद बनाने और उन्हें उसकी सेवाएं सुलभ कराने के लिए जागरूक बनाने के लिए, जल्द ही एक प्रचार अभियान चलाएगी। इस अभियान के द्वारा लोगों को लोक शिकायत निगरानी प्रणाली के सेटअप के विषय में विस्तृत जानकारी उपलब्ध करायी जाएगी।

अभियान के द्वारा लोगों को दिल्ली सचिवालय में स्थित लोक शिकायत निगरानी प्रणाली (PGMSs) के विषय में जानकारी उपलब्ध कराते हुए बताया जाएगा कि वे दिल्ली पुलिस, दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगमों, विद्युत कंपनियों–टीपीडीडीएल, बीएसईएस, खाद्य संभरण विभाग

और दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले विभागों से संबंधित समस्याओं का समाधान कैसे प्राप्त कर सकेंगे।

अभियान के द्वारा लोगों को बताया जाएगा कि वे अपनी समस्याओं को समाधान हेतु http//:PGMS.DELHI.GOV.IN/ पर पंजीकृत करा सकते हैं।

लोगों को बताया जाएगा कि शिकायतकर्ता को उसकी समस्या के समाधान हेतु दर्ज शिकायत की शिकायत आईडी नं. उसके मोबाइल पर एसएमएस के द्वारा पहुंचायी जाएगी।

लोगों को यह भी बताया जाएगा कि शिकायतकर्ता अपनी शिकायत की स्थिति पीजीएमएस पोर्टल पर ऑनलाईन द्वारा शिकायत आईडी के माध्यम से मोबाइल फोन से कैसे पता लगाएं।

लोगों को यह भी बताया जाएगा कि वे अपनी समस्याओं के विषय में दिल्ली सचिवालय स्थित पीजीएमएस कार्यालय में अतिरिक्त सचिव को पत्र लिखकर भी भेज सकते हैं। साथ ही साथ अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दिल्ली सचिवालय में स्वागत कक्ष के निकट स्थापित हेल्प डेस्क से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

दिल्ली सरकार अबकी बार ट्रेड फेयर में 'महिलाओं उद्यमिता' पर शानदार प्रदर्शनी आयोजित करेगी

- महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रमों पर केंद्रित होगा
- डीएसआईआईडीसी द्वारा शुरू की तैयारियाँ
- प्रमुख सचिवों/विभागाध्यक्षों से नोडल अधिकारी नामित करने का अनुरोध
- मुख्य सचिव ने 19 नवम्बर को 'दिल्ली दिवस' मनाने की मंजूरी दी

दिल्ली सरकार ने इस बार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में अपनी प्रर्दशनी आयोजित करने के लिए सभी विभागाध्यक्षों को अपने अपने विभागों के कार्यक्रमों, गतिविधियों और उपलब्धियों के प्रदर्शन के लिए तैयारी करने के लिए कहा है। इस बार की प्रदर्शनी का थीम महिला उद्यमिता होगा जिसमें महिलाओं के सशक्तिकरण, सबलीकरण और उनकी सुरक्षा से संबंधित पक्षों को जोर–शोर से प्रदर्शित किया जाएगा। दिल्ली राज्य औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक श्री अमित यादव ने बताया कि उन्होंने दिल्ली सरकार के सभी प्रधान सचिवों, सचिवों, निगमों एवं निकायों के अध्यक्षों को लिखकर उनसे प्रदर्शनी की तैयारी की रूप रेखा बनाने के लिए लिख कर भेजा है। उनसे दिल्ली मंडप में स्थान के आवंटन के लिए आवश्यकता अनुसार लिखकर भेजने के लिए भी कहा गया है।

श्री यादव ने बताया कि इस सभी विभागाध्यक्षों को बेहतर ताल–मेल के लिए अपने–अपने नोडल अधिकारी नियुक्त कर उनके नाम उन्हें प्रेषित करने के लिए भी लिखा है।

श्री यादव ने बताया कि हाल हीं में दिल्ली के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में दिल्ली मंडप में दिल्ली सरकार की ओर से आयोजित की जाने वाली इस प्रदर्शनी के विषय में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को निर्देश देकर कहा था कि व्यापार मेले में एक भागीदार राज्य के रूप में दिल्ली के मंडप में इस मेले के थीम को दर्शाते हुए शानदार ढंग से सजाया व सवांरा जाएं। साथ ही साथ मुख्य सचिव ने सभी अधिकारियों को समय से पूर्व तैयारी करने के लिए कहा था।

श्री यादव ने कहा कि इस वर्ष की थीम महिला उद्यमिता है और तदनुसार विभागों उनकी गतिविधियों, नीतियों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रमुख कार्यक्रमों का प्रदर्शन करना होगा। एक साथी राज्य के रूप में दिल्ली की संकल्पना, और इस वर्ष की थीम को साकार कर दिल्ली मंडप को आकार देने में एक अहम भूमिका निभाएगा।

श्री यादव ने बताया कि मुख्य सचिव ने इस बार 19 नवंबर को 'दिल्ली दिवस' को मनाने की मंजूरी प्रदान कर दी है और साथ ही साथ इस अवसर पर साहित्य कला परिषद को संस्कृतिक कार्यक्रम को आयोजित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है।

कांवड़ यात्रा 2014

- **मंडलायुक्त ने उच्चस्तरीय बैठक में कांवड कैंप के इंतजामों की समीक्षा**
- **कांवड़ कैंप को सुचारू रूप से चलाने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों को दिए गए निर्देश**
- **13 जुलाई से 25 जुलाई तक चलेगी कांवड़ यात्रा**
- **इस वर्ष कांवड़ शिविरों की संख्या होगी 129**

दिल्ली सरकार के प्रधान सचिव (राजस्व) श्री धर्मपाल की अध्यक्षता में दिल्ली में 13 जुलाई से 25 जुलाई तक आयोजित कांवड़ यात्रा के संबंध में एक बैठक हुई। इस बैठक में दिल्ली के विभिन्न स्थानों से होकर जानेवाले कांवड़ियों को दी जानेवाली सुविधाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों से कहा कि वे कांवड़ शिविरों के इंतजामों में किसी भी तरह की ढील न बरतें। बैठक में तीर्थ यात्रा विकास समिति के अध्यक्ष श्री उदय कौशिक, उत्तर जिला उपायुक्त के अलावा दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड, दिल्ली नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, एनडीपीए, दिल्ली स्वास्थ्य सेवाएं, दिल्ली अग्निशमन सेवा, कैट्स और दिल्ली यातायात पुलिस के अधिकारीगण भी उपस्थित थे। इस वर्ष राजधानी के विभिन्न स्थानों पर 129 कांवड़ शिविर लगेंगे।

दिल्ली सरकार हर वर्ष राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कांवड़ शिविरों में कांवडियों को विभिन्न प्रकार की सुविधायें एवं सुरक्षा उपलब्ध कराती है। इस वर्ष दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर लगने वाले 129 कांवड शिविरों के आयोजन के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस वर्ष कांवड़ यात्रा 13 जुलाई से 25 जुलाई तक चलेगी। कांवड यात्रा के शिविरों में हर वर्ष बढ़ोतरी हो रही है जिससे पता चलता है कि कांवड़ियों को दिल्ली में सबसे अधिक सुविधा और सुरक्षा दी जाती है।

इस बैठक के बाद प्रधान सचिव ने बताया कि सरकार इन सभी शिविरों में कांवड़ यात्रियों के ठहरने, स्नान, पूजा–पाठ, खान–पान तथा चिकित्सा और अन्य अनेक सुविधाओं का ध्यान रखती है। कांवड़ियों की सुविधा के लिए जगह–जगह पर वाटरप्रूफ टैंट लगाए जायेंगे तथा टैंटो के आसपास किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस 24 घंटे तैनात रहेगी। उन्होंने बताया कि शिविरों में बिजली और पानी की सुचारू व्यवस्था के लिए बिजली कंपनियों तथा दिल्ली जल बोर्ड अपनी सेवाएं देंगे।

प्रधान सचिव ने कहा कि शिविरों के आसपास सफाई और स्वच्छता के लिए दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों को तैनात किया जायेगा। उन्होंने यह भी बताया कि कांवड़ यात्री ऐसे मार्गों से भी गुजरते हैं जहां यातायात का घनत्व ज्यादा होता है इसलिए ऐसे स्थानों पर किसी दुर्घटना को रोकने के लिए यातायात पुलिस एवं स्वयंसेवी सुरक्षा के लिए 24 घंटे तैनात रहेंगे।

मध्यस्थता केन्द्र ने किया 5 मामलों का निपटारा

- **मध्यस्थता केन्द्र ने किया 5 मामलों का निपटारा**
- **मध्यस्थता केन्दों में विवाद का निपटारा जल्द**

दिल्ली विवाद समाधान समिति ने अपने राजपुर रोड़ स्थित मध्यस्थता केन्द्र पर 5 नए मामलों का निपटारा किया। दिल्ली विवाद समाधान समिति दिल्ली सरकार के विधि, न्याय एवं विधायी कार्य विभाग के अन्तर्गत कार्य करती है।

मध्यस्थता केन्द्र में आये 5 मामलों में से एक मामला दिल्ली जल बोर्ड से सम्बन्धित था जोकि वर्ष 2009

से उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम में लम्बित था। मामले को उपभोक्त शिकायत निवारण फोरम ने दिल्ली सरकार के राजुपर रोड मध्यस्थता केन्द्र को मध्यस्थता हेतु प्रेषित किया। मध्यस्थता केन्द्र ने दोनो पक्षों के आपसी बातचीत के माध्यम से मामले का कुछ ही बैठकों में निपटारा कर दिया। शिकायत कर्ता ने दिल्ली जल बोर्ड के सभी बकाया बिलों का भुगतान करने को सहमति दे दी जबकि द्वितीय पक्ष यानी दिल्ली जल बोर्ड भी भविष्य में जारी होने वाले पानी के सभी बिलों को समय से और नियमित भिजवाने को सहमत हो गया। अन्य चार मामले कॉलेज, सड़क दुर्घटना, उपभोक्ता फोरम, और रिकवरी से सम्बन्धित थे।

मध्यस्थता मूल रूप से एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है जिसमें निष्पक्ष मध्यस्थ विवादित पक्षों के साथ बातचीत कर आपसी सहमति के द्वारा सभी के मान्य समाधान तक पहुंचने का प्रयास करता है। इन मध्यस्थता केन्दों से जहां विवाद निपटारा, न्याय की बढ़ती लागत, अदालत से छुटकारा मिलता है, वहीं विवादों का समाधान भी एक से दो महीनों में कर दिया जाता है। इन केंद्रों में उपभोक्ता अदालतों व अधिकरण (ट्राइब्यूनल) में लम्बित मामलों का भी निपटारा किया जा रहा है। उपभोक्ता खुद भी मामलों के समाधान के लिए मध्यस्थता केन्द्रों से संपर्क कर सकता है।

दिल्ली स्टाम्प विक्रेताओं को जल्द मिलेगा इलेक्ट्रॉनिक लाइसेंस

- **राजस्व विभाग एसीसी विक्रेता लाइसेंस सॉफ्टवेयर की करने जा रही शुरूआत**
- **501 रुपए से नीचे की राशि के स्टांप पेपर जारी करते हैं ई–स्टांप विक्रेता**

दिल्ली सरकार के मंडलायुक्त एवं प्रधान सचिव (राजस्व) श्री धर्मपाल ने बताया कि दिल्ली के स्टांप विक्रेताओं को शीघ्र ही इलेक्ट्रॉनिक लाइसेंस मिलने लगेगा। इस संबंध में राजस्व विभाग एसीसी विक्रेता लाइसेंस सॉफ्टवेयर की शुरूआत करने जा रहा है। इस सॉफ्टवेयर को स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड (एससीएचआईएल) ने तैयार किया है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार ने नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकारी सेवाओं का आधुनिकीकरण किया है।

मंडलायुक्त ने बताया कि इससे पहले ई–स्टांप पेपर विक्रेताओं को लाइसेंस मैनुअल जारी किया जाता था। सभी आवेदकों के आवेदन को इकट्ठा करने के बाद उससे संबंधित दस्तावेजों को स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) के पास लाइसेंस जारी करने के लिए भेजा जाता था, अब नये एसीसी वेंडर लाइसेंस के शुरू होने से स्टांप पेपर विक्रेताओं को अपने आवेदन को दो चरणों में ऑनलाइन जमा करना होगा। इसके जरिए उन्हें अधिकृत संकलन केंद्र (ऑथोराइजड कलेक्शन सेंटर) विक्रेता लाइसेंस जारी होगा। मालूम हो कि स्टांप विक्रेता 501 रुपए से कम के ई–स्टांप पेपर स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के जरिए जारी करते हैं।

श्री धर्मपाल ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक लाइसेंस जारी करने के लिए सभी कलेक्टर ऑफ स्टांप/एसडीएम को यूजर आईडी और पासवर्ड मिलेंगे। जिसके जरिए कलेक्टर ऑफ स्टांप/एसडीएम लॉगइन और पासवर्ड डालकर आवेदकों के सभी जानकारी और दस्तावेजों की जांच–पड़ताल करेगा। सभी दस्तावेजों की सत्यापित करने के बाद आवेदकों को ई–लाइसेंस जारी करने के लिए उसे स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को भेज दिया जाएगा। इसके बाद स्टांप विक्रेताओं को ई–लाइसेंस जारी किया जाएगा, अगर कलेक्टर ऑफ स्टांप/एसडीएम को आवेदन में किसी प्रकार त्रुटि या दस्तावेजों में कमी पायी जाती है तो आवेदक को एसएमएस के जरिए सूचित कर दिया जाएगा। ताकि आवेदन में हुई त्रुटियों को ठीक करके आवेदक उसे दुवारा से अपलोड कर सके।

इसी तरह, स्टॉक होल्डिंग ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएचसीआईएल) को भी यूजर आई और पासवर्ड दिया गया इसके जरिए कलेक्टर ऑफ स्टांप/एसडीएम द्वारा भेजे गए आवेदन की जांच पड़ताल कर सकते हैं। इसके बाद एसएचसीआईएल स्टांप विक्रेताओं को ई लाइसेंस जारी करने के बाद नए लाइसेंस की सभी जानकारी वेबसाईट पर अपडेट कर देगा। ■

ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿੱਲੀ ਦਾ ਪਰਿਆਵਰਣ

ਸਾਲ 2014 ਦੀਆਂ ਚੁਣੌਤੀਆਂ ਅਤੇ ਹਲ

■ ਅਮਿਤ ਕੁਮਾਰ

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਬੇਹਤਰ ਬਨਾਉਣ ਅਤੇ ਹਵਾ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਸੰਰਖਸ਼ਣ ਦੇ ਲਈ ਕਈ ਕਾਰਗਰ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਰਾਜਧਾਨੀ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਉਪਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ 'ਤੇ ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ, ਹਵਾ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਸੰਰਖਸ਼ਣ ਦੇ ਲਈ ਮੁੱਖ ਸਕਤਰ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਵਿਚ ਇਕ ਉਚ ਪਧਰੀ ਸਮਿਤੀ ਦਾ ਗਠਨ ਕੀਤਾ ਸੀ, ਜਿਸ ਨੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਵਿਚ ਸੁਧਾਰ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਆਪਣੀ ਰੀਪੋਰਟ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਐਸੇ ਵਿਚ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਕਈ ਨਵੇਂ ਅਤੇ ਕਾਰਗਰ ਕਦਮਾਂ ਤੇ ਅਮਲ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ।

- ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿਲੀ ਦੇ ਸੀਵਰੇਜ ਸਿਸਟਮ ਨੂੰ ਨਵੇਂ ਸਿਰੇ ਤੋਂ ਡਿਜ਼ਾਈਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਸਮੁੱਚੀ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮਕਾਨਾਂ ਤੇ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਜਿਥੇ ਸੀਵਰ ਨਹੀਂ ਹੈ, ਜਿਥੇ ਸੀਵਰ ਪਾਏ ਜਾਣਗੇ, ਚਾਹੇ ਉਹ ਇਲਾਕਾ ਅਧਿਕ੍ਰਿਤ, ਅਣਆਧਿਕ੍ਰਿਤ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਵੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਕਲੋਨੀ ਵਿਚ ਹੋਵੇ।
- ਸੀਵਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਸਿਧੇ ਤੌਰ ਤੇ ਯਮੁਨਾ ਵਿਚ ਨਾ ਜਾਏ, ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਜਰੂਰਤ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਨਵੇਂ ਸੀਵਰ।
- ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਮਲਿਨ ਅਤੇ ਝੁੱਗੀ ਬਸਤੀਆਂ ਅਤੇ ਸਾਰਵਜਨਿਕ ਸਥਾਨਾਂ ਤੇ ਦੋ ਲੱਖ ਸ਼ੌਚਾਲਯ ਬਣਾਏ ਜਾਣਗੇ।
- ਮੁਹੱਲੇ ਦੀ ਸਾਫ-ਸਫਾਈ ਦੀ ਪੂਰੀ ਜਿੰਮੇਂਦਾਰੀ ਮੁਹੱਲਾ ਸਭਾਵਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਰੂਰੀ ਧਨ ਅਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਸੁਵਿਧਾ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਾਈ ਜਾਵੇਗੀ।
- ਮਲਬਾ ਅਤੇ ਕੂੜੇ ਦੇ ਨਿਪਟਾਰੇ ਵਿਗਿਆਨਕ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਸੜਕ ਜਾਂ ਸਾਰਵਜਨਿਕ ਸਥਾਨਾਂ ਤੇ ਕੂੜਾ, ਮਲਬਾ ਜਾਂ ਗੰਦਗੀ ਫੈਲਾਉਣ ਤੇ ਭਾਰੀ ਜੁਰਮਾਨਾ ਲਗੇਗਾ।
- ਪਰਿਆਵਰਣ ਦਾ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡਾ ਦੁਸ਼ਮਣ ਮੰਨਿਆ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਪਲਾਸਟਿਕ ਤੇ ਪਾਬੰਦੀ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਜਾਵੇਗਾ।
- ਸਾਰਵਜਨਿਕ ਪਰਿਵਹਨ ਵਿਵਸਥਾ ਦਾ ਵਿਸਥਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਨਿਜੀ ਵਾਹਨਾਂ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਘਟ

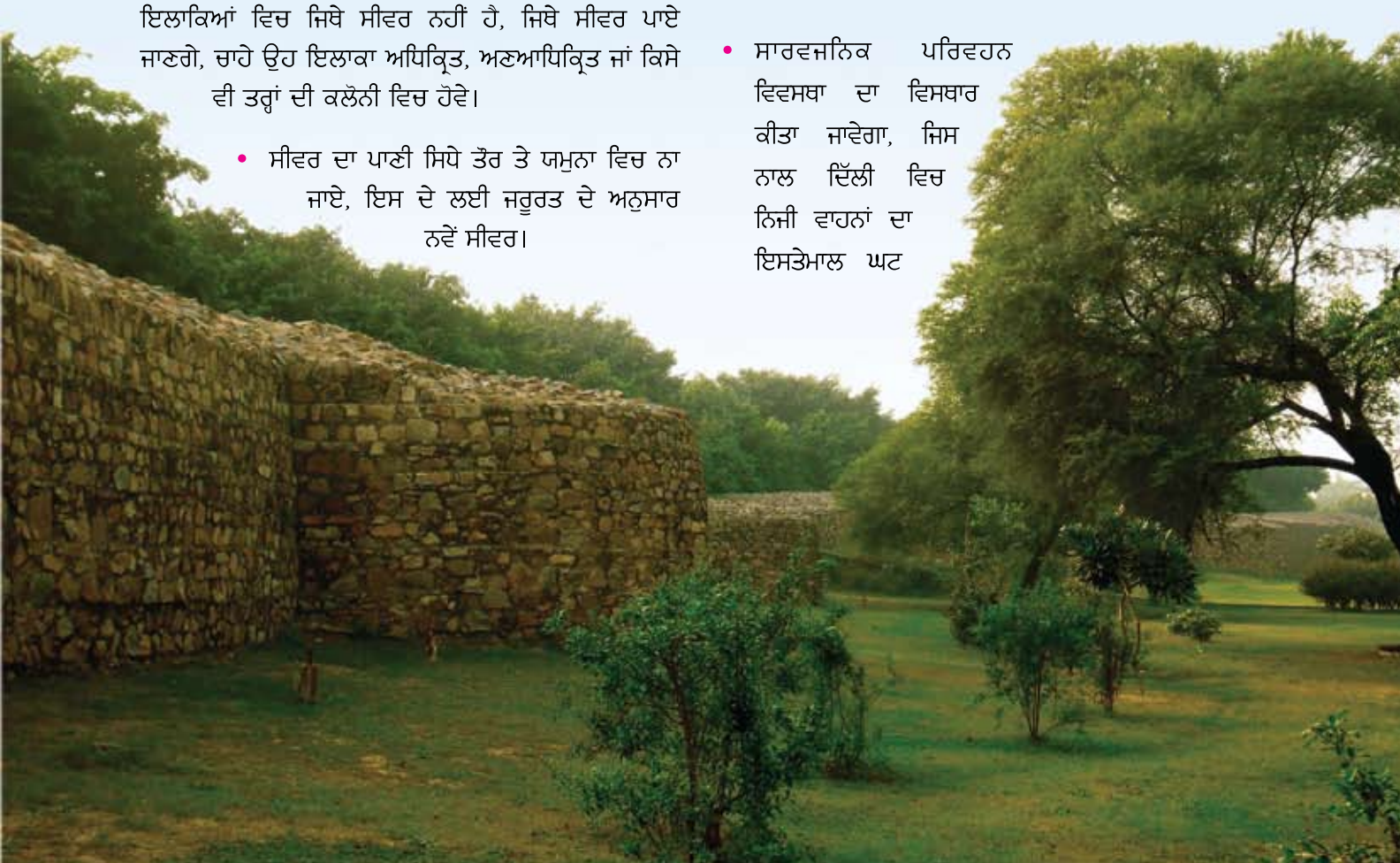

ਤੋਂ ਘਟ ਹੋ ਸਕੇ। ਟਰੀਟਮੈਂਟ ਪਲਾਂਟ ਬਣਾਏ ਜਾਣਗੇ। ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਬਸ ਸੇਵਾ ਦਾ ਵਿਸਥਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

- ਯਾਤਰੀਆਂ ਦੀ ਸਹੂਲਤ ਦੇ ਲਈ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਆਟੋ ਸਟੈਂਡ ਬਣਾਏ ਜਾਣਗੇ।

ਨਵੀਂ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਇਨਾਂ ਕਦਮਾਂ ਨਾਲ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਦੇ ਸਵੱਛ ਹੋਣ ਅਤੇ ਦਿੱਲੀ ਅਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਰੀ-ਭਰੀ ਅਤੇ ਸਾਫ ਸੁਥਰੀ ਹੋਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ।

ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਘਟ ਕਰਨ ਅਤੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਰਖਣ ਦੇ ਯਤਨ

ਪਿਛਲੇ ਡੇਢ-ਦੋ ਦਹਾਕਿਆਂ ਵਿਚ ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿਲੀ ਦਾ ਹਰਿਆ ਖੇਤਰ ਲਗਭਗ 2 ਫੀਸਦੀ ਤੋਂ ਵਧ ਕੇ 20 ਫੀਸਦੀ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਗਿਆ ਹੈ। ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਦਿਨਾਂ ਵਿਚ ਇਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵਧਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਹੋਰ ਜ਼ਿਆਦਾ ਦਰਖਤ ਅਤੇ ਪੌਦੇ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਦਰਅਸਲ, ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਦਾ ਮਾਮਲਾ ਸਿਧੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਆਧਾਰਭੂਤ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਜੁੜਿਆ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੰਤੁਲਿਤ ਵਿਕਾਸ ਦੀ ਬਜਾਏ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰਖ ਕੇ ਵਿਕਾਸ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਨਾਮ ਤੇ ਦਰਖਤਾਂ ਦੀ ਅੰਧਾਧੁੰਦ ਕਟਾਈ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਲਈ ਕਾਰਗਰ ਨੀਤੀ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਮਹਿਸੂਸ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਕੈਰੋਸਿਨ ਮੁਕਤ ਸ਼ਹਿਰ ਦਿੱਲੀ - ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿਲੀ ਦੇ ਪਰਿਆਵਰਣ ਨੂੰ ਬੇਹਤਰ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਦਿੱਲੀ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਕੈਰੋਸਿਨ ਮੁਕਤ ਸ਼ਹਿਰ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਕੈਰੋਸਿਨ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਸਾਰੇ ਉਪਭੋਗਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਐਲ.ਪੀ.ਜੀ. ਰਸੋਈ ਗੈਸ ਦਾ ਕਨੈਕਸ਼ਨ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਇਆ ਗਿਆ, ਕਈ ਹੋਰ ਰਾਜਾਂ ਦੇ ਲਈ ਇਹ ਇਕ ਮਿਸਾਲ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੇ ਹੋਰ ਫੈਸਲੇ ਲਏ ਜਾਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ।

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਹਰਿਤ ਨਿਆਂਧਿਕਰਨ

ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿੱਲੀ ਨੂੰ ਹਰਿਆ ਭਰਿਆ ਬਨਾਉਣ ਅਤੇ ਯਮੁਨਾ ਨਦੀ ਦੀ ਧਾਰਾ ਨੂੰ ਨਿਰਮਲ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਕਵਾਇਦ ਨੂੰ ਸਾਲ 2014 ਵਿਚ ਹੋਰ ਵੀ ਪ੍ਰਭਾਵੀ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਹਰਿਤ ਨਿਆਂਧਿਕਰਨ ਦੁਆਰਾ ਦਿਤੇ ਗਏ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦਾ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ। ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਕਿਨਾਰੇ ਅਤੇ ਦਰਖਤਾਂ ਦੇ ਆਸ-ਪਾਸ ਦੀ ਜਮੀਨ ਨੂੰ ਪੱਕਾ ਕਰਨ ਨਾਲ ਦਰਖਤਾਂ ਨੂੰ ਹੋ ਰਹੇ ਨੁਕਸਾਨ 'ਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਹਰਿਤ ਨਿਆਂਧਿਕਰਨ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਪਾਲਣ ਦੇ ਲਈ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ, ਜੰਗਲਾਤ ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਲੋਂ ਕੰਕਰੀਟ ਹਟਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸਾਰੀਆਂ ਕਲੋਨੀਆਂ ਵਿਚ ਦਰਖਤਾਂ ਦੇ ਨੇੜੇ ਦੀ ਸਤਹਾ ਨੂੰ ਕੰਕਰੀਟ ਮੁਕਤ ਕਰਨ ਦਾ ਕੰਮ ਵੀ ਚਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਨਵੇਂ ਸਾਲ ਵਿਚ ਇਸ ਮਾਨਕ ਨੂੰ ਸਾਰੇ ਵਿਕਾਸ ਪਰਿਯੋਜਨਾਵਾਂ ਨਾਲ ਜੋੜਿਆ ਗਿਆ।

ਸੀ.ਐਨ.ਜੀ. ਅਤੇ ਹਵਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਵਿਗਿਆਨ ਤੇ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ ਮੰਤਰਾਲਾ ਦੇ ਇਕ ਅਧਿਐਨ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਪਿਛਲੇ ਇਕ ਦਹਾਕੇ ਵਿਚ ਰਾਜਧਾਨੀ ਵਿਚ ਹਵਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਦੇ ਪਧਰ ਵਿਚ 21 ਫੀਸਦੀ ਦਾ ਵਾਧਾ ਦਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਘਟ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਜਰੂਰੀ ਕਦਮ

ਉਠਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਸਾਰਵਜਨਿਕ ਵਾਹਨਾਂ ਦੇ ਕੰਪ੍ਰੈਸਡ ਨੈਚੂਰਲ ਗੈਸ – ਸੀ.ਐਨ.ਜੀ. ਦੇ ਪ੍ਰਯੋਗ ਦੇ ਬਾਅਦ, 1995–96 ਦੀ ਤੁਲਨਾ ਵਿਚ ਸਾਲ 2003–04 ਵਿਚ ਹਵਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਦੇ ਪੱਧਰ ਵਿਚ 24 ਫੀਸਦੀ ਦੀ ਕਮੀ ਦਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਪਰ ਸਾਲ 2007 ਦੇ ਬਾਅਦ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਵਿਚ ਫਿਰ ਤੋਂ ਵਾਧਾ ਹੋਣ ਲਗਾ ਹੈ।

ਸਾਰਵਜਨਿਕ ਪਰਿਵਹਨ ਵਿਵਸਥਾ ਕੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਪੱਧਰ ਵਿਚ ਕਮੀ

ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਨਿਜੀ ਪਰਿਵਹਨ ਤੇ ਜਾਰੀ ਇਕ ਸੁਤੰਤਰ ਰੀਪੋਰਟ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਪਿਛਲੇ ਇਥ ਸਾਲ ਵਿਚ ਰਾਜਧਾਨੀ ਵਿਚ ਸੀ.ਐਨ.ਜੀ. ਨਾਲ

ਚਲਣ ਵਾਲੇ ਨਿਜੀ ਵਾਹਨਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਕਮੀ ਦਰਜ਼ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਅਤੇ ਡੀਜਲ ਵਾਹਨਾਂ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਵਾਧਾ ਦਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸੀ.ਐਨ.ਜੀ. ਵਾਹਨਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਿਚ ਕਮੀ ਅਤੇ ਡੀਜ਼ਲ ਵਾਹਨਾਂ ਵਿਚ ਵਾਧਾ – ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਹਵਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਦੇ ਲਈ ਇਹ ਖਤਰਨਾਕ ਸੰਕੇਤ ਹੈ ਅਤੇ ਮਾਹਿਰਾਂ ਨੇ ਇਸ 'ਤੇ ਤੁਰੰਤ ਗੌਰ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਦਸੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਸਮਾਂ ਰਹਿੰਦੇ ਨਿਜੀ ਵਾਹਨਾਂ ਤੋਂ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਹਵਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਸੀ.ਐਨ.ਜੀ. ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਦੀ ਸਮੀਖਿਆ ਵੀ ਇਕ ਚੰਗਾ ਵਿਕਲਪ ਸਾਬਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਇਸ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸਸਤਾ ਤੇ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਰਹਿਤ ਈਂਧਣ ਮਿਲੇਗਾ ਅਤੇ ਡੀਜ਼ਲ ਵਾਹਨਾਂ ਵਿਚ ਕਮੀ ਲਿਆਂਦੀ ਜਾ ਸਕੇਗੀ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ, ਸਾਰਵਜਨਿਕ ਪਰਿਵਹਨ ਵਿਵਸਥਾ ਦਾ ਵਿਸਤਾਰ ਅਤੇ ਵਿਵਸਾਈਕਰਨ ਕਰ ਦੀ ਇਸ ਸਮਸਿਆ ਤੋਂ ਛੁਟਕਾਰਾ ਪਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਚੇਤੇ ਰਹੇ ਕਿ ਦਿਲੀ ਵਿਚ ਮੈਟਰੋ ਦਾ ਵਿਸਤਾਰ ਕਾਫੀ ਹੋਇਆ ਹੈ, ਲੇਕਿਨ ਫੀਡਰ ਬਸ ਸੇਵਾ ਜਾਂ ਫੀਡਰ ਆਵਾਜਾਈ ਤੇ ਧਿਆਨ ਦਿਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਕਿ ਯਾਤਰੀਆਂ ਨੂੰ ਉਨਾਂ ਘਰ ਦੇ ਆਸਪਾਸ ਹੀ ਪਰਿਵਹਨ ਸੇਵਾ ਉਪਲਬਧ ਹੋ ਸਕੇ ਅਤੇ ਨਿਜੀ ਪਰਿਵਹਨ ਦੇ ਉਪਯੋਗ ਨੂੰ ਘਟ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ।ਸਰਕਾਰ ਦਾ ਵੀ ਮੰਨਣਾ ਹੈ ਕਿ ਰਾਜਧਾਨੀ ਵਿਚ 70 ਫੀਸਦੀ ਹਵਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਵਾਹਨਾਂ ਤੋਂ ਨਿਕਲਣ ਵਾਲੇ ਧੂੰਏ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਵੇਖਦੇ ਹੋਏ ਸਾਰਵਜਨਿਕ ਪਰਿਵਹਨ ਵਿਵਸਥਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਤੇ ਵਿਆਪਕ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।

ਯਮੁਨਾ ਨਦੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਸੰਰਖਸ਼ਣ

ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਜੀਵਨ ਧਾਰਾ ਕਹੀ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਅਤੇ ਸਦੀਆਂ ਤੋਂ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਨਗਰ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤੀ ਨੂੰ ਸਹੇਜ ਕੇ ਰਖਣ ਵਾਲੀ ਯਮੁਨਾ ਨਦੀ ਦਾ ਖੁਦ ਦਾ ਜੀਵਨ ਮੁਸੀਬਤ ਵਿਚ ਹੈ। ਇਹ ਇਕ ਵਿਡੰਬਨਾ ਹੀ ਹੈ ਕਿ ਦਿੱਲੀ ਦੀ 70 ਫੀਸਦੀ ਪੀਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਦੀਆਂ ਜਰੂਰਤਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਯਮੁਨਾ ਨਦੀ ਵਿਚ ਕੁਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਦਾ 79 ਫੀਸਦੀ ਯੋਗਦਾਨ ਹਿਸਾ ਦਿੱਲੀ ਦਾ ਹੀ ਹੈ। ਘਰੇਲੂ ਤੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਗੰਦੇ ਪਾਣੀ ਵਾਲੇ ਕੁਲ 22 ਨਾਲਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਰੋਜ਼ਾਨਾ 2933 ਮਿਲੀਅਨ ਲੀਟਰ ਗੰਦਾ ਪਾਣੀ ਯਮੁਨਾ ਵਿਚ ਡਿਗਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੇਹਦ ਚਿੰਤਾਜਨਕ ਗਲ ਹੈ ਜੋ ਕਿ ਭਵਿਖ ਵਿਚ ਯਮੁਨਾ ਨੂੰ ਮ੍ਰਿਤਕ ਬਨਾਉਣ ਲਈ ਬਹੁਤ ਹੈ। ਹੈਰਾਨੀ ਦੀ ਗਲ ਇਹ ਹੈ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਦਿਲੀ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਜਿੰਮੇਂਦਾਰ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਯਮੁਨਾ ਨੂੰ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਮੁਕਤ ਕਰਨ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਜਿੰਮੇਂਦਾਰੀ ਵੀ ਦਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਅਤੇ ਦਿਲੀ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੀ ਹੀ ਹੈ। ਦਰਅਸਲ ਯਮੁਨਾ ਵਿਚ ਪਾਣੀ ਦੇ ਵਹਾਅ ਨੂੰ ਬੇਹਤਰ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਕਰੜੇ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ।

ਯਮੁਨਾ ਕੰਮ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਤਹਿਤ ਸਫਾਈ ਤੇ ਲਗਭਗ 1800 ਕਰੋੜ ਰੁਪੈ ਖਰਚ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੇ ਬਾਵਜੂਦ ਯਮੁਨਾ ਸਾਫ ਨਹੀਂ ਹੋਈ ਅਤੇ ਸਥਿਤੀ ਜਿਵੇਂ ਦੀ ਤਿਵੇਂ ਹੀ ਬਣੀ ਹੋਈ ਹੈ, ਬਲਕਿ ਇਹ ਕਿਹਾ ਜਾਏ ਕਿ ਦਿਨ ਪ੍ਰਤੀਦਿਨ ਯਮੁਨਾ ਹੋਰ ਮੈਲੀ ਹੁੰਦੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ ਤਾਂ ਹੈਰਾਨੀ

ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਦਰਅਸਲ ਯਮੁਨਾ ਸਫਾਈ ਦੇ ਕੰਮ ਵਿਚ ਲਗੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੀ ਲਾਪ੍ਰਵਾਹੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਿਕਾਸੀ ਦੇ ਲਈ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਵਿਚ ਨਾਕਾਮੀ ਦੀ ਵਜ੍ਹਾ ਨਾਲ ਯਮੁਨਾ ਦਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਲਗਾਤਾਰ ਵਧ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋਂ ਇਨਾਂ ਖਾਮੀਆਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕਰਨ ਅਤੇ ਯਮੁਨਾ ਦੀ ਸਫਾਈ ਮੁਹਿੰਮ ਵਿਚ ਕਾਫੀ ਉਮੀਦਾਂ ਹਨ।

ਪਾਣੀ ਸੰਰਖਸ਼ਣ ਦੇ ਉਪਾਅ

- ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਨਵੀਂਆਂ ਕਲੋਨੀਆਂ ਦੇ ਹੋਂਦ ਵਿਚ ਆਉਣ ਅਤੇ ਰਿਹਾਇਸ਼ੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਦੇ ਵਿਸਥਾਰ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਛੋਟੇ-ਛੋਟੇ ਪਾਣੀ ਸਾਫ ਕਰਨ ਦੇ ਸੰਯੰਤਰ ਲਗਾਉਣ ਤੇ

ਵਿਚਾਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਲਗਾਏ ਗਏ ਪਾਣੀ ਸਾਫ ਕਰਨ ਦੇ ਸੰਯੰਤਰ ਅਤੇ ਜਲਾਸ਼ਯਾਂ ਦੀਆਂ ਕਮੀਆਂ ਨੂੰ ਦੂਰ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ।

- ਖੁਲ੍ਹੇ ਨਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਢਕਣ ਦੀ ਯੋਜਨਾ ਨੂੰ ਕਈ ਪਰਿਆਵਰਣ ਮਾਹਿਰ ਸਹੀ ਨਹੀਂ ਦਸ ਰਹੇ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਨਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਢਕ ਕੇ ਸੜਕ ਬਨਾਉਣ ਦੀ ਬਜਾਏ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕਿਨਾਰਿਆਂ ਨੂੰ ਕੁਦਰਤੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਾਈਕਲ ਜਾਂ ਪੈਦਲ ਯਾਤਰੀਆਂ ਦੇ ਲਈ ਰਸਤੇ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਹਰਿਤ ਨਿਆਂਧਿਕਰਨ ਨੇ ਵੀ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਕੁਝ ਇਕ ਨਾਲੇ ਨੂੰ ਢਕਣ 'ਤੇ ਰੋਕ ਲਗਾ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਦਰਅਸਲ, ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਨਾਲਿਆਂ ਨੂੰ ਕੁਦਰਤੀ ਰੂਪ ਨਾਲ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨ ਦੀਆਂ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਬਣਾਏ ਜਾਣ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਹੈ।

- ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਹਰਿਤ ਨਿਆਂਧਿਕਰਨ ਨੇ ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਯਮੁਨਾ ਨਦੀ ਵਿਚ ਮਲਬਾ ਨਹੀਂ ਸੁਟਣ ਦਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਆਦੇਸ਼ ਦਾ ਸਖਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ। ਪੂਜਾ ਦੇ ਬਾਅਦ ਮੂਰਤੀ ਵਿਸਰਜਨ ਨਾਲ ਯਮੁਨਾ ਵਿਚ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਨ ਨੂੰ ਰੋਕਣ ਦੇ ਲਈ ਕਾਰਗਰ ਕਦਮ ਉਠਾਏ ਗਏ ਸਨ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਲਾਗੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਹੈ।

- ਵਾਟਰ ਹਾਰਵੈਸਟਿੰਗ ਨਾਲ ਵਰਖਾ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਸੰਰਖਸ਼ਿਤ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਦੀ ਯੋਜਨਾ ਤੇ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧਿਆਨ ਦਿਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਇਸ ਦੇ ਲਈ ਮੁਹੱਲਾ ਸਭਾ ਨੂੰ ਅਨੁਦਾਨ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਦਿੱਲੀ ਸ਼ਹਿਰ ਅਤੇ ਪਿੰਡ ਦੇ ਸਾਰੇ

ਤਲਾਬ, ਜੋਹੜਾਂ ਅਤੇ ਬਾਵੜੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁੜ ਜਿੰਦਾ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਰਖ-ਰਖਾਅ ਦੀ ਜਿੰਮੇਂਦਾਰੀ ਵੀ ਸਥਾਨਕ ਮੁਹੱਲਾ ਸਭਾਵਾਂ ਨੂੰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

- ਯਮੁਨਾ ਨਦੀ ਦਾ ਜਲ ਪਧਰ ਬਣਾਏ ਰਖਣ ਅਤੇ ਇਸ ਦੀ ਹੋਂਦ ਨੂੰ ਬਚਾਉਣ ਦੀ ਮੁਹਿੰਮ ਦੇ ਤਹਿਤ ਬਾਯੋ-ਡਾਯਵਰਸਿਟ੍ਰੀ ਪਾਰਕ ਦਾ ਕੰਮ ਉਨਤੀ 'ਤੇ ਹੈ। ਯਮੁਨਾ ਨਦੀ ਦੇ ਕਿਨਾਰੇ ਛੋਟੀਆਂ-ਛੋਟੀਆਂ ਦਰਜ਼ਨਾਂ ਝੀਲਾਂ ਬਣਾਈਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਹਨ, ਜਿਸ ਬਾਰਸ਼ ਦੇ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਜਮ੍ਹਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਬਾਯੋ-ਡਾਯਵਰਸਿਟ੍ਰੀ ਪਾਰਕ ਨਾਲ ਜਲ ਜੀਵਾਂ ਤੇ ਜਲ ਪੰਛੀਆਂ ਦੇ ਸੰਰਖਸ਼ਣ ਦੇ ਸੰਰਖਸ਼ਣ ਦੇ ਨਾਲ ਯਮੁਨਾ ਦੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਪਧਰ ਵਿਚ ਵੀ ਵਾਧਾ ਹੋਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ। ਇਨਾਂ ਉਪਾਵਾਂ ਨਾਲ ਦਿੱਲੀ ਦਾ ਪਰਿਆਵਰਣ ਸਵੱਛ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਦਿੱਲੀ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹਰੀ-ਭਰੀ ਹੋਵੇਗੀ। ■

ਖੁਰਾਕ ਸਪਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਜਮਾਂਖੋਰਾਂ ਅਤੇ ਕਾਲਾਬਜ਼ਾਰੀ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ 'ਤੇ ਕਾਰਵਾਈ

■ ਅਮਿਤ ਕੁਮਾਰ

ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਉਪਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂਆਂ ਦੇ ਜਮਾਂਖੋਰਾਂ ਅਤੇ ਕਾਲਾਬਜ਼ਾਰੀ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਵਿਆਪਕ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਉਣ ਦਾ ਆਦੇਸ਼ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ, ਨਿਰੀਖਕਾਂ ਅਤੇ ਦਿੱਲੀ ਪੁਲੀਸ ਦੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੇ 52 ਦਲਾਂ/ਦਸਤਿਆਂ ਦਾ ਗਠਨ ਕੀਤਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਸਤਿਆਂ ਦੇ ਵਲੋਂ ਰਾਜਧਾਨੀ ਵਿਚ ਪਿਆਜ਼, ਆਲੂ, ਦਾਲ ਖਾਧ ਤੇਲ, ਖਾਧ ਤੇਲ ਦੇ ਬੀਜ, ਸਮੇਤ ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂਆਂ ਦੀਆਂ ਜਮਾਂਖੋਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸ਼ਹਿਰ ਭਰ ਵਿਚ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਯਾਦਵ, ਕਮਿਸ਼ਨਰ (ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਨਾਗਰਿਕ ਸਪਲਾਈ) ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਗਠਿਤ ਨਿਰੀਖਣ ਦਸਤਿਆਂ ਨੇ ਹੁਣ ਤਕ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਕੁਲ 549 ਪਰਿਸਰਾਂ 'ਤੇ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂ ਅਧਿਨਿਯਮ, 1955 ਅਤੇ ਲੀਗਲ ਮੈਟ੍ਰੋਲੋਜੀ ਐਕਟ, 2009 ਦੇ ਉਲੰਘਣ ਦੇ ਲਈ 104 ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਤੇ ਮੁਕਦਮਾ ਦਰਜ਼ ਕਰਾਇਆ ਹੈ। ਚੇਤੇ ਰਹੇ ਕਿ ਦਿਲੀ ਦੇ ਜਮਾਂਖੋਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਇਹ ਦੂਜੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਕਾਰਵਾਈ ਹੈ। ਬੀਤੇ 29 ਜੂਨ ਨੂੰ ਵੀ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਜਮਾਂਖੋਰਾਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਈ ਸੀ, ਜਿਸ ਵਿਚ 532 ਪਰਿਸਰਾਂ ਤੇ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਦੇ ਉਪਰਾਂਤ 42 ਵਪਾਰੀਆਂ ਤੇ ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂ ਅਧਿਨਿਯਮ, 1955 ਦੇ ਤਹਿਤ ਮੁਕਦਮਾ ਦਰਜ਼ ਕਰਾਇਆ ਗਿਆ ਸੀ। ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਜਮ੍ਹਾਖੋਰੀ ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਜਾਂ ਉਪਭੋਗਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਧੋਖਾ ਦੇਣ

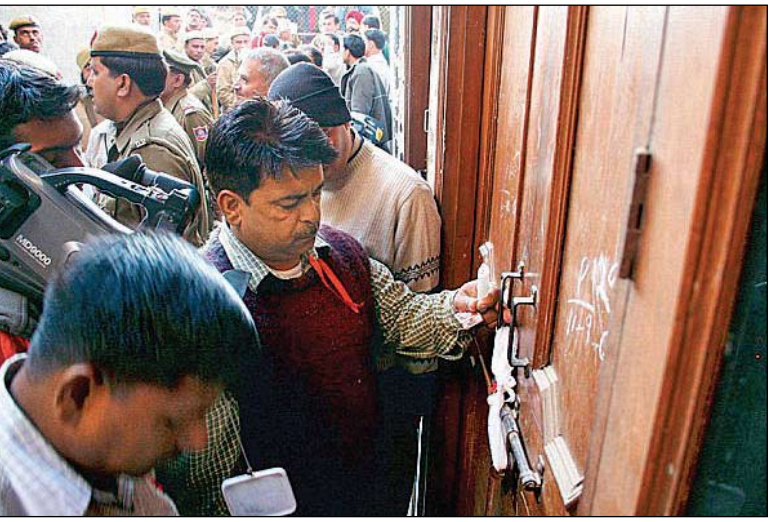

ਜਾਂ ਹੋਰ ਕਦਾਚਾਰ ਵਿਚ ਸ਼ਾਮਲ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਵੀ ਬਖਸ਼ਿਆ ਨਹੀਂ ਜਾਵੇਗਾ।

ਰਾਜਧਾਨੀ ਦੇ ਬੁਰਾੜੀ, ਆਜ਼ਾਦਪੁਰ ਮੰਡੀ, ਵਜੀਰਪੁਰ, ਸ਼ਕੂਰ ਬਸਤੀ, ਸ਼ਾਲੀਮਾਰ ਬਾਗ, ਨਰੇਲਾ, ਰੋਹਿਣੀ, ਸਮੇਂਪੁਰ, ਜਹਾਂਗੀਰ ਪੁਰੀ, ਮੰਗੋਲਪੁਰੀ, ਹਰੀ ਨਗਰ, ਤਿਲਕ ਨਗਰ, ਜਨਕਪੁਰੀ, ਵਿਕਾਸਪੁਰੀ, ਕਾਲਕਾਜੀ, ਬਦਰਪੁਰ, ਤੁਗਲਕਾਬਾਦ, ਸੰਗਮ ਵਿਹਾਰ, ਅੰਬੇਡਕਰ ਨਗਰ, ਮਹਿਰੌਲੀ, ਛਤਰਪੁਰ, ਬਿਜਵਾਸਨ, ਨਜ਼ਫਗੜ, ਪਾਲਮ, ਦਵਾਰਕਾ, ਮਟਿਆਲਾ, ਉਤਮ ਨਗਰ, ਦਿਲੀ ਛਾਉਣੀ, ਓਖਲਾ, ਗੋਵਿੰਦਪੁਰੀ, ਸਦਰ ਬਜ਼ਾਰ, ਬਲੀਮਾਰਾਨ, ਮਟਿਯਾ ਮਹਲ, ਕਰੌਲ ਬਾਗ, ਪਟੇਲ ਨਗਰ, ਗਾਜੀਪੁਰ, ਖਿਚੜੀਪੁਰ, ਝੀਲ, ਲਕਸ਼ਮੀ ਨਗਰ, ਤ੍ਰਿਲੋਕਪੁਰੀ, ਲਕਸ਼ਮੀ ਬਾਈ ਨਗਰ, ਸਰੋਜਨੀ ਨਗਰ, ਆਈਐਨਏ ਮਾਰਕੀਟ ਅਤੇ ਮਾਲਵੀਆ ਨਗਰ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿਚ ਛਾਪੇ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਗਈ।

ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਵਲੋਂ ਮਾਰੇ ਗਏ ਛਾਪੇ ਅਤੇ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦਾ ਜ਼ਿਲੇਵਾਰ:-

ਜ਼ਿਲਾ	ਪਰਿਸਰ ਦੀ ਸੰਖਿਆ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਕੀਤੀ ਗਈ	ਦਰਜ਼ ਮੁਕਦਮਿਆਂ ਦੀ ਸੰਖਿਆ
ਉਤਰ	40	21
ਦੱਖਣ	40	10
ਦੱਖਣ ਪੱਛਮ	80	10
ਪੱਛਮ	52	15
ਉਤਰ ਪੱਛਮ	67	8
ਸੈਂਟਰਲ	60	9
ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ	56	8
ਪੂਰਬ	78	16
ਉਤਰ ਪੂਰਬ	76	7
ਕੁਲ	549	104

ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਾਰਾਂ ਹਜ਼ਾਰ ਕੁਇੰਟਲ ਦਾਲ ਅਤੇ ਚੌਲ ਦਾ ਨਜਾਇਜ਼ ਸਟਾਕ ਪਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਨਜਾਇਜ਼ ਸਟਾਕ ਨੂੰ ਵਿਭਾਗ ਵਲੋਂ ਜ਼ਬਤ ਕਰ ਲਿਆ ਗਿਆ ਅਤੇ ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂ ਅਧਿਨਿਯਮ, 1955 ਦੇ ਤਹਿਤ ਮੁਕਦਮਾ ਦਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਉਪਰਾਜਪਾਲ ਨੇ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਨੂੰ ਅਗੇ ਵੀ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਜਾਰੀ ਰਖਣ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਨਾਲ ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂਆਂ ਦੀ ਜਮ੍ਹਾਖੋਰੀ ਸਮੇਤ ਕਾਨੂੰਨ ਦਾ ਉਲੰਘਣ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸਖਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਕਿਹਾ ਹੈ।

- ਖੁਰਾਕ ਸਪਲਾਈ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਵਿਜੀਲੈਂਸ ਸ਼ਾਖਾ ਦੇ 52 ਦਸਤਿਆਂ ਵਲੋਂ ਰਾਜਧਾਨੀ ਦੇ ਵਖ-ਵਖ ਖੇਤਰਾਂ ਦੇ 549 ਵਪਾਰਿਕ ਪਰਿਸਰਾਂ ਵਿਚ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ।
- ਉਪਰਾਜਪਾਲ ਦਾ ਨਿਰਦੇਸ਼, ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂਆਂ ਦੀ ਜਮਾਂਖੋਰੀ/ਕਾਲਾਬਜ਼ਾਰੀ ਕਰਨ ਵਾਲਿਆਂ ਦੇ ਖਿਲਾਫ ਸਖਤ ਕਾਰਵਾਈ - ਸ੍ਰੀ ਸੱਜਣ ਸਿੰਘ ਯਾਦਵ
- ਦੋਸ਼ੀ ਪਾਏ ਗਏ 104 ਵਪਾਰੀਆਂ ਤੇ ਮੁਕਦਮਾ ਦਰਜ਼ - ਖੁਰਾਕ ਸਪਲਾਈ ਕਮਿਸ਼ਨਰ
- ਛਾਪੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਬਾਰਾਂ ਹਜ਼ਾਰ ਕੁਇੰਟਲ ਦਾਲ ਅਤੇ ਚੌਲ ਦੇ ਨਜਾਇਜ਼ ਸਟਾਫ ਬਰਾਮਦ।

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਿੱਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ 'ਤੇ ਨਕੇਲ ਕੱਸੀ

■ ਮਹੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ

ਵਿਭਿੰਨ ਵਿਭਾਗਾਂ, ਅਦਾਰਿਆਂ ਤੇ ਦਫਤਰਾਂ ਵਿਚ ਅਬਜ਼ਰਵਰ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਗਾਰਡ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਨਿਜੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਤੇ ਦਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਨਕੇਲ ਕਸਣੀ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਗ੍ਰਹਿ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਤੋਂ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀ (ਵਿਨਿਮਯ) ਨਿਯਮ, 2009 ਦੇ ਤਹਿਤ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਵਿਭਿੰਨ ਦਫਤਰਾਂ ਅਤੇ ਅਦਾਰਿਆਂ ਵਿਚ ਤੈਨਾਤ ਸਾਰੇ ਅਬਜ਼ਰਵਰਾਂ ਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਗਾਰਡਾਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਨੂੰ ਜਰੂਰੀ ਰੂਪ ਨਾਲ 21 ਜੁਲਾਈ 2014 ਤਕ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਉਣ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਹੈ। ਆਦੇਸ਼ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ, ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਨਿਜੀ ਸੁਰਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਨੂੰ ਸੁਰਖਿਆ ਗਾਰਡ ਤੇ ਅਬਜ਼ਰਵਰਾਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਵਿਸਤਾਰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਆਨਲਾਈਨ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਜੇਕਰ ਕੋਈ ਏਜੰਸੀ ਇਸ ਆਦੇਸ਼ ਦਾ ਪਾਲਨ ਨਹੀਂ ਕਰੇਗੀ ਤਾਂ ਉਸ ਦਾ ਲਾਈਸੈਂਸ ਨਿਲੰਬਿਤ ਜਾਂ ਰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਗ੍ਰਹਿ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਡੀਸ਼ਨਲ ਸਕਤਰ ਤੇ ਕੰਟਰੋਲਰ ਪ੍ਰਾਧਿਕਾਰੀ, ਸ੍ਰੀ ਜੀ ਪੀ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਨਿਜੀ ਸੁਰਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਨੂੰ ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ``Information submission by Security Agencies" ਲਿੰਕ ਤੇ ਕਲਿਕ ਕਰਦੇ ਹੋਏ http/:home.delhi.gov.in 'ਤੇ ਅਪਲੋਡ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਹ ਲਿੰਕ ਦਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮੁਖ ਪੋਰਟਲ http:/delhi.gov.in 'ਤੇ ਵੀ ਉਪਲਬਧ ਹੈ। ਹੋਰ ਕਿਸੇ ਸਾਧਨ ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਸੂਚਨਾ ਤੇ ਵਿਚਾਰ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਲਾਈਸੈਂਸਹੋਲਡਰ ਨੂੰ ਉਸ ਵਲੋਂ ਦਿਤੇ ਗਏ ਈ-ਮੇਲ ਪਤੇ ਤੇ ਲਾਗ ਇਨ/ਪਾਸਵਰਡ ਦਿਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਲਾਈਸੈਂਸ ਹੋਲਡਰ ਨੂੰ ਇਸ ਲਾਗ ਇਨ/ਪਾਸਵਰਡ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਾਲ ਆਪਣੇ ਵਲੋਂ

ਸ੍ਰੀ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ 504 ਐਸੀਆਂ ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਕੰਪਨੀਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲਿਕ, ਭਾਗੀਦਾਰ, ਨਿਵੇਸ਼ਕਾਂ ਦੇ ਪੂਰੇ ਵੇਰਵੇ ਦੀ ਪੁਸ਼ਟੀ ਦੇ ਬਾਅਦ ਦਿਲੀ ਪੁਲੀਸ ਦੀ ਲਾਈਸੈਂਸ ਸ਼ਾਖਾ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ ਤੇ ਲਾਈਸੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਸਨ। ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੀ ਪੂਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗ ਕੋਲ ਹੋਣਾ ਬਹੁਤ ਜਰੂਰੀ ਹੈ ਇਸ ਆਸ਼ੇ ਨਾਲ ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੇ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਕਾਰਨਾਂ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਨੂੰ ਆਨਲਾਈਨ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਉਣਾ ਜਰੂਰੀ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ।

ਨਿਯੁਕਤ ਸੁਰੱਖਿਆ ਕਰਮੀਆਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਚ ਆਨਲਾਈਨ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਜੇਕਰ ਕਿਸੇ ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀ ਦੇ ਵਲੋਂ ਤੋਂ 21 ਜੁਲਾਈ 2014 ਤਕ ਉਪਰੋਕਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਉਸ ਦੇ ਵਿਰੁੱਧ ਉਚਿਤ ਕਾਰਵਾਈ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ, ਜਿਸ ਦੇ ਤਹਿਤ ਲਾਈਸੈਂਸ ਰਦ/ਨਿਲੰਬਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਸਪਸ਼ਟੀਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਲਾਈਸੈਂਸ ਹੋਲਡਰ ਟੈਲੀਫੋਨ ਨੰ. 23392072 'ਤੇ ਸੰਪਰਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

504 ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਲਿਕ, ਭਾਗੀਦਾਰ, ਨਿਵੇਸ਼ਕਾਂ ਦੇ ਪੂਰੇ ਵੇਰਵੇ ਦੀ ਪੁਸ਼ਟੀ ਦੇ ਬਾਅਦ ਦਿੱਲੀ ਪੁਲੀਸ ਦੀ ਲਾਈਸੈਂਸ ਸ਼ਾਖਾ ਦੀ ਸਿਫਾਰਸ਼ 'ਤੇ ਲਾਈਸੈਂਸ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਸਨ। ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੀ ਪੂਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕੋਲ ਹੋਣਾ ਜਰੂਰੀ ਹੈ, ਇਸੇ ਆਸ਼ੇ ਤੋਂ ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੇ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸੁਰਖਿਆ ਕਾਰਨਾਂ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਨੂੰ ਆਨਲਾਈਨ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਉਣਾ ਜਰੂਰੀ ਬਣਾਇਆ ਗਿਆ ਹੈ। ਹੁਣ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਕੋਲ ਇਸ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਲੋਕਾਂ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਾਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਦਾ ਪੂਰੇ ਰਿਕਾਰਡ ਦਾ ਡਾਟਾਬੇਸ ਉਪਲਬਧ ਰਹੇਗਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਹ ਵੀ ਪਤਾ ਚਲੇਗਾ ਕਿ ਕਿੰਨੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਅਸਲ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕਿੰਨੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਕੰਮ ਨੂੰ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਨੂੰ ਸੌਂਪ ਰਖਿਆ ਹੈ ਜਾਂ ਆਪਣੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਨੂੰ ਬੰਦ ਕਰ ਦਿਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਲਈਸੈਂਸ ਦੀ ਸਮੇਂ ਸੀਮਾ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਤਸਦੀਕਪਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਚ ਵੀ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਜਾਣਕਾਰੀ ਰਹੇਗੀ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੀਆਂ ਗੱਲਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿਚ ਰਖਦੇ ਹੋਏ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੇ ਤਸਦੀਕਪਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਅਲਗ ਜਾਣਕਾਰੀ ਇਕੱਠੀ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਨਿਮਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਸੁਝਾਈ ਗਈ ਹੈ।

1. ਐਸੇ ਸਾਰੇ ਲਾਈਸੈਂਸ ਹੋਲਡਰ ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਜਾਣਕਾਰੀਆਂ, ਗ੍ਰਹਿ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਵੈਬਸਾਈਟ 'ਤੇ ਪਾਉਣੀ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਉਦੇਸ਼ ਦੀ ਪ੍ਰਾਪਤੀ ਲਈ ਲਾਈਸੈਂਸ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਸਬੰਧੀ ਦਰਖਾਸਤ ਦੇ ਆਨਲਾਈਨ ਫਾਰਮੈਟ ਨੂੰ ਦਿੱਲੀ ਈ-ਗਵਰਨਸ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਵਿਕਸਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ।

2. ਲਾਈਸੈਂਸਹੋਲਡਰ ਤੋਂ ਬੁਨਿਆਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਅਦ, ਇਕ ਲਾਗ ਇਨ ਪਾਸਵਰਡ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀ ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਇਸ ਲਾਗ ਇਨ ਪਾਸਵਰਡ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਏਜੰਸੀ ਆਪਣੇ ਖਾਤੇ ਤਕ ਪਹੁੰਚ ਕਰਕੇ ਲੋੜੀਂਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਵਿਚ ਸਮਰਥ ਹੋਣਗੇ।

- **ਗ੍ਰਹਿ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਤੋਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਸੁਰੱਖਿਆ ਦੇ ਲਈ ਤੈਨਾਤ ਸੁਰੱਖਿਆ ਕਰਮੀਆਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਦੀ ਆਨਲਾਈਨ ਜਾਣਕਾਰੀ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਉਣ ਨੂੰ ਜ਼ਰੂਰੀ ਕੀਤਾ।**
- **ਆਦੇਸ਼ ਦਾ ਪਾਲਣ ਨਾ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦਾ ਲਾਈਸੈਂਸ ਰੱਦ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ**
- **ਗ੍ਰਹਿ ਵਿਭਾਗ ਨੇ 504 ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਨੂੰ ਲਾਈਸੈਂਸ ਦਿਤੇ ਸਨ**

3. ਇਕ ਵਾਰ ਗ੍ਰਹਿ ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਮੰਗੀ ਗਈ ਜਾਣਕਾਰੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਤੋਂ ਆਨਲਾਈਨ ਇਕੱਠੀ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ ਉਸ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਨਿਮਨ ਡਾਟਾਬੇਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਵਿਚ ਮਦਦ ਮਿਲੇਗੀ।

(ੳ) ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਵਿਭਿੰਨ ਅਦਾਰਿਆਂ ਅਤੇ ਦਫਤਰਾਂ ਵਿਚ ਤੈਨਾਤ ਅਬਜ਼ਰਵਰਾਂ/ਸੁਰੱਖਿਆ ਗਾਰਡਾਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਦੀ ਗਿਣਤੀ

(ਅ) ਅਦਾਰਿਆਂ ਅਤੇ ਦਫਤਰਾਂ ਦੇ ਅਬਜ਼ਰਵਰਾਂ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆ ਗਾਰਡਾਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਸਮੇਤ ਨਿਜੀ ਸੁਰਖਿਆ ਏਜੰਸੀਆਂ ਦਾ ਵੇਰਵਾ।

(ੲ) ਐਸੇ ਸੁਰਖਿਆ ਗਾਰਡਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਬੰਦੂਕ ਤੇ ਲਾਠੀ ਦੇ ਲਾਈਸੈਂਸ ਹੋਣ, ਦੇ ਵੇਰਵੇ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ

ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਅਦ ਗ੍ਰਹਿ ਵਿਭਾਗ ਐਸੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਏਜੰਸੀਆਂ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਅਬਜ਼ਰਵਰ/ਸੁਰੱਖਿਆ ਗਾਰਡ ਦੇ ਵੇਰਵੇ ਸਮੇਤ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਵਖ-ਵਖ ਅਦਾਰਿਆਂ ਅਤੇ ਦਫਤਰਾਂ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਤੈਨਾਤੀ ਦੀ ਪਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦਾ ਡੇਟਾਬੇਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਐਸੀਆਂ ਨਿਜੀ ਏਜੰਸੀਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਣ ਵਿਚ ਕਾਮਯਾਬ ਹੋਵੇਗਾ। ■

ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਿਚ ਹੀ ਜਨਮ 'ਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਉਪਲਬਧ

ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਪਹਿਲੀ ਮੁਫਤ ਕਾਪੀ ਯੋਜਨਾ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ

■ ਮਨੀਸ਼ ਕੁਮਾਰ

ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਦਿੱਲੀ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਹਸਪਤਾਲ ਹੈ ਜਿਥੇ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਹੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਹਰ ਮਹੀਨੇ ਲਗਭਗ 1500 ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਦਾ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਹੁਣ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਹੀ ਪਧਰ ਤੇ ਹੀ ਉਪਲਬਧ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਜਲਦ ਹੀ ਇਹ ਸੁਵਿਧਾ ਪ੍ਰਮੁਖ ਹਸਪਤਾਲਾਂ, ਜਿਥੇ 500 ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬੈਡ ਦੀ ਸੁਵਿਧਾ ਹੈ, ਜਿਹੇ ਜੀਟੀਬੀ ਹਸਪਤਾਲ, ਦੀਨ ਦਿਆਲ ਹਸਪਤਾਲ ਅਤੇ ਭੀਮ ਰਾਵ ਅੰਬੇਡਕਰ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਵੀ ਉਪਲਬਧ ਹੋਵੇਗੀ ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮੁਖ ਸਕਤਰ ਸ੍ਰੀ ਐਸ ਕੇ ਸ੍ਰੀਵਾਸਤਵ ਨੇ ਜਨਮ ਪ੍ਰਮਾਣ ਪੱਤਰ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਨਵੇਂ ਜੰਮੇ ਬੱਚੇ ਦੀ ਮਾਂ ਨੂੰ ਸੌਂਪੀ। ਜਨਮ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਮੁਫਤ ਕਾਪੀ ਯੋਜਨਾ ਦਾ ਸ਼ੁਭਆਰੰਭ ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਹੋਇਆ, ਜਿਥੇ ਪੰਜ ਜੋੜਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਵੇਂ ਜੰਮੇ ਬੱਚੇ ਦਾ ਜਨਮ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮੁੱਖ ਸਕਤਰ ਸਿਹਤ ਸ੍ਰੀ ਐਸ ਸੀ ਐਲ ਦਾਸ, ਸਥਾਨਕ ਨਿਕਾਇਆਂ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਤੇ ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਡਾਕਟਰ ਅਤੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਮੌਜੂਦ ਸਨ।

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਮੁਖ ਸਕਤਰ ਸ੍ਰੀ ਐਸ ਕੇ ਸ੍ਰੀਵਾਸਤਵ ਨੇ ਜਨਮ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਨਵੇਂ ਜੰਮੇ ਬੱਚੇ ਦੀ ਮਾਂ ਨੂੰ ਸੌਂਪੀ। ਜਨਮ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਮੁਫਤ ਪ੍ਰਤੀ ਯੋਜਨਾ ਦਾ ਸ਼ੁਭਆਰੰਭ ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਵਿਚ ਹੋਇਆ, ਜਿਥੇ 5 ਜੋੜਿਆਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਵੇਂ ਜੰਮੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਜਨਮ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਤੇ ਮੁਖ ਸਕਤਰ ਸਿਹਤ ਸ੍ਰੀ ਐਸ ਸੀ ਐਲ ਦਾਸ, ਸਥਾਨਕ ਨਿਕਾਇਆਂ ਦੇ ਸੀਨੀਅਰ ਅਧਿਕਾਰੀ ਅਤੇ ਲੋਕਨਾਇਕ ਹਸਪਤਾਲ ਦੇ ਡਾਕਟਰ ਅਤੇ ਕਰਮਚਾਰੀ ਮੌਜੂਦ ਰਹੇ। ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ ਸਾਰੇ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਕਰਨ ਵਿਚ ਸਮਰਥ ਹੋ ਜਾਣਗੇ। ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਕਾਪੀ ਮ੍ਰਿਤਕ ਦੇ ਨੇੜੇ ਦੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰ ਨੂੰ ਮ੍ਰਿਤਕ ਸਰੀਰ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਦੇ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ

ਇਸ ਸਾਲ ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ ਸਾਰੇ ਸਰਕਾਰੀ ਹਸਪਤਾਲ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਵਿਚ ਸਮਰਥ ਹੋ ਜਾਣਗੇ। ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਮ੍ਰਿਤਕ ਦੇ ਨੇੜੇ ਦੇ ਰਿਸ਼ਤੇਦਾਰ ਨੂੰ ਮ੍ਰਿਤਕ ਸਰੀਰ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਦੇ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

ਵਰਤਮਾਨ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਪੰਜ ਸਿਵਿਕ ਏਜੰਸੀਆਂ, ਉਤਰੀ ਦਿੱਲੀ ਨਗਰ ਨਿਗਮ, ਦੱਖਣੀ ਦਿੱਲੀ ਨਗਰ ਨਿਗਮ, ਪੂਰਬੀ ਦਿਲੀ ਨਗਰ ਨਿਗਮ, ਐਨਡੀਐਮਸੀ, ਅਤੇ ਦਿਲੀ ਛਾਉਣੀ ਬੋਰਡ ਦੁਆਰਾ ਜਨਮ ਤੇ ਮੌਤ ਅਧਿਨਿਯਮ 1969 ਦੇ ਪ੍ਰਾਵਧਾਨਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਜਨਮ ਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਰਜਿਸਟਰਡ ਅਤੇ ਜਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ਹੁਣ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਪੱਤਰ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਹਸਪਤਾਲਾਂ ਵਲੋਂ ਮੁਫਤ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਅਤੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਪੱਤਰ ਦੀਆਂ ਵਾਧੂ ਕਾਪੀਆਂ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਨਿਰਧਾਰਤ ਸ਼ੁਲਕ ਜਮ੍ਹਾ ਕਰਨ ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਬੰਧਤ ਸਥਾਨਕ ਨਿਕਾਇਆਂ ਤੋਂ ਲਈ ਜਾ ਸਕੇਗੀ।

ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਦਿੱਲੀ ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਘਰ ਬੈਠੇ ਹੀ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਏਗਾ। ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਖੇਤਰ ਦੀਆਂ ਸਿਹਤ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਵਿਚ ਹੋਈ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਦੇ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਮੁਫਤ ਕਾਪੀ ਘਰ-ਘਰ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦੀ ਯੋਜਨਾ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਹੋ ਗਈ ਹੈ।

ਨਗਰ ਨਿਗਮ ਨੇ ਜਨਮ ਅਤੇ ਮੌਤ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਡਾਕ ਰਾਹੀਂ ਘਰ-ਘਰ ਪਹੁੰਚਾਉਣ ਦਾ ਕੰਮ ਕਰਕੇ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਘਰ ਬੈਠੇ ਸੁਵਿਧਾ ਦੇਣ ਦਾ ਯਤਨ ਕੀਤਾ ਹੈ, ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਐਨਡੀਐਮਸੀ ਦੇ ਦਾਇਰੇ ਵਿਚ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਸਾਰੇ ਹਸਪਤਾਲ, ਜੱਚਾ ਨੂੰ ਹਸਪਤਾਲ ਤੋਂ ਛੁੱਟੀ ਮਿਲਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜਨਮ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦੀ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਮੁਫਤ ਜਾਰੀ ਕਰਨਗੇ। ਪਹਿਲਾਂ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਦੇ ਲਈ ਨਗਰ ਨਿਕਾਏ ਜਾਣਾ ਪੈਂਦਾ ਸੀ, ਲੇਕਿਨ ਹੁਣ ਪਹਿਲੀ ਕਾਪੀ ਹਸਪਤਾਲ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਜਦ ਕਿ ਜਰੂਰਤ ਪੈਣ ਤੇ ਬਾਅਦ ਵਿਚ ਵਾਧੂ ਕਾਪੀਆਂ ਤੈਅ ਸ਼ੁਲਕ ਦੇ ਕੇ ਨਗਰ ਨਿਕਾਏ ਤੋਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਸਕਦੀਆਂ ਹਨ। ■

ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ 200 ਸਰਕਾਰੀ ਪਰਿਸਰਾਂ ਵਿਚ ਥੋਕ ਮੁਲ 'ਤੇ ਪਿਆਜ਼ ਅਤੇ ਆਲੂ ਵੇਚੇਗੀ

ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਸ੍ਰੀ ਪੁਨੀਤ ਗੋਇਲ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਰਾਜਧਾਨੀ ਦੇ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਦੀ ਸੁਵਿਧਾ ਦੇ ਲਈ ਵਿਭਿੰਨ ਸਰਕਾਰੀ ਪਰਿਸਰਾਂ ਵਿਚ ਥੋਕ ਮੁਲ ਤੇ ਪਿਆਜ਼ ਅਤੇ ਆਲੂ ਵੇਚਣ ਦੇ ਲਈ ਸਟਾਲ ਖੋਹਲੇਗੀ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕਲ ਤੋਂ 40 ਪਰਿਸਰਾਂ ਵਿਚ ਪਿਆਜ਼ ਅਤੇ ਆਲੂ ਦੀ ਵਿਕਰੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ ਅਗਲੇ ਦੋ ਹਫਤੇ ਦੇ ਅੰਦਰ ਐਸੇ ਸਥਾਨਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ ਵਧ ਕੇ 200 ਕਰ ਦਿਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਪਿਆਜ ਅਤੇ ਆਲੂ ਦੀ ਵਿਕਰੀ ਦੇ ਲਈ ਉਪਲਬਧ ਇਨਾਂ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਸਰਕਾਰੀ ਪਰਿਸਰਾਂ ਵਿਚ ਖੁਰਾਕ ਅਤੇ ਸਪਲਾਈ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੇ ਦਫਤਰ, ਵਿਕਾਸ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਵਖ-ਵਖ ਦਫਤਰ, ਜ਼ਿਲਾ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਐਸਡੀਐਮ ਦਫਤਰ, ਦਿੱਲੀ ਜਲ ਬੋਰਡ ਦੇ ਪੁਛਗਿਛ ਦਫਤਰ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ। ਇਸ ਕੰਮ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਸਬੰਧਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਲੋੜੀਂਦਾ ਸਥਾਨ ਉਪਲਬਧ ਕਰਵਾਉਣ ਦੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦਿਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਵਿਕਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਪਿਆਜ਼ ਅਤੇ ਆਲੂ ਦਾ ਆਵਕ ਮੰਗ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਅੱਜ ਰਾਜਧਾਨੀ ਵਿਚ ਪਿਆਜ਼ ਦੀ ਆਵਕ 1200 ਮੀਟ੍ਰਿਕ ਟਨ ਅਤੇ ਆਲੂ ਦੀ ਆਵਕ 1299 ਮੀਟ੍ਰਿਕ ਟਨ ਰਹੀ, ਜੋ ਕਿ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਦੈਨਿਕ ਮੰਗ ਤੋਂ ਕਿਤੇ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੈ। ਪਿਛਲੇ ਕਈ ਦਿਨਾਂ ਤੋਂ ਰਾਜਧਾਨੀ ਵਿਚ ਆਲੂ ਅਤੇ ਪਿਆਜ਼ ਦੀ ਆਵਕ ਮੰਗ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ।

ਵਿਕਾਸ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਇਨਾਂ ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂਆਂ ਦੇ ਥੋਕ ਖੁਦਰਾ ਕੀਮਤਾਂ ਵੀ ਸਥਿਰ ਹਨ। ਜਿਥੇ ਪਿਆਜ ਦੀ ਥੋਕ ਕੀਮਤ 13 ਤੋਂ 25 ਰੁਪੈ ਪ੍ਰਤੀ ਕਿਲੋ ਹੈ ਉਥੇ ਸ਼ਹਿਰ ਦੇ ਵਿਭਿੰਨ ਖੁਦਰਾ ਕੀਮਤ ਤੇ ਉਪਲਬਧ ਹੈ। ਸਰਕਾਰ ਇਨੀਂ ਦਿਨੀਂ ਵਸਤੂਆਂ ਦੀਆਂ ਕੀਮਤਾਂ ਤੇ ਨਜ਼ਰ ਰਖੇ ਹੋਏ ਹੈ। ਸਮਾਚਾਰ ਪੱਤਰਾਂ ਵਿਚ ਵਿਗਿਆਪਨ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪਿਆਜ ਅਤੇ ਆਲੂ ਦੀ ਥੋਕ ਅਤੇ ਖੁਦਰਾ ਕੀਮਤਾਂ ਦੇ ਬਾਰੇ ਵਿਚ ਸੂਚਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਗੋਇਲ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਸਰਕਾਰ ਦਿਲੀ ਦੇ ਨਾਗਰਿਕਾਂ ਨੂੰ ਉਚਿਤ ਦਰਾਂ ਤੇ ਜਰੂਰੀ ਵਸਤੂਆਂ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਹਰ ਸੰਭਵ ਕਦਮ ਉਠਾਏਗੀ।

ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਰਿਕਾਰਡ 4718 ਆਵੇਦਕਾਂ ਨੇ ਆਈਟੀਆਈ ਵਿਚ ਦਾਖਲੇ ਦੇ ਲਈ ਆਨਲਾਈਨ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਕੀਤਾ। ਕੁਲ 31265 ਆਵੇਦਕਾਂ ਵਿਚੋਂ 28213 ਦਿੱਲੀ ਅਤੇ 3052 ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਬਾਹਰ ਤੋਂ

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਉਦਯੋਗਿਕ ਟਰੇਨਿੰਗ ਸੰਸਥਾਨਾਂ ਵਿਚ ਨਵੇਂ ਵਿਦਿਅਕ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਦੇ ਲਈ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਉਪਲਬਧ ਕਰਵਾਈ ਗਈ ਆਨਲਾਈਨ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਸੁਵਿਧਾ ਨੂੰ ਲੈ ਕੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਲੜਕੀਆਂ ਵਿਚ ਭਾਰੀ ਉਤਸ਼ਾਹ ਦੇਖਣ ਨੂੰ ਮਿਲਿਆ। ਜ਼ਿਕਰਯੋਗ ਹੈ ਕਿ ਆਈਟੀਆਈ ਵਿਚ ਦਾਖਲੇ ਦੀ ਇਸ ਆਨਲਾਈਨ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਵਿਚ 4718 ਲੜਕੀਆਂ ਨੇ ਆਵੇਦਨ ਕੀਤਾ।

ਇਸ ਵਾਰ ਕੁਲ 31265 ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਆਈਟੀਆਈ ਦੀ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਅਤੇ ਗੈਰ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਸ਼ਾਖਾ ਦੀਆਂ 8518 ਸੀਟਾਂ ਦੇ ਲਈ ਆਨਲਾਈਨ ਦਰਖਾਸਤ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਦਰਖਾਸਤਾਂ ਵਿਚ 19053 ਸਾਧਾਰਨ ਵਰਗ, 7493 ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਾਤੀ ਵਰਗ, 4514 ਹੋਰ ਪਿਛੜਾ ਵਰਗ ਅਤੇ 205 ਅਨੁਸੂਚਿਤ ਜਨਜਾਤੀ ਵਰਗ ਦੇ ਹਨ ਜਦ ਕਿ 28213 ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦਿਲੀ ਤੋਂ ਅਤੇ 3052 ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦਿਲੀ ਦੇ ਬਾਹਰ ਤੋਂ ਹਨ।

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਟਰੇਨਿੰਗ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਸਿਖਿਆ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਪਹਿਲੀ ਵਾਰ ਦਰਖਾਸਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਆਈਟੀਆਈ ਦੇ ਲਈ ਆਨਲਾਈਨ ਦਾਖਲਾ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਸੁਵਿਧਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਸੀ ਅਤੇ ਇਸ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ 16 ਜੂਨ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਕੇ 30 ਜੂਨ ਤਕ ਚਲੀ ਸੀ। ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਰੋਜ਼ਗਾਰ ਅਤੇ ਟਰੇਨਿੰਗ ਮਹਾਂਨਿਦੇਸ਼ਾਲਯ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਨਵਾਂ ਟਰੇਨਿੰਗ ਸੈਸ਼ਨ 1 ਅਗਸਤ 2014 ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਵੇਗਾ।

ਵਪਾਰ ਅਤੇ ਕਰ ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ ਬਣਾਏ ਗਏ ਨਵੇਂ ਬਲਾਕਾਂ ਦੇ ਗਠਨ ਨਾਲ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਵਿਚ ਆਸ਼ਤੀਤ ਪ੍ਰਗਤੀ

- 5025.55 ਕਰੋੜ ਦੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ੀ ਐਲਾਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ 129 ਡੀਲਰਾਂ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਰਦ
- ਬਲਾਕਾਂ ਦੇ ਗਠਨ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ ਤੇ ਕੋਈ ਵਾਧੂ ਵਿਤੀ ਬੋਝ ਨਹੀਂ
- 106 ਵਾਰਡ ਬਲਾਕ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਸਨ

ਵਪਾਰ ਅਤੇ ਕਰ ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ ਬਣਾਏ ਗਏ ਨਵੇਂ ਬਲਾਕਾਂ ਦੇ ਗਠਨ ਨਾਲ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕੰਮਾਂ ਵਿਚ ਆਸ਼ਾਤੀਤ ਪ੍ਰਗਤੀ ਹੋਈ ਹੈ। ਵਪਾਰ ਅਤੇ ਕਰ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਨਵੇਂ ਬਲਾਕਾਂ ਦੇ ਗਠਨ ਨਾਲ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਦੀ ਕਾਰਜ ਸਮਰਥਾ ਵਿਚ ਭਾਰੀ ਵਾਧਾ ਹੋਇਆ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਬਲਾਕਾਂ ਦਾ ਗਠਨ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਅਤੇ ਕੰਮ ਦੀਆਂ ਜਰੂਰਤਾਂ ਦੇ ਲਈ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਇਕ ਯਤਨ ਹੈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰ 'ਤੇ ਕੋਈ ਵਾਧੂ ਵਿਤੀ ਬੋਝ ਵੀ ਨਹੀਂ ਪੈ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਵਪਾਰ ਅਤੇ ਕਰ ਵਿਭਾਗ ਵਿਚ 10 ਜੋਨ ਅਤੇ 106 ਵਾਰਡ ਬਖੂਬੀ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੀ ਹੈ। ਮੌਜੂਦਾ ਵਿਵਸਥਾ ਦੇ ਨਾਲ ਬਲਾਕ ਦੇ ਗਠਨ ਤੋਂ ਬੇਹਤਰ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਅਤੇ ਕੰਮਕਾਰ ਕੰਟਰੋਲ ਵਿਚ ਸਹਿਯੋਗ ਮਿਲ ਰਿਹਾ ਹੈ। 01 ਜੋਨ ਵਿਚ 08 ਬਲਾਕਾਂ ਅਤੇ 10 ਜੋਨ ਵਿਚ 80 ਬਲਾਕ ਕੰਮ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ ਅਤੇ 01 ਵਾਧੂ ਜੋਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੂਪ ਨਾਲ ਟੈਨ ਵਪਾਰੀ ਦੇ ਲਈ ਕੰਮ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਸਬੰਧਤ ਜੋਨ ਦੇ ਅਡੀਸ਼ਨਲ ਕਮਿਸ਼ਨਰ/ਜੁਆਇੰਟ ਕਮਿਸ਼ਨਰ ਬਲਾਕਾਂ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਦੇ ਹਿਸਾਬ ਨਾਲ ਵੈਟੋ/ਅਵੈਟੋ ਅਤੇ ਹੋਰ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਤੈਨਾਤ ਕਰਨ ਦੀ ਵਿਵਸਥਾ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਗਲ ਦੀ ਵੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਜਰੂਰਤ ਪੈਣ ਤੇ ਆਪਣੇ ਸਬੰਧਤ ਜੋਨ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦੇ ਵਪਾਰੀਆਂ ਦੇ ਲਈ ਬਲਾਕ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਨੌਵੇਂ ਅਤੇ ਦਸਵੇਂ ਬਲਾਕ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਵੀ ਅਜ਼ਾਦ ਹਨ।

ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਨਵੀਂ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਅਪਨਾਉਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਮੁਲ ਸੰਵਰਧਿਤ ਕਰ ਨਿਰੀਖਕਾਂ ਨੇ ਵਿਭਿੰਨ ਪਰਿਸਰਾਂ ਵਿਚ ਛਾਪੇਮਾਰੀ ਕਰਕੇ 5025.55 ਕਰੋੜ ਰੁਪੈ ਦੇ ਕਾਰੋਬਾਰ ਦਾ ਫਰਜ਼ੀ ਐਲਾਨ ਕਰਨ ਵਾਲੇ 129 ਡੀਲਰਾਂ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਰਦ ਕੀਤੇ।

ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੇ ਲਈ ਆਟੋਮੇਟੇਡ ਸਿਸਟਮ ਆਫ ਅਲਾਟਮੈਂਟ (ਆਨ ਲਾਈਨ ਬੋਲੀ) ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ

- ਇਸ ਨਾਲ ਦਰਖਾਸਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਅਲਾਟ, ਪਾਰਦਰਸ਼ਿਤਾ ਅਤੇ ਆਪਣੀ ਪਸੰਦ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮਕਾਨ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਵਿਚ ਹੋਵੇਗੀ ਅਸਾਨੀ
- ਦਰਖਾਸਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਆਨਲਾਈਨ ਸਿਸਟਮ ਦਾ ਉਪਯੋਗ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਰਜਿਸਟਰੇਸ਼ਨ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ ਲਾਗ ਇਨ ਆਈਡੀ ਅਤੇ ਪਾਸਵਰਡ

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੁਖ ਸਕਤਰ ਸ੍ਰੀ ਅਰੁਣ ਬਰੋਕਾ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਸਰਕਾਰੀ ਮਕਾਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਪਸੰਦ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੰਡ ਦੀ ਆਟੋਮੇਟੇਡ ਸਿਸਟਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਯੋਜਨਾ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰੀ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ

ਵਿਚ ਪੂਰੀ ਪਾਰਦਰਸ਼ਿਤਾ, ਜਲਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਹਾਯਰ ਆਕਯੂਪੈਂਸੀ ਆਫ ਹਾਊਸ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਅਤੇ ਦਰਖਾਸਤਕਾਰ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਪਸੰਦ ਦਾ ਮਕਾਨ ਅਸਾਨੀ ਨਾਲ ਮਿਲ ਸਕੇਗਾ। ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਜਨਰਲ ਪੂਲ ਅਵਾਸੀ ਵਿਵਸਥਾ ਦੇ ਤਹਿਤ ਹਾਊਸ ਟਾਈਪ I,II,III ਅਤੇ IV ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕਰਦਾ ਹੈ।

ਪ੍ਰਮੁਖ ਸਕਤਰ (ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ) ਸ੍ਰੀ ਅਰੁਣ ਬਰੋਕਾ ਨੇ ਅਗੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਨਵੇਂ ਆਨਲਾਈਨ ਸਿਸਟਮ ਦੇ ਜਰੀਏ ਜ਼ਿਆਦਾ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਆਵੇਦਕਾਂ ਤਕ ਪਹੁੰਚਣ ਦੇ ਲਈ ਸਾਰੇ ਨਵੇਂ ਅਤੇ ਪੁਰਾਣੇ ਆਵੇਦਕਾਂ ਨੂੰ ਆਨਲਾਈਨ ਲਾਗਇਨ ਆਈਡੀ ਰਿਕਵੈਸਟ ਭਰ ਕੇ ਆਪਣਾ ਲਾਗਇਨ ਅਕਾਊਂਟ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਜਿਸ ਨਾਲ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਪਸੰਦ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਸਰਕਾਰੀ ਮਕਾਨ ਮਿਲ ਸਕੇਗਾ। ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਮਕਾਨ ਦੇ ਦਰਖਾਸਤਕਾਰਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਨ ਅਤੇ ਇਸ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੀ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਦੇਣ ਦੇ ਲਈ ਦੋ ਦਿਨੀਂ ਕਾਰਜਸ਼ਾਲਾ ਦਿਲੀ ਸਕਤਰੇਤ ਵਿਚ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ।

ਸ੍ਰੀ ਬਰੋਕਾ ਨੇ ਸਰਕਾਰੀ ਕਰਮਚਾਰੀਆਂ ਅਤੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਹੈ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀ ਪਸੰਦ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੇ ਜਲਦ ਤੋਂ ਜਲਦ ਆਪਣੀ ਲਾਗਇਨ ਆਈਡੀ ਅਤੇ ਪਾਸਵਰਡ ਐਕਟੀਵੇਟ ਕਰਵਾ ਲੈਣ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਅਗੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਆਪਣੀ ਪਸੰਦ ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਮਕਾਨ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਕਰਨ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਪਹਿਲੇ ਪੜਾਅ ਵਿਚ ਟਾਈਪ 04 ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੇ ਲਈ 14 ਜੁਲਾਈ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਵੇਗੀ ਅਤੇ 28 ਜੁਲਾਈ ਨੂੰ ਖਤਮ ਹੋਵੇਗੀ। ਇਸ ਦੇ ਬਾਅਦ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਵਿਚ ਹੋਰ ਸ਼੍ਰੇਣੀਆਂ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਮਕਾਨਾਂ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਵੇਗੀ। ਚੇਤੇ ਰਹੇ ਕਿ ਏਐਸਏ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਆਨਲਾਈਨ ਬਿਡਿੰਗ ਦੁਆਰਾ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸੰਪਦਾ ਨਿਦੇਸ਼ਾਲਯ ਦੁਆਰਾ ਸਾਲ 2008 ਵਿਚ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਇਸ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਨੂੰ ਵੇਖਦੇ ਹੋਏ ਦਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਨੇ ਵੀ ਇਸ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕਰਨ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਲਿਆ।

ਸ੍ਰੀ ਬਰੋਕਾ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਦੀ ਅਧਿਕਾਰਿਕ ਵੈਬਸਾਈਟ (www.pwddelhi.com) ਦੇ ਹੋਮ ਪੇਜ ਤੇ ਪਾਵਰ ਪੁਆਇੰਟ ਪ੍ਰਜੇਂਟੇਸ਼ਨ ਅਪਲੋਡ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਜਿਸ ਦੇ ਜਰੀਏ ਦਰਖਾਸਤਕਰਤਾ ਇਸ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਇਲਾਵਾ ਲੋਕ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਦਫਤਰ ਵਿਚ ਹੈਲਪ ਡੇਸਕ ਦੀ ਸਥਾਪਨਾ ਕੀਤੀ ਗਈ ਹੈ ਜਿਸ ਦਾ ਨੰ. 23392294 ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਜਰੀਏ ਇਸ ਨਵੀਂ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿਚ ਜਰੂਰੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਲੋਕ ਸਮਸਿਆ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਲੋਕਪ੍ਰਿਯ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਵਿਆਪਕ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਏਗੀ

- ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਸੁਵਿਧਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਨਿਪਟਾਰੇ ਲਈ http://PGMS.DELHI.GOV.IN/ 'ਤੇ ਰਜਿਸਟਰਡ ਕਰਾਉਣ ਦੀ ਸਲਾਹ
- ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੇ ਨਿਪਟਾਰੇ ਦੇ ਲਈ ਸ਼ਿਕਾਇਤਕਰਤਾ ਦੇ ਮੋਬਾਈਲ 'ਤੇ ਐਸਐਮਐਸ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਇਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈਡੀ ਸੰਖਿਆ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ
- ਹੈਲਪ ਡੇਸਕ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਵੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਯਕੀਨੀ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਉਪਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ, ਪੀਜੀਐਮਐਸ ਪੋਰਟਲ ਪਹਿਲਾਂ ਤੋਂ ਹੀ ਇਕ ਸਮੇਂਬਧ ਢੰਗ ਨਾਲ ਲੋਕਾਂ ਦੀਆਂ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਹਲ ਦੇ ਲਈ ਦਿਲੀ ਸਕਤਰੇਤ ਵਿਚ ਕੰਮ ਕਰ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਦਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਜਨਤਾ ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਕਾਇਤਾਂ ਦੂਰ ਕਰਨ, ਇਸ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਲਾਭਪ੍ਰਦ ਬਨਾਉਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀਆਂ ਸੇਵਾਵਾਂ ਅਸਾਨੀ ਕਰਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਜਾਗਰੂਕ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਲਈ, ਜਲਦ ਹੀ ਇਕ ਪ੍ਰਚਾਰ ਮੁਹਿੰਮ ਚਲਾਏਗੀ। ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਲੋਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਨਿਗਰਾਨੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਸੇਟਅਪ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਚ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਈ ਜਾਏਗੀ।

ਮੁਹਿੰਮ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਿਲੀ ਸਕਤਰੇਤ ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਲੋਕ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਨਿਗਰਾਨੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (PGMSs) ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਚ ਜਾਣਕਾਰੀ ਉਪਲਬਧ ਕਰਾਉਂਦੇ ਹੋਏ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਉਹ ਦਿਲੀ ਪੁਲੀਸ, ਜਲ ਬੋਰਡ, ਨਗਰ ਨਿਗਮਾਂ, ਬਿਜਲੀ ਕੰਪਨੀਆਂ– ਟੀਡੀਪੀਡੀਡੀਐਲ, ਬੀਐਸਈਐਸ, ਖੁਰਾਕ ਵੰਡ ਵਿਭਾਗ ਅਤੇ

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਤਹਿਤ ਆਉਣ ਵਾਲੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਦਾ ਹਲ ਕਿਵੇਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਸਕਣਗੇ।

ਮੁਹਿੰਮ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀਆਂ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਹਲ ਲਈ http://PGMS.DELHI.GOV.IN/ 'ਤੇ ਰਜਿਸਟਰਡ ਕਰਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਸ਼ਿਕਾਇਤਕਰਤਾ ਨੂੰ ਉਸ ਦੀ ਸਮਸਿਆ ਦੇ ਹਲ ਲਈ ਦਰਜ਼ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈਡੀ ਨੰ. ਉਸ ਦੇ ਮੋਬਾਈਲ ਤੇ ਐਸਐਮਐਸ ਦੇ ਦੁਆਰਾ ਪਹੁੰਚਾਈ ਜਾਵੇਗੀ। ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਸ਼ਿਕਾਇਤਕਰਤਾ ਆਪਣੀ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਪੀਜੀਐਮਐਸ ਪੋਰਟਲ ਤੇ ਆਨਲਾਈਨ ਦੁਆਰਾ ਸ਼ਿਕਾਇਤ ਆਈਡੀ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਮੋਬਾਈਲ ਤੇ ਕਿਵੇਂ ਪਤਾ ਲਗਾਏ।

ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਇਹ ਵੀ ਦਸਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਉਹ ਆਪਣੀਆਂ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਸਕਤਰੇਤ ਸਥਿਤ ਪੀਜੀਐਮਐਸ ਦਫਤਰ ਵਿਚ ਅਡੀਸ਼ਨਲ ਸਕਤਰ ਨੂੰ ਪੱਤਰ ਲਿਖ ਕੇ ਵੀ ਭੇਜ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਆਪਣੀਆਂ ਸਮਸਿਆਵਾਂ ਦੇ ਹਲ ਦੇ ਲਈ ਦਿੱਲੀ ਸਕਤਰੇਤ ਵਿਚ ਸਵਾਗਤ ਰੂਮ ਦੇ ਨੇੜੇ ਸਥਾਪਿਤ ਹੈਲਪ ਡੇਸਕ ਨਾਲ ਵੀ ਸੰਪਰਕ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਇਸ ਵਾਰ ਟ੍ਰੇਡ ਫੇਅਰ ਵਿਚ ਮਹਿਲਾਵਾਂ ਉਧਮਿਤਾ' ਤੇ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਆਯੋਜਿਤ ਕਰੇਗੀ

- ਔਰਤਾਂ ਦੀ ਸੁਰਖਿਆ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ 'ਤੇ ਕੇਂਦਰਿਤ ਹੋਵੇਗਾ
- ਡੀਐਸਆਈਆਈਡੀਸੀ ਦੁਆਰਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੀਆਂ ਤਿਆਰੀਆਂ
- ਮੁੱਖ ਸਕਤਰਾਂ/ਵਿਭਾਗ ਮੁਖੀਆਂ ਨਾਲ ਨੋਡਲ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਮਿਤ ਕਰਨ ਦੀ ਅਪੀਲ
- ਮੁੱਖ ਸਕਤਰ ਨੇ 19 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ 'ਦਿੱਲੀ ਦਿਵਸ' ਮਨਾਉਣ ਦੀ ਮੰਜੂਰੀ ਦਿਤੀ

ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਇਸ ਵਾਰ ਅੰਤਰਰਾਸ਼ਟਰੀ ਵਪਾਰ ਮੇਲੇ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਆਯੋਜਿਤ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗ ਮੁਖੀਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੇ-ਆਪਣੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ, ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਅਤੇ ਉਪਲਬਧੀਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਦੇ ਲਈ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਕਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਾਰ ਦੀ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਦਾ ਥੀਮ ਮਹਿਲਾ ਉਧਮਿਤਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸ ਵਿਚ ਮਹਿਲਾਵਾਂ ਦੇ ਮਜ਼ਬੂਤੀਕਰਨ, ਸਬਲੀਕਰਨ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸੁਰਖਿਆ ਨਾਲ ਸਬੰਧਤ ਪਖਾਂ ਨੂੰ ਜੋਰ-ਸ਼ੋਰ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਦਿੱਲੀ ਰਾਜ ਉਦਯੋਗਿਕ ਵਿਕਾਸ ਨਿਗਮ ਦੇ ਮੈਨੇਜਿੰਗ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਸ੍ਰੀ ਅਮਿਤ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮੁੱਖ ਸਕਤਰਾਂ, ਸਕਤਰਾਂ, ਨਿਗਮਾਂ ਅਤੇ ਨਿਕਾਇਆਂ ਦੇ ਮੁੱਖੀਆਂ ਨੂੰ ਲਿਖ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਇਸ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਦੀ ਰੂਪ ਰੇਖਾ ਬਨਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜਿਆ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੋਂ ਦਿੱਲੀ ਮੰਡਪ ਵਿਚ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਲਾਟਮੈਂਟ ਦੇ ਲਈ ਜਰੂਰਤ ਅਨੁਸਾਰ ਲਿਖ ਕੇ ਭੇਜਣ ਦੇ ਲਈ ਕਿਹਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਇਸ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗ ਮੁਖੀਆਂ ਨੂੰ ਬੇਹਤਰ ਤਾਲ-ਮੇਲ ਦੇ ਲਈ ਆਪਣੇ-ਆਪਣੇ ਨੋਡਲ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਿਯੁਕਤ ਕਰਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਿਖਾਉਣ ਦੇ ਲਈ ਵੀ ਲਿਖਿਆ ਹੈ।

ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਹਾਲ ਹੀ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਮੁੱਖ ਸਕਤਰ ਦੀ ਪ੍ਰਧਾਨਗੀ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਸਕਤਰੇਤ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਮੰਡਲ ਵਿਚ ਦਿਲੀ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਇਸ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨੀ ਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਿਚ ਉਚ ਪੱਧਰੀ ਬੈਠਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਸੀ। ਜਿਸ ਵਿਚ ਮੁੱਖ ਸਕਤਰ ਨੇ ਸਾਰੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਦੇ ਕੇ ਕਿਹਾ ਸੀ ਕਿ ਵਪਾਰ ਮੇਲੇ ਵਿਚ ਇਕ ਭਾਗੀਦਾਰ ਰਾਜ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਮੰਡਲ ਵਿਚ ਇਸ ਮੇਲੇ ਦੇ ਥੀਮ ਨੂੰ ਦਰਸਾਉਂਦੇ ਹੋਏ ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਜਾਇਆ ਤੇ ਸੰਵਾਰਿਆ ਜਾਏ। ਨਾਲ ਹੀ ਨਾਲ ਮੁੱਖ ਸਕਤਰ ਨੇ ਸਾਰੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਸਮੇਂ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਤਿਆਰੀ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਕਿਹਾ ਸੀ।

ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਸਾਲ ਦੀ ਥੀਮ ਮਹਿਲਾ ਉਧਮਿਤਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਭਾਗਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ, ਨੀਤੀਆਂ ਅਤੇ ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਮਜ਼ਬੂਤੀਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰਮੁਖ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦਾ ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਕ ਸਾਥੀ ਰਾਜ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਦਿਲੀ ਦੀ ਸੰਕਲਪਨਾ, ਅਤੇ ਇਸ ਸਾਲ ਦੀ ਥੀਮ ਨੂੰ ਸਾਕਾਰ ਕਰਕੇ ਦਿਲੀ ਮੰਡਲ ਨੂੰ ਆਕਾਰ ਦੇਣ ਵਿਚ ਇਕ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਏਗਾ। ਸ੍ਰੀ ਯਾਦਵ ਨੇ ਦਸਿਆ ਕਿ ਮੁੱਖ ਸਕਤਰ ਨੇ ਇਸ ਵਾਰ 19 ਨਵੰਬਰ ਨੂੰ 'ਦਿੱਲੀ ਦਿਵਸ' ਨੂੰ ਮਨਾਉਣ ਦੀ ਮੰਜੂਰੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰ ਦਿਤੀ ਹੈ।

لوگوں کو یہ بھی بتایا جائے گا کہ وہ اپنی مسئلوں کے معاملے میں دہلی سیکریٹریٹ میں قائم پی جی ایم ایس دفتر میں اضافی سیکریٹری کو خط لکھکر بھی بھیجے سکتے ہیں۔ساتھ ہی ساتھ اپنی مسئلوں کے حل کیلئے دہلی سیکریٹریٹ میں استقبالیہ روم کے نزدیک قائم ہلپ ڈسک سے بھی رابطہ کر سکتے ہیں۔

دہلی سرکار اب کی بار ٹریڈ فیئر میں مہیلا ادھیمتا پر شاندار نمائش کرے گی۔

- عورتوں کی تحفظ سے متعلق پروگراموں پر مرکوز ہوگی۔
- ڈی ایس آئی آئی ڈی ایس کے ذریعہ شروع کی تیاریاں
- چیف سیکریٹروں/محکموں ذات سے نوڈل آفیسر مقرر کرنے کی گذارش۔
- چیف سیکریٹری نے 19 نومبر کو دہلی دیوس منانے کی منظوری دی۔

دہلی سرکار نے اس بار بین الاقوامی تجارتی میلے میں اپنی نمائش منعقد کرنے کیلئے سبھی محکموں کو اپنے اپنے محکمہ کے پروگراموں کارکردگیوں کی نمائش کیلئے تیاری کرنے کیلئے کہا ہے۔اس بار کی نمائش کا تھیم مہیلا ادھمیتا ہوگا جس میں مہیلاؤں کی شکتی کرن، سبلی کرن اور انکی حفاظت سے متعلق حمایت میں زور وشور سے نمائش کیا جائے گا۔دہلی ریاست انڈسٹری وکاس نگم کے جنرل منیجر جناب امیت یادو نے بتایا کہ انھوں نے دہلی سرکار کے سبھی چیف سیکریٹروں، ڈپٹی سیکریٹروں، نگموں اور ضلع کے صدور کو لکھ کر ان سے نمائش کی تیاری کی روپ ریکھا بنانے کیلئے لکھ کر بھیجا ہے۔اس سے دہلی پویلین میں جگہ کی تقسیم کیلئے ضرورت کیمطابق لکھ کر بھیجنے کیلئے بھی کہا گیا ہے۔

جناب یادو نے بتایا کہ اس سبھی محکمہ کے صدروں کو بہتر تال میل کیلئے اپنے اپنے نوڈل آفیسر مقرر کر کے ان کے نام انھیں پروشت کرنے کیلئے بھی لکھا ہے۔

جناب یادو نے بتایا کہ حال ہی میں دہلی کے چیف سیکریٹری کے صدارت میں دہلی سیکریٹریٹ میں دہلی پویلین میں دہلی سرکار کی جانب سے منعقد کی جانے والی اس نمائش کے موضوع میں اعلیٰ سطحی میٹنگ منعقد کی گئی تھی۔جس میں چیف سیکریٹری نے سبھی افیسروں ہدایت دیکر کہا تھا کہ تجارتی میلے میں ایک بھاگیدار ریاست کی شکل میں دہلی کی پویلین میں اس میلے کی تھیم کو درشاتے ہوئے شاندار ڈھنگ سے

سجایا وسنوارہ جائے۔ساتھ ہی ساتھ چیف سیکریٹری نے سبھی آفیسروں کو وقت سے پہلے تیار کرنے کے لئے کہا تھا۔

جناب یادو نے کہا کہ اس سال کی تھیم مہیلا ادھمیتا ہے۔اور اس کے مطابق محکموں انکی کارکردگیوں اور نیتوں اور مہیلاؤں کے سکشکتی کرن کیلئے خاص پروگراموں کا نمائش کرنا ہوگی۔ایک ساتھی ریاست کی شکل میں دہلی کی سنکلپنا اور اس سال کی تھیم کو ساکار دہلی پویلین کو دلچسپ بنانے میں ایک اہم ذمہ داری نبھائے گا۔جناب یادو نے بتایا کہ چیف سیکریٹری نے اس بات 19 نومبر کو 'دہلی دیوس' کو منانے کی منظوری دیدی ہے۔اور ساتھ ساتھ اس موقع پر ساہتیہ کلا پریشد کو سنکسکرتی پروگرام کو منعقد کرنے کی تجویز کو بھی منظوری دیدی ہے۔

کانوڑیا ترا 2014

دہلی سرکار کے ڈپٹی چیف سیکریٹری (راجسو) جناب دھرم پال کی صدارت میں دہلی میں 13 جولائی سے 25 جولائی تک منعقد کانوڑیا ترا کے متعلق میں ایک میٹنگ ہوئی اس میٹنگ میں دہلی کے مختلف مقاموں سے ہوکر جانے والے کانوڑیوں کو دی جانے والی سہولتوں پر تفصیلی بات چیت کی گئی۔انھوں نے سبھی متعلق ایجنسیوں سے کہا کہ وہ کانوڑ کیمپوں کے انتظاموں میں کسی بھی طرح کی ڈھیل نہ برتیں۔ ■

اپنی پسند کا مکان آسانی مل سکے گا۔ پی ڈبلیوڈی نے جنرل پول رہائشی انتظام کے تحت ہاؤس ٹائپ I,II,III اور IV کا تقسیم کرتا ہے۔

چیف سیکریٹری (پی ڈبلیوڈی) جناب ارون بروکا نے آگے بتایا کہ اس نئے آن لائن سسٹم کے ذریعہ زیادہ سے زیادہ درخواست کنندگان تک پہونچنے کیلئے سبھی نئے اور پرانے درخواست کنندگان کو آن لائن لاگ ان آئی ڈی ریکویسٹ بھر کر لاگ ان اکاؤنٹ حاصل کرنا ہوا۔ جس سے سرکاری ملازمین اور آفسران کو اپنے پسند کے مطابق سرکاری مکان مل سکے گا۔ اس متعلق مکان کے درخواست کنندگان کو بیدار کرنے اور اس سسٹم کی مزید جانکاری دو روزہ ورکشاپ دہلی سچوالیہ میں منعقد کی گئی تھی۔

جناب بروکا نے سرکاری ملازمین اور افیسران سے التماس کیا ہیکہ وہ اپنی پسند کے آدھار پر سرکاری مکانوں کے تقسیم کے جلد سے جلد اپنی لاگ ان آئی ڈی اور پاسورڈ ایکٹی ویٹ کروالیں۔ انھوں نے کہا کہ اپنی پسند کی آدھار پر مکان کا تقسیم کرنے کی شروعات پہلے مرحلہ میں ٹائپ 04 مکانوں کے تقسیم کیلئے 14 جولائی سے شروع ہوگی اور 28 جولائی کو ختم ہوگی۔ دیگر زمرہ کے سرکاری مکانوں کے تقسیم کرنے کا کام شروع ہوجائے گا۔ غور طلب ہیکہ اے اے ایس اے کے ذریعہ آن لان بلڈنگ کے ذریعہ تقسیم سب سے پہلے بھارت سرکار سنپدا نردیشالیہ کے ذریعہ 2008 میں شروع کیا گیا تھا اس پرنالی کی کامیابی کو دیکھتے ہوئے دہلی سرکار کے پی ڈبلیوڈی محکمہ نے بھی اس کی شروع کرنے کا فیصلہ لیا۔

جناب بروکا نے بتایا کہ لوک نرمان وبھاگ کی متعلقہ ویب سائٹ (www.pwddalhi.com) کے ہوم پیج پر پاور پوائنٹ پرجنٹیشن اپلوڈ کیا گیا ہے جس کے ذریعہ درخواست کنندگان اس متعلقہ جانکاری حاصل کرسکتے ہیں۔ اس کے علاوہ پی ڈبلیوڈی محکمہ کے دفتر میں ہلپ ڈسک قائم کیا گیا ہے۔ جس کا نمبر 23392294 ہے۔ اس کے ذریعہ اس نئی سسٹم کے متعلق میں ضروری جانکاری حاصل کی جاسکتی ہے۔

دہلی سرکار لوک سمسیا پربندھن پرنالی کو لوک پرئے بنانے کیلئے مہم چلائے گی

- لوگوں کو سہولت مہیا کرنے کیلئے مسئلہ کے نمٹانے کیلئے http://PGMS.DELHI.GOV.IN/ پر رجسٹرڈ کرانے کا مشورہ۔
- شکایتوں کے نپٹارے کیلئے شکایت کنندہ کے موبائیل پر ایس ایم ایس کے ذریعہ ایک شکایت آئی ڈی نمبر دستیاب کرایا جائیگا۔
- ہلپ ڈسک کے ذریعہ بھی شکایت کنندگان کا نپٹارے کو یقینی بنایا جائے گا

دہلی کے لفٹننٹ گورنر کے ہدایت کے مطابق پی جی ایم ایس پورٹل پہلے سے ہی ایک متعینہ وقت ڈھنگ سے لوگوں کی مسئلوں کے حل کیلئے دہلی سیکریٹریٹ میں کام کررہا ہے۔ دہلی سرکار عوام کی شکایتیں دور کرنے اور اس پرنالی کو بہتر بنانے اور انھیں اس کی خدمات مہیا کرنے کیلئے بیدار کرنے کیلئے، جلد ہی ایک پرچار مہم چلائے گی۔ اس مہم کے ذریعہ لوگوں کو عوامی شکایت نگرانی پرنالی کے سیٹ اپ کے موضوع میں مزید جانکاری مہیا کرائی جائے گی۔

مہم کے ذریعہ لوگوں کے ذریعہ دہلی سچوالیہ میں موجود عوامی شکایت نگرانی سسٹم (PGMSs) کے موضوع میں جانکاری مہیا کراتے ہوئے بتایا جائے گا کہ وہ دہلی پولیس، دہلی جل بورڈ، دہلی نگرنگم، الیکٹرک کمپنیاں۔ ٹی پی ڈی ڈی ایل، ڈی ایس ای ایس، فوڈ پروسسنگ محکمہ اور دہلی سرکار کے تحت آنے والے محکموں سے متعلق مسئلوں کا حل کیسے کرسکیں گے۔

مہم کے ذریعہ لوگوں کو بتایا جائے گا کہ اپنے مسئلوں کے نپٹارے کیلئے http//:PGMS.DELHI.GOV.IN/ پر رجسٹرڈ کراسکتے ہیں۔ لوگوں کو بتایا جائے گا کہ شکایت کنندہ کو اس کی مسئلہ کے حل کیلئے درج شکایت کی شکایت آئی ڈی نمبر موبائیل پر ایس ایم ایس کے ذریعہ پہنچائی جائے گی۔ لوگوں کو یہ بھی بتایا جائیگا کہ شکایت کنندہ اپنی شکایت کی صورتحال پی جی ایم ایس پورٹل پر آن لائن کے ذریعہ شکایت آئی ڈی کے ذریعہ سے موبائیل فون سے کیسے پتہ لگائیں۔ ☆☆

اس بار کل 31265 طالب علموں نے آئی ٹی آئی کی انجینئرنگ اور غیر انجینئرنگ شاخ کی 8518 سیٹوں کیلئے آن لائن درخواست کیا ہے۔ان درخواستوں میں 19053 جنرل طبقہ، 7493 ایس سی، 4514 دیگر پچھڑے طبقہ اور 502 ایس ٹی طبقہ سے ہیں جبکہ 28213 طلبہ دہلی سے اور 3052 طلبہ دہلی سے باہر کے ہیں۔

دہلی سرکار کے ٹریننگ اور تکنالوجی تعلیم محکمہ نے پہلی بار درخواست کنندگان کو آئی ڈی آئی کیلئے آن لائن داخلے رجسٹریشن کی سہولیات تھی۔اور اس کی رجسٹریشن کی صورتحال 16 جون سے شروع ہوکر 30 جون تک چلی تھی۔ بھارت سرکار کے روزگار ٹریننگ جنرل ڈائرکٹر کے ہدایت کے مطابق نیا سیشن 1 اگست 2014 سے شروع ہوگا۔

تجارت اور ٹیکس محکمہ میں بنائے گئے نئے بلاکوں کے تجویز سے محکموں کے کاموں میں تیزی کی طرف گامزن۔

- 5025.55 کروڑ روپئے کے کاروبار کے فرضی اعلان کرنے والے 129 ڈیلروں کے رجسٹریشن پرمان پتر رد،
- بلاکوں کی تجویز سے سرکار پر کوئی اضافی مالی بوجھ نہیں۔
- 106 وارڈ بلاکوں پہلے سے ہی کام کر رہے تھے۔

تجارت اور ٹیکس محکمہ میں بنائے گئے نئے بلاکوں کے گھٹن سے محکمہ کے کام میں کافی تیزی ہوئی ہے۔تجارت اور ٹیکس محکمہ کے کمشنر جناب امیت یادو نے بتایا کہ نئے بلاکوں کے گھٹن سے محکمہ آفیسران اور ملازمین کے کام کے بہتری میں تیزی آئی ہے۔جناب یادو نے کہا بلاکوں کا گھٹن انتظامیہ اور ضرورتوں کے مطابق کیلئے کیا گیا ایک کوشش ہے، جس سے سرکار پر کوئی اضافی بوجھ بھی نہیں پڑ رہا ہے۔جناب یادو نے بتایا کہ تجارت اور محکمہ ٹیکس میں 10 زون اور 106 وارڈ بخوبی کام کر رہا ہے۔موجودہ انتظام کے ساتھ بلاک کے گھٹن سے بہتر انتظامی اور مناسب کنٹرول میں تعاون مل رہا ہے۔01 زون میں 08 بلاک اور 10 زون میں 80 بلاک کام کر رہے ہیں۔اور 01 اضافی زون خصوصی طور ٹین تاجر کیلئے کام کر رہا ہے۔

جناب امیت یادو نے بتایا کہ متعلقہ زون کے اضافی کمشنر/ایڈیشنل کمشنر بلاکوں کی ضرورت کے حساب سے ویٹو/اے ویٹو اور دیگر ملازمین کو تعینات کرنے کی انتظام کر رہے ہیں۔اس کے علاوہ انھیں اس بات کی بھی آزادی ہے کہ وہ ضرورت پڑنے پر متعلقہ زون میں خصوصی درجہ تاجروں کیلئے بلاک بنانے کے ساتھ نویں اور دسویں بلاک بنانے کیلئے بھی آزاد ہے۔

جناب یادو نے بتایا کہ اس نئی سسٹم بنانے کے بعد قیمت سے متعلق ٹیکس معائنہ کاروں نے مختلف کمپلیکسوں میں چھاپے مار کر 5025.55 کروڑ روپئے کے کاروبار کی فرضی اعلان کرنے والے 129 ڈیلروں کے رجسٹریشن پرمان پتر رد کیا۔

پی ڈبلیو ڈی محکمہ نے سرکاری مکانوں کی تقسیم کیلئے آٹو میٹیڈ سسٹم آف آلاٹمنٹ (آن لائن بولی) کی شروعات

- اس سے درخواست کنندگان کو جلد ہی تقسیم بدعنوانی پاک اور اپنی پسند کیمطابق سرکاری مکان پانے میں آسانی ہوگی۔
- درخواست کنندگان کو آن لائن سسٹم کا استعمال کرنے کیلئے رجسٹریشن کرنا ہوگا۔ لاگ ان آئی ڈی اور پاسورڈ

دہلی سرکار کے لوک نرمان وبھاگ کے ڈپٹی چیف سیکریٹری جناب ارون بروکا نے بتایا کہ سرکاری مکانوں کے لئے پسند کی بنیاد پر تقسیم کی آٹو میٹیڈ سسٹم کی شروعات کی گئی ہے۔اس اسکیم سے سرکاری مکانوں کے کے تقسیم میں پوری بدعنوانی سے پاک، سردھی تقسیم، ہائر آکیوپینسی آف ہاؤس دینے کیلئے اور درخواست کنندہ کو

کارکردگیاں

دھلی سرکار 200سرکاری کمپلیکسوں میں تھوک قیمتوں پر پیاز اور آلو بیچے گی۔

دہلی کے وکاس کمشنر جناب پنیت گوئل کہا کہ سرکار راجدھانی کے لوگوں کی سہولت کیلئے مختلف سرکاری کمپلیکسوں میں تھوک قیمت پر پیاز اور آلو بیچنے کیلئے اسٹال کھولے گی۔انھوں نے کہا کہ کل سے 40 کمپلیکسوں میں پیاز اور آلو کی بکری شروع ہوگی اور اگلے دو ہفتے کے اندر ایسے مقاموں کی تعداد بڑھکر 200 کردی جائے گی۔ پیاز اور آلو کی بکری کیلئے دستیاب ان تجویز کردہ سرکاری کمپلیکسوں میں خوراک وسپلائی آفیسروں کے دفتر، وکاس محکمہ کے مختلف دیگر دفاتر، ضلع کلکٹر اور ایس ڈی ایم دفاتر، دہلی جل بورڈ کے پوچپ تاچھ دفتر میں شامل ہے۔اس کام کو یقینی بنانے کیلئے متعلق محکمہ کے آفیسران کو ڈپٹی کمشنر جگہ دستیاب کرنے کا حکم دئے گئے ہیں۔

وکاس کمشنر نے کہا کہ دہلی میں پیاز اور آلو کا ضرورت سے زیادہ ہے۔آج راجدھانی میں پیاز کی آمد 1200 میٹرک ٹن اور آلو کی آمد 1299 میٹرک ٹن رہی، جو کہ دہلی کی روزانہ کی مانگ سے کہیں زیادہ ہے۔پچھلے کئی دنوں سے راجدھانی میں آلو اور پیاز کی آمد مانگ سے زیادہ ہو رہی ہے۔

وکاس کمشنر نے بتایا کہ ان ضروری چیزوں کے تھوک اور خودرا قیمتیں بھی مناسب ہیں۔جہاں پیاز کی تھوک قیمت 13 سے 25 روپئے فی کلو ہے وہیں شہر مختلف مقاموں میں پیاز 16 سے 30 روپئے فی کلو کی خودرا قیمت پر دستیاب ہے۔سرکار ان دونوں چیزوں کی قیمت پر نظر رکھے ہوئی ہے۔سماچار پتروں میں اشتہار کے ذریعہ سے لوگوں کو پیاز اور آلو کی تھوک اور خودرا قیمتوں کے بارے میں مطلع کیا جارہا ہے۔جناب گوئل نے بتایا کہ سرکار دہلی کے باشندوں کو مناسب شرح پر ضروری چیزیں دستیاب کروانے کیلئے ممکن قدم اٹھائیں گی۔

پہلی بار ریکارڈ 4718خواتین درخواست کنندگان نے آئی ٹی آئی میں داخلے کیلئے آن لائن رجسٹریشن کیا۔کل 31265درخواست کنندگان میں سے 28213دھلی اور 3052دھلی کے باہر سے

دہلی سرکار کے سرکاری انڈسٹری ٹریننگ جگہوں میں نئے سیشن میں داخلے کیلئے پہلی بار دستیاب کروائی گئی آن لائن رجسٹریشن سہولت کو لیکر طلبہ خاص کر لڑکیوں میں بڑی خوشی دیکھنے کو ملی۔واضح رہے کہ آئی ٹی آئی میں داخلے کی اس آن لائن رجسٹریشن میں 4718 لڑکیوں نے درخواست دیا۔

دھلی سر کا ر کے چیف سیکریٹری ایس کے سریواستو نے جنم پرمان پتر کی پھلی کاپی لوک نائک اسپتال میں نو زائید ہ بچے کی ما ں کو عطا کیا۔جنم پرمان پتر کی پھلی مفت کاپی اسکیم کاافتتا ح کیا۔جھاں05 جوڑوں کو انکے نوزائیدہ بچوں کا جنم پرمان پتر دیا دیاگیا۔اس موقع پر وائس سیکریٹری برائے ہیلتھ ایس سی ایل داس ،مقامی زمرہ کے سینئر افیسروں و لوک نائک اسپتال کے ڈاکٹر وملازمین موجود تھے ۔ اس سال کے آخر تک سبھی سر کاری اسپتال میں جنم او رموت کا پرمان پتر کی پھلی کاپی عطاکرنے میں کامیاب ہوجائیں گے ۔موت پرمان پترمرنے والے کے قریبی رشتہ دار کو میت کے ساتھ ہی دے دی جائیگی۔

اس سال کے آخر تک سبھی سرکاری اسپتال میں جنم اور موت کا پرمان پتر کی پہلی کاپی عطا کرنے میں کامیاب ہوجائیں گے۔موت پرمان پترمرنے والے کے قریبی رشتہ دار کو میت کے ساتھ ہی دے دی جائیگی۔

ماضی میں جنم اور موت پرمان پتر پانچ منظور شدہ ایجنسیوں،شمالی دہلی نگرنگم،جنوبی دہلی نگرنگم،مشرقی دہلی نگرنگم،این ڈی ایم سی،اور دہلی چھاؤنی بورڈ کے ذریعہ جنم وموت قانون1969 کے ایکٹ کے تحت جنم وموت پرمان پتر رجسٹریشن اور جاری کئے جاتے رہے ہیں۔اب جنم اور موت پرمان پتر کی پہلی رسید اسپتال کی جانب سے مفت دی جائے گی اور پرمان پتر کی اضافی کاپیاں بعد میں مقررہ فیس جمع کرنے کے بعد متعلقہ مقامی زمروں سے لی جاسکے گی۔

اس کے علاوہ دہلی نگرنگم جنم او رموت پرمان پتر اب گھر بیٹھے ہی لوگوں کو دستیاب کرائی گی نگرنگم کے اپنے علاقے کی ہیلتھ تنظیم میں جنم اور موت کے پرمان پتر کی پہلی مفت کاپی گھر گھر پہونچانے کی شروعات ہوگئی ہے۔

نگرنگم میں جنم اور موت پرمان پتر کی پہلی کاپی ڈاک سے گھر گھر پہونچانے کا کام کر کے عوام کو گھر بیٹھے سہولت دینے کا کوشش کی ہے۔ساتھ ساتھ ہی این ڈی ایم سی کے دائرے میں آنے والے سبھی اسپتال،زچہ کو اسپتال سے چھٹی ملنے سے پہلے جنم پرمان پتر کی پہلی کاپی مفت جاری کریں گے۔پہلے لوگوں کو پہلی کاپی کیلئے نگرنگائے جمع کرنا پڑتا تھا،لیکن اب پہلی کاپی اسپتال کے ذریعہ عطا کی جائے گی جب کہ ضرورت پڑنے پر بعد میں اضافی کاپیاں مقررہ فیس دیکر نگرنگم سے حاصل کی جاسکتی ہیں۔ ■

سرکارا سپتالوں میں ہی جنم و موت کی مصدقہ کاپی دستیاب

اسپتال میں پہلی مفت پرتی اسکیم کی شروعات

■ **منیش کمار**

لوک نائک اسپتال دہلی کا پہلا اسپتال ہے جہاں جنم اورموت کی مصدقہ کاپی اسپتال کے ہی سطح پر دیا جارہا ہے۔لوک نائک اسپتال میں ہر مہینے لگ بھگ 1500 جنم اورموت کا رجسٹریشن ہوتا ہے۔اب جنم اورموت مصدقہ کاپی اسپتال کے ہی سطح پر دستیاب ہوجائے گا۔جلد ہی یہ سہولیات خاص اسپتالوں، جہاں پانچ سو زیادہ بستروں کی سہولت ہے۔جیسے جی ٹی اسپتال، دین دیال اسپتال اور بھیم راؤامبیڈکر اسپتال میں بھی دستیاب ہوگی۔

دہلی سرکار کے چیف سیکریٹری جناب ایس کے سریواستو نے جنم مصدقہ کاپی کی پہلی کاپی لوک نائیک اسپتال میں نوزائیدہ بچے کی ماں کو عطا کیا۔جنم کی مصدقہ کاپی کی پہلی مفت کاپی یوجنا کا افتتاح لوک نائیک اسپتال میں ہوا، جہاں پانچ جوڑوں کو انکے نوزائیدہ بچوں کا جنم پرمان پتر دیا دیا گیا۔اس موقع پر وائس سیکریٹری برائے ہیلتھ ایس سی ایل داس، مقامی زمرہ کے سینئر افیسروں ولوک نائک اسپتال کے ڈاکٹر وملازمین موجود تھے۔

آن لائن جانکاری دینی ہوگی۔اگر کسی نجی سرکشا ایجنسی کی طرف سے 21 جولائی 2014 تک مکمل جانکاری موصول نہیں ہوتی ہے تو اس کے خلاف مناسب کارروائی کی جائیگی ۔جس کے تحت لائسنس ردمنسوخ کیا جاسکتا ہے۔اس معاملے میں واضح طور پر لائسنس رکھنے والے ٹیلی فون نمبر23392072 پر رابطہ کر سکتے ہیں۔

504 نجی سرکشا کمپنیوں کو ان کے مالک، بھاگیدار،نویشکوں کے پوری تفصیل کی وضاحت کے بعد دہلی پولیس کی لائسنس شاخ کی سفارش پر لائسنس جاری کئے

سے متعلق درخواست کے آن لائن طریقے کو دہلی کے ای گورنر کی مدد سے مہیا کیا گیا ہے۔

2۔لائسنس رکھنے والوں سے بنیادی جانکاری حاصل کرنے کے بعد،ایک لاگ ان پاسورڈ سرکشا ایجنسی کو جاری کئے جائیں گے۔اس لاگ ان پاسورڈ کی بنیاد پر ایجنسی اپنے کھاتے تک پہونچ کر مختصر جانکاری حاصل کرنے میں مددگار ہونگے

3۔ایک بار محکمہ داخلہ کے ذریعہ مانگی گئی جانکاری ایجنسیوں سے آن لائن اکٹھا

★ داخلہ محکمہ نے سرکشا ایجنسیوں سے ان کے ذریعہ سرکشا کیلئے تعینات سرکشا ملازمین کی تعیناتی کی آن لائن جانکاری مہیا کرنے کو ضروری کیا

★ ہدایت کو تعمیل نہ کرنے والی ایجنسیوں کا لائسنس ردکیاجائے گا۔

★ داخلہ محکمہ نے 504نجی سرکشاایجنسیوں کو لائسنس دئے تھے

تھے۔ایسی سبھی ایجنسیوں کی پوری جانکاری محکمہ کے پاس ہونا ضروری ہے۔اسی امید سے ایسی سبھی ایجنسیوں کیلئے اپنی سرکشا وجہ کی جانکاری کو آن لائن دستیاب کرنا بنایا گیا ہے۔اور سرکار کے پاس اس طرح کی سبھی ایجنسیوں ان میں کام کررہے لوگوں،ان کی ساری جانکاری اور ان کی تعیناتی کا پوری ریکارڈ کا ڈاڈا بیس دستیاب رہے گا۔اس سے یہ بھی پتہ چلے گا کہ کتنی ایجنسیاں حقیقت میں کام کررہی ہے اور کتنی ایجنسیوں نے اپنے کام کو کسی اور سونپ رکھا ہے یا اپنے پیشہ بند کردیا ہے۔اسکے ساتھ ساتھ انکے لائسنس کی مقررہ وقت کی جانکاری اور اس کی مصدقہ دستاویز صورتحال کی ضرورت بھی سرکار کو جانکاری رہے گی۔ان سبھی باتوں کو دھیان میں رکھتے ہوئے سرکشا ایجنسیوں کے مصدقہ اور متعلقہ جانکاری اکٹھا کرنے کیلئے اسطرح مختلف صورتحال سے آگاہ کیا گیا ہے۔

1۔ایسی سبھی لائسنس رکھنے والے نجی سرکشا ایجنسیوں کے سبھی تفصیلی جانکاری،داخلہ محکمہ کی ویب سائٹ پر ڈالنی ہوگی۔اس مقصد کی موصول کیلئے لائسنس حاصل کرنے

ہوجائیگی اس سے سرکار کو ڈاٹا بیس تیار کرنے میں مدد ملے گی

(الف)دہلی میں مختلف فاؤنڈیشنوں اور دفاتر میں تعینات انتظامی / سرکشا گارڈوں کی تعیناتی کی تعداد

(ب)فاؤنڈیشنوں اور دفاتر کا انتظامی اور سرکشا گارڈ کی تعیناتی سمیت نجی سرکشا ایجنسیوں کی تفصیلات

(ج)ایسی سرکشا گارڈوں کی تعداد،جن کے پاس بندوق و لاٹھی کے لائسنس ہو، کی تفصیلات کی جانکاری

یہ جانکاری مہیا کرنے کے بعد داخلہ محکمہ ایسی سبھی نجی سرکشا ایجنسیوں میں سرکشا گارڈ کی تفصیل سمیت دہلی میں دیگر فاؤنڈیشنوں اور دفاتر میں ان کی تعیناتی کی پوری جانکاری کا ڈاٹا بیس تیار کرنے کے ساتھ ساتھ ایسی نجی ایجنسیوں کو کنٹرول کرنے میں اپنی بھومیکا نبھانے ے میں کامیاب ہوگا۔ ■

دھلی سرکار نے نجی سرکشا ایجنسیوں پر نکیل کسی

■ مہیش موریہ

مختلف محکموں، فاؤنڈیشن ودفاتر میں انتظامی اور سرکشا گارڈ مہیا کرنے والی تمام نجی سرکشا ایجنسیوں پر دہلی سرکار نے نکیل کسنی شروع کردی ہے۔ سرکار کے داخلہ محکمہ نے ایسی سبھی نجی سرکشا ایجنسیوں سے دہلی نجی سرکشا ایجنسی (قانون) ایکٹ 2009 کے تحت ان کے ذریعہ مختلف دفاتر اور فاؤنڈیشن میں تعینات سبھی انتظامی اور سرکشا گارڈوں کی تعیناتی کی اطلاع کو ضروری طور پر 21 جولائی 2014 تک دستیاب کرنے کو کہا ہے۔ ہدایت کیمطابق ایسی سبھی نجی سرکشا ایجنسیوں کو سرکشا گارڈ وانتظامی کی تعیناتی تفصیلی جانکاری آن لائن پیش کرنے کیلئے کہا گیا ہے۔ اگر کوئی ایجنسی اس ہدایت کا تعمیل نہیں کرے گی تو اس کا لائسنس منسوخ کردیا جائے گا یا رد کردیا جائے گا۔

داخلہ محکمہ کے اضافی سیکریٹری وکنٹرولر آفیسر جناب جے ٹی سنگھ نے بتایا کہ ایسی سبھی نجی سرکشا ایجنسیوں کو یہ جانکاری "Information submission by Securiuty Agencies" لنگ پر کلک کرتے ہوئے http/:home.delhi.gov.in پر اپلوڈ کرنے ہوگی۔ یہ لنگ دہلی سرکار کے خاص پورٹل http/:delhi.gov.in پر بھی دستیاب ہے۔ دیگر کسی ذرائع سے موصول اطلاع پر غور نہیں کیا جائے گا۔ لائسنس رکھنے والے کو اس کے ذریعہ دئے گئے پتے پر لاگ ان / پاسورڈ دیا جائے گا۔ لائسنس رکھنے والے کی اس لاگ ان / پاسورڈ کی مدد سے اپنے ذریعہ مقرر تحفظ گارڈ کی تعیناتی کے موضوع میں

جناب سنگھ نے بتایاکہ504 ایسی نجی سرکشا کمپنیوں کو ان کے مالک ، بھاگیدار ،شراکت دار کے پورے تفصیل کی وضاحت دھلی پولیس کی لائسنس شاخ کی سفارش پر لائسنس جاری کئے تھے ۔ایسی سبھی ایجنسیوں کی پوری جانکاری محکمہ کے پاس ہونا ضروری ہے۔اسی امید سے ایسی سبھی ایجنسیوں کیلئے اپنے سرکشا وجہ کی جانکاری کو آن لائن دستیاب کرانا ضروری بنایاگیا ہے۔

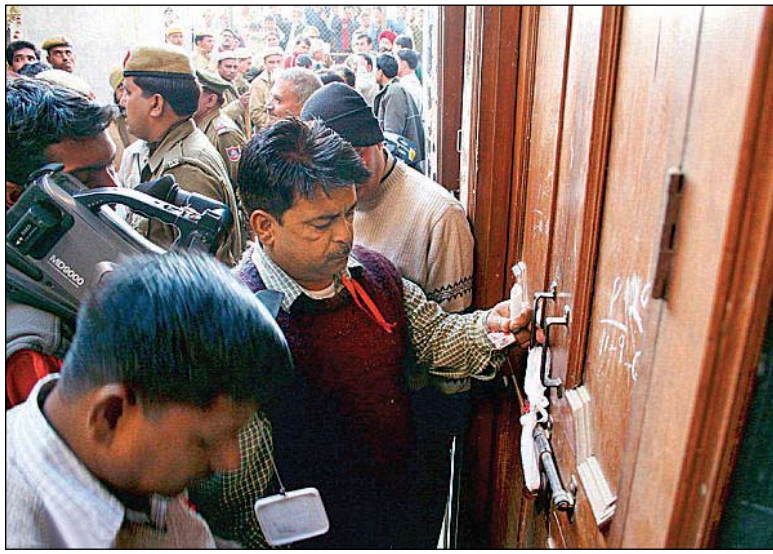

تحت مقدمہ درج کرایا گیا تھا۔ جناب یادو نے کہا کہ جمع خوری کرنے والے یا صارفین کو دھکا دینے اور دیگر معاملوں میں ملوث کسی کو بھی بخشا نہیں جائے گا۔

راجدھانی کے بوراڑی، آزاد پور منڈی، وزیر پور، شکور بستی، شالیمار باغ، نریلا، روہنی، سمئے پور، منگولپوری، تلک نگر، جنک پوری، وکاس پوری، کالکا جی، بدر پور، تغلق آباد، سنگم وہار، امبیڈکر نگر، مہرولی چھتر پور، بجواسن، نجف گڑھ، پالم، دوارکا، ٹیالا، اتم نگر، دہلی چھاؤنی اوکھلا، گوبند پوری، صدر بازار، بلیماران، ٹیا محل، قرول باغ، پٹیل نگر، غازی پور، کھچڑی پور، لکچھمی نگر، ترلوک پوری، لکشمی بائی نگر سروجنی نگر، آئی این اے مارکیٹ اور مالویہ نگر علاقوں میں چھاپے کی کارروائی کی گئی۔

محکمہ کی جانب سے ڈالے چھاپے اور مقدموں کی تفصیلات:

ضلع	کمپلیکس کی تعداد جن میں چھاپے ماری کی گئی	درج مقدموں کی تعداد
شمال	40	21
جنوب	40	10
جنوب مغرب	80	10
مغرب	52	15
شمال مغرب	67	8
مرکزی	60	9
نئی دہلی	56	8
مشرقی	78	16
شمال مشرقی	76	7
کل	549	104

خوراک وسپلائی کمشنر نے بتایا کہ چھاپے ماری کے دوران بارہ ہزار کوئنٹل دال اور چاول کے غیر قانونی اسٹاک پایا گیا۔ اس غیر قانونی اسٹاک کو محکمہ نے ضبط کرلیا گیا اور ضروری اشیاء قانون 1955 کے تحت مقدمہ درج کیا گیا۔ دہلی کے لیفٹننٹ گورنر نے خوراک وسپلائی محکمہ کو آگے بھی چھاپے ماری جاری رکھنے کے ہدایت کے ساتھ ضروری اشیاء کی جمع خوری سمیت قانون کا خلاف ورزی کرنے والوں کے خلاف سخت کارروائی کرنے کیلئے کہا ہے۔☆

☆خوراک سپلائی محکمہ کے مستعدشاخ کے 52دستے کے ذریعہ راجدھانی کے مختلف علاقوں کے 549تجارتی کمپلیکس میں چھاپے ماری کی کارروائی

☆لفٹننٹ گورنر کی ہدایت، ضروری اشیاء کی جمع خوری / کالا بازاری کرنے والوں کے خلاف سخت کارروائی۔جناب سجّن سنگھ یادو

☆مجرم پائے گئے 104تاجروں پر مقدمہ درج۔خوراک سپلائی کمشنر

☆چھاپے کے دوران بارہ ہزار کوئنٹل دال اور چاول کے غیر قانونی اسٹاک برآمد

خوراک سپلائی محکمہ کی
ذمہ داریوں اور کالا بازاری
کرنے والوں پر کارروائی

■ امیت کمار

دہلی کے لفٹننٹ گورنر کے خوراک وسپلائی محکمہ کو ضروری چیزوں کے جمع خوروں اور کالا بازاری کرنے والوں کے خلاف کارگر مہم چلانے کا ہدایت کی تعمیل کرتے ہوئے محکمہ نے خوراک وسپلائی کے اسسٹنٹ کمشنروں کے نگرانی میں خوراک سپلائی آفیسروں، معائنہ کار اور دہلی پولیس کے ملازمین کے 52 وفد/دستوں کا متعین کیا ہے۔ان دستوں کیطرف سے راجدھانی میں پیاز، آلو، دال، کھادتیل ،کھادتیل کے بیج سمیت ضروری چیزوں کی جمع خوروں کے خلاف شہر بھر میں چھاپے ماری کی جارہی ہے۔

جناب سجن سنگھ یادو، کمشنر (خوراک وعوامی سپلائر) نے بتایا کہ محکمہ کے ذریعہ متعین کئے گئے دستوں نے اب تک دہلی کے کل 549 کمپلیکس پر چھاپے ماری کی ہے۔ضروری چیزوں ایکٹ 1995 اور لیگل میٹرولوجی ایکٹ 2009 کے خلاف ورزی کیلئے 104 تاجروں پر مقدمہ درج کرایا ہے۔غور طلب ہے کہ دہلی کے جمع خوروں کے خلاف یہ دوسری سب بڑی کارروائی ہے۔گذشتہ 19 جون کو بھی محکمہ نے جمع خوروں کے خلاف مہم چلائی تھی ،جس میں 532 کمپلیکسوں پر چھاپے ماری سے پہلے 42 تاجروں پر ضروری چیزوں کے ایکٹ 1955 کے

کیلئے بنائی گئی اسکیموں میں ناکامی کیوجہ سے یمنا کا آلودگی لگاتار بڑھ رہی ہے۔دہلی سرکار سے ان خامیوں کو دور کرنے اور یمنا کی صفائی مہم میں کافی امیدیں ہیں۔

پانی تحفظ کرنے کا حل

دہلی میں نئے کالونیوں کے منظوری میں آنے اور رہائشی علاقوں کے اضافے کو دھیان میں رکھتے ہوئے چھوٹے چھوٹے پانی صاف کرنے کا پلانٹ لگانے پرغور کیا جائے گا۔پہلے سے لگائے گئے پانی صاف کرنے کا پلانٹ اورانکی خامیوں کو دور کئے جانے کی امید ہے۔

کھلے نالوں کو ڈھکنے کی یوجنا کوئی مالیاتی ماہرین صحیح نہیں بتا رہے ہیں۔ان کے حساب سے نالوں کو ڈھک کر سڑک بنانے کے بجائے انکے کناروں کو قدرتی ڈھنگ سے سائیکل یا پیدل مسافروں کیلئے مارگ کے طور پر استعمال کیا جانا چاہئے۔راشٹریہ ہرت نیا دھیکرن نے بھی دہلی کے چوڑے نالے کو ڈھکنے پر روک لگا دی ہے۔دراصل دہلی کے نالوں کو قدرتی طور سے توسیع کرنیکی اسکیم بنائے جانے کی ضرورت ہے۔

راشٹریہ ہرت نیا دھیکرن دہلی سرکار کے سبھی محکموں کو یمنا ندی میں ملبہ نہیں پھینکنے کی ہدایت دی ہے،اس حکم کا سختی سے تعمیل کئے جانے کی امید ہے۔پوجا کے بعد مورتی وسرجن سے یمنا میں ہونے والی آلودگی کو روکنے کیلئے کارگر قدم اٹھائے گئے تھے ،جنہیں ڈھنگ سے عمل کئے جانے کی ضرورت ہے۔

☆واٹر ہاروسٹنگ سے بارش کے پانے کو استعمال کئے جانے کی اسکیم پر خصوصی دھیان دیا جارہا ہے۔سرکار کی طرف سے اس کے لئے محلّہ سبھا کو انودان دیا جائیگا۔اس کے ساتھ ہی دہلی شہر اور گاؤں کے سبھی تالاب ، جوہڑوں اور باوڑیوں کو تعمیر نو کر کے ان کے رکھ رکھاؤ کی ذمہ داری بھی مقامی محلّہ سبھاؤں کو دی جائے گی۔

☆یمنا ندی کا پانی سطح بنائے رکھنے اوراس کے سطح کو بچانے کی مہم کے تحت بائیو ۔ڈائیورسٹی پارک کا کام بھی گامزن ہے۔یمنا ندی کے کنارے چھوٹی چھوٹی درجنوں جھیلیں بنائی جارہی ہیں،جس میں بارش کا پانی تحفظ کیا جائیگا۔اس بائیورڈائیورسٹی پارک سے پانی کے جانوروں اور پانی کے پرندوں کو تحفظ کے ساتھ یمنا کے پانی سطح میں بھی اضافہ ہونے کی امید ہے۔اس کے حل سے دہلی کا ماحولیات صاف ہوگا اور دہلی پہلے سے زیادہ ہری بھری ہوگی۔ ■

سطح میں 24 فیصدی کی کمی درج کی گئی تھی۔لیکن سال 2007 کے بعد دہلی میں آلودگی میں پھر سے اضافہ ہونے لگا ہے۔

عوامی گاڑیوں انتظام کے ذریعہ سے آلودگی سطح میں کمی

دہلی میں عوامی گاڑیوں پر جاری ایک آزاد رپورٹ کے مطابق پچھلے ایک سال میں راجدھانی میں سی این جی سے چلنے والے عوامی گاڑیوں کی تعداد میں کمی درج کی گئی ہے۔اور ڈیزل گاڑیوں کے رجسٹریشن میں کافی اضافہ درج کیا گیا ہے۔سی

این جی گاڑیوں کی تعداد میں کمی اور ڈیزل گاڑیوں میں اضافہ۔دہلی میں ماحولیاتی آلودگی کیلئے یہ ایک خطرناک اشارہ ہے اور ماہرین نے اس پر فوری غور کئے جانے کی ضرورت بتائی ہے تاکہ وقت رہتے عوامی گاڑیوں سے پیدا ہونے والے ماحولیاتی آلودگی پر قابو پایا جاسکے۔سی این جی کی قیمتوں کی سمیکشا بھی ایک اچھا وکلپ ثابت ہوسکتا ہے،اس سے لوگوں کو سستا و آلودگی سے پاک ایندھن ملے گا اور ڈیزل گاڑیوں میں کمی لائی جاسکے گی۔اس کے علاوہ عوامی گاڑیوں کا انتظام کا توسیع نجی کاری کر کے اس مسئلہ سے نجات پایا جاسکتا ہے۔غور طلب ہے کہ دہلی میں میٹرو کا توسیع کافی ہوا ہے،لیکن فیڈر بس سروس یا فیڈر ٹریفک پر اور دھیان سروس دستیاب ہوسکے،اور نجی گاڑیوں کے استعمال کو کم کیا جاسکے۔سرکار کا بھی ماننا ہے کہ راجدھانی 70 فیصدی ماحولیاتی آلودگی گاڑیوں سے نکلنے والے دھوئیں کی وجہ سے ہے۔اسکو دیکھتے ہوئے عوامی گاڑیوں استعمال کو اور مضبوط و پائیدار بنایا جائے گا۔

یمنا ندی اور پانی تحفظ

راجدھانی دہلی کی جیون دھارا کہی جانے والی اور صدیوں سے دہلی کی نگر تہذیب کو سینچ کر رکھنے والی یمنا ندی کا خود کی زندگی پریشانی میں ہے۔یہ ایک وڈمبنا ہی ہے کہ دہلی کی 70 فیصدی پینے کے پانی کی ضرورتوں کو پورا کرنے والی یمنا ندی میں کل آلودگی کا 79 فیصدی یوگدان حصہ دہلی کا ہی ہے۔گھریلو اور انڈسٹری گندے پانی والے کل 22 نالوں میں سے ہر دن 2933 ملین لیٹر گندا پانی یمنا میں گرتا ہے۔یہ بیحد پریشان کن بات ہے جو کہ مستقبل میں یمنا کو مرت بنانے کیلئے کافی ہے۔تعجب کی بات ہے کہ ملک کی راجدھانی دہلی اس کے لئے ذمہ دار ہے۔اس لئے یمنا کو آلودگی سے پاک کرنے کی سب بڑی ذمہ داری دہلی سرکار اور دہلی کے لوگوں کی ہی ہے۔دراصل یمنا میں پانی کو بہتر کرنے کے لئے بڑے قدم اٹھائے جانے کی ضرورت ہے۔

یمنا کے کام کی اسکیم کے تحت صفائی پر لگ بھگ 1800 کروڑ روپئے خرچ کئے جانے کے باوجود یمنا صاف نہیں ہوئی اور حالت جیسے کی ویسے ہی بنی ہوئی ہے۔بلکہ یہ کہا جائے کہ روز بروز یمنا اور میلی ہوتی جارہی ہے تو تعجب کی بات نہیں ہوگی۔دراصل یمنا کی صفائی کے کام میں لگی ایجنسیوں کی لاپرواہی اور پانی نکالنے

دہلی میں بس خدمات کا اور توسیع کیا جائے گا۔

☆ مسافروں کی سہولت کیلئے دہلی میں آٹو اسٹینڈ بنائے جائیں گے۔

نئی سرکار کے ان قدموں سے دہلی کے ماحولیات کے صاف ہونے اور دہلی اور زیادہ ہری۔بھری اور صاف ستھری ہونے کا امید ہے۔

آلودگی کم کرنے اور ماحولیات کو محفوظ رکھنے کی کوشش

پچھلے ڈیڑھ۔دو دشک میں راجدھانی دہلی کا ہرت علاقہ لگ بھگ 2 فیصد سے بڑھکر 20 فیصد سے زیادہ ہوگیا ہے۔آنے والے دنوں میں اسے اور بڑھنے کیلئے اور زیادہ پیڑ اور پودے لگائے جانے کی ضرورت ہے۔دراصل آلودگی کا معاملہ سیدھے طور پر وکاس کے ادھار بھوت طریقے سے جوڑا ہوا ہے۔اسلئے آسنتولت وکاس کے بجائے پریاورن کو دھیان میں رکھ کر وکاس اسکیمیں بنائے جانے پر زور دیا جارہا ہے۔وکاس کے نام پر پیڑوں کی آدھا دھند کٹائی کو روکنے کیلئے کارگر نیتی بنائے جانے کی ضرورت محسوس کی جارہی ہے۔

کیروسین سے پاک شہر دہلی۔راجدھانی دہلی کے ماحولیات کو بہتر بنانے کیلئے دہلی کو ملک کا پہلا کیروسین سے پاک شہر اعلان کیا گیا ہے۔اس کے لئے دہلی میں کیروسین استعمال کرنے والے

سبھی صارفینوں کو ایل پی جی رسوائی گیس وکنکشن دستیاب کرایا گیا، کئی دیگر ریاستوں کیلئے یہ ایک مثال ہے۔اسی طرح کے اور فیصلے لئے جانے کی امید ہے۔

قومی ہرت نیادھیکرن

راجدھانی کو ہرا بھرا بنانے اور یمنا ندی کی دھارہ کو نرمل بنانے کے لئے شروع کی گئی قواعد کو سال 2014 میں اور بھی پر بھاوی طریقے سے لاگو کئے جانے کو ساتھ ہی راشٹریہ ہرت نیادھیکرن کے ذریعہ دئے گئے ہدایتوں کا سختی سے پالن کئے جانے کی امید ہے۔دہلی میں سڑکوں کے کنارے اور پیڑوں کے آس۔پاس کی زمین کو پکّا کرنے سے پیڑوں کو ہورہے نقصان پر راشٹریہ ہرت نیادھیکرن کے ہدایتوں کے پالن کیلئے پی ڈبلیو ڈی محکمہ جنگلات اور دہلی سرکار کی طرف سے کنکریٹ ہٹانے کا کم شروع کردیا گیا ہے۔سبھی کالونیوں میں پیڑوں کے نیچے کے سطح کو کنکریٹ مکت کرنے کا کم بھی چل رہا ہے۔نئے سل میں اس مانک کو سبھی وکاس اسکیموں سے جوڑا گیا۔

سی این جی اور ماحولیاتی آلودگی

بھارت سرکار کے وگیان وانڈسٹری وزارت کے ایک ایکٹ کے مطابق پچھلے ایک دہائی میں راجدھانی میں ماحولیاتی آلودگی کی سطح میں 21 فیصد کی اضافہ درج کی گیا ہے۔اس کو کم کرنے کیلئے فوری ضروری قدم اٹھائے جانے کی ضرورت ہے۔دہلی میں عوامی گاڑیوں میں کمپریسڈ نیچرول گیس۔سی این جی کے استعمال کے بعد 96-1995 کی دوران سال 04-2003 میں ماحولیاتی آلودگی کے

راجدھانی دھلی کا مامحولیاتی آلودگی

سال 2014 کی چنوتیاں اور سمادھان

■ **امت کمار**

قومی راجدھانی دہلی کے پریاورن کو بہتر بنانے اور وایو و پانی سنرکشن کے لئے کئی بہتر قدم اٹھائے جانے کی ضرورت محسوس کی جارہی ہے۔ راجدھانی میں دہلی کیابل جی صاحب کے اجازت پر دہلی سرکار نے پریاورن، وایو و پانی سنرکشن کے لئے سکریٹری کی صدارت میں ایک سطحی سمیتی کا قیام کیا تھا۔ جس نے پریاورن میں سدھار کو لے کر اپنی رپورٹ دی ہے۔ ایسے میں اب پریاورن کو لے کر کئی نئے اور کامیاب قدموں پر عمل کئے جانے کی امید ہے۔

■ راجدھانی دہلی کے سیوریج سسٹم کو نئے سرے سے ڈیزائن کیا جائے گا۔ پوری دہلی کے سبھی مکانوں و علاقوں میں جہاں سیور نہیں ہے، وہاں سیور ڈالے جائیں گے، چاہے وہ علاقہ منظور شدہ، غیر منظور شدہ یا کسی بھی طرح کی کالونی میں ہو۔

■ سیور کا پانی سیدھے طور پر جمنا میں نہ جائے، اس کے لئے ضرورت کے مطابق نئے سیور ٹریٹمنٹ پلانٹ بنائے جائیں گے۔

■ دہلی کے ملین اور جھگی بستیوں اور پبلک جگہوں پر دو لاکھ بیت الخلاء بنائے جائیں گے

■ محلّے کی صفائی۔ ستھرائی کی پوری ذمہ داری محلّہ سبھاؤں کو دی جائے گی۔ اس کے لئے انہیں آوشیک دھن اور سرکاری سویدھا بھی مہیا کرائی جائے گی

■ ملبہ اور کوڑے کا نستارن وگیانک طریقے سے کیا جائے گا اور سڑک یا پبلک جگہوں پر کوڑا، ملبہ یا گندگی پھیلانے پر بھاری جرمانہ لگے گا۔

■ پریاورن کا سب سے بڑا دشمن مانے جانے والے پلاسٹک پر روک کو بہتر طریقے سے لاگو کیا جائے گا۔

■ پبلک کے لئے گاڑیوں کی بڑھوتری کیا جائے گا، جس سے دہلی میں نجی گاڑی کا استعمال کم سے کم ہو سکے۔

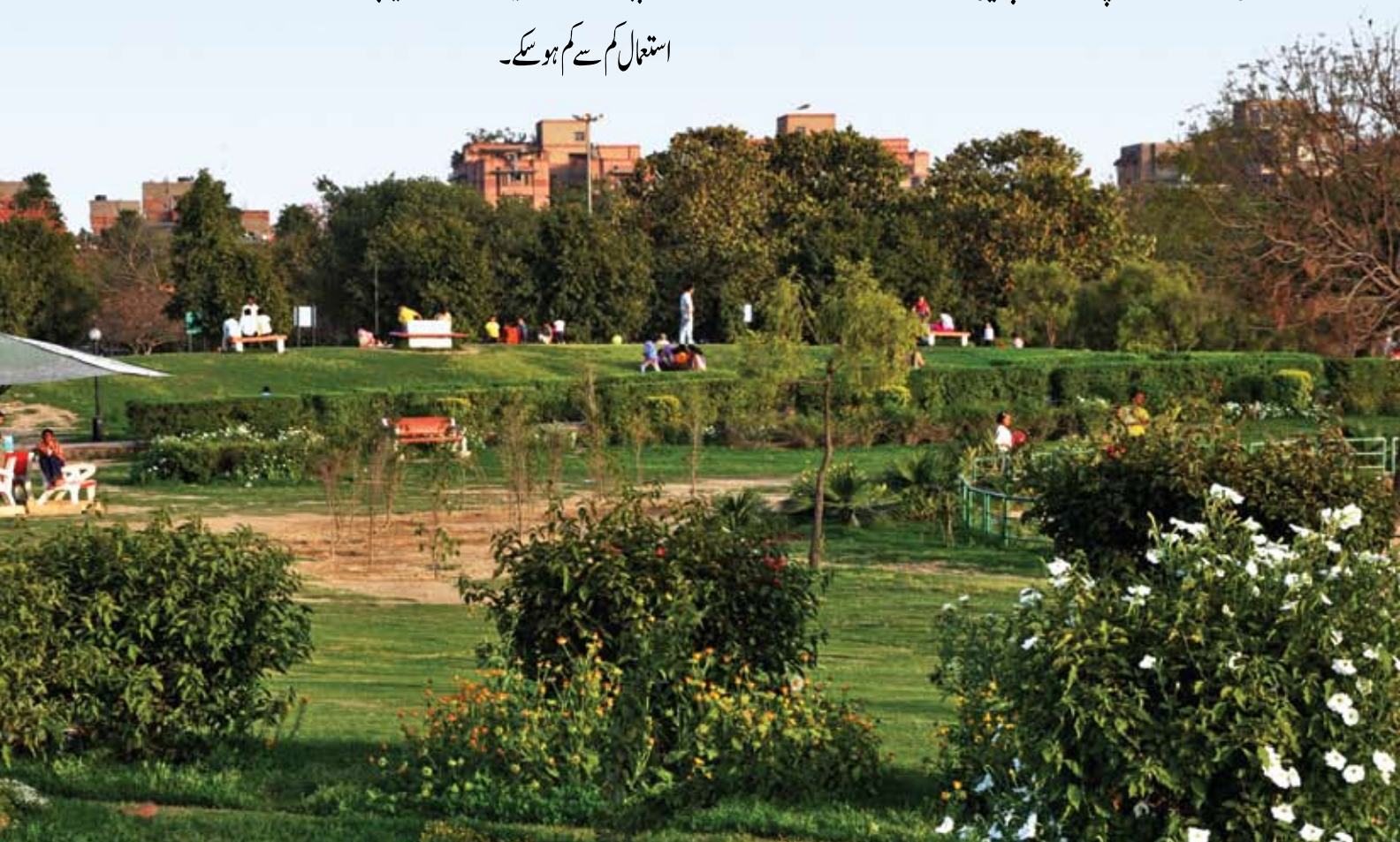

दिल्ली के उपराज्यपाल श्री नजीब जंग तिब्बिया कॉलेज एवं अस्पताल का निरीक्षण करते हुए।

लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के निरीक्षण के दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल श्री नजीब जंग मरीजों का हाल पूछते हुए।

दिल्ली के उपराज्यपाल श्री नजीब जंग त्यागराज खेल परिसर में शिक्षा निदेशालय के एक सम्मान समारोह में

दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव राजधानी में स्वच्छ भारत अभियान के निगरानी दौरे पर

श्री सज्जन सिंह यादव, निदेशक, सूचना एवं प्रचार निदेशालय, दिल्ली सरकार, पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054 द्वारा प्रकाशित एवं आकांक्षा इम्प्रेशन्स, 18/36 स्ट्रीट नं. 5, रेलवे लाइन साइड, आनंद पर्वत इंडस्ट्रियल एरिया, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली–05 द्वारा मुद्रित